आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 06.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी उपरांत 09:16 द्वादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 15 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 109, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ सेबी चेयरमैन की सलाह अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक
- 10

■ 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री
- 10

■ भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त : अमित शाह
- 11

■ आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र
- 12

OUR TOP SELECTIONS IN JEE-MAIN 2026

ASHI BASS
D/o Dr. Akshat Bass
Target Course
99.62 PERCENTILE

DIVYANSH TYAGI
S/o Mr. Vivek Tyagi
Foundation Course
99.52 PERCENTILE

RISHABH SAXENA
S/o Mr. Naveen Saxena
Foundation Course
99.82 PERCENTILE

DHAIRYA KUMAR
S/o Mr. Ravi Kumar
Foundation Course
99.55 PERCENTILE

VISHAL SIR (B.Tech. IIT-Kanpur) VIPUL SIR (B.Tech. IIT- Dhanbad)

OUR TOP SELECTIONS IN NEET 2025

GMC BADAUN — MEGHA KAPOOR — TARGET COURSE
AIIMS RAIBAREILLY — SOUMYA SINGH — FOUNDATION COURSE
GMC HALDWANI — DEVANSH PANDEY — TARGET COURSE
GMC PILIBHIT — ABHINAV SHANKHDHAR — FOUNDATION COURSE
GMC SHAHJAHANPUR — KSHITIZ GOVIL — TARGET COURSE

VIPUL GOVIL SIR (CHEMISTRY) , VISHAL VARSHNEY SIR (PHYSICS) , OMENDRA YADAV SIR (BIOLOGY) WITH SELECTED STUDENTS

ADMISSION OPEN
(BATCHES STARTING FROM 23 & 30 MARCH 2026)

MEDICAL
NEET
For Students moving from XI to XII , X to XI & XII Appearing

ENGINEERING
IIT-JEE
For Students moving from XI to XII , X to XI & XII Appearing

PRE-FOUNDATION
NEET/JEE
For Students moving from VIII to IX & IX to X

OUR FACULTY

PHYSICS BY
VISHAL VARSHNEY SIR
(B.Tech., IIT Kanpur)
25 Yrs. Experience

CHEMISTRY BY
VIPUL GOVIL SIR
(B.Tech., IIT Dhanbad)
25 Yrs. Experience

MATHS BY
SUDHIR PANDEY SIR
(M.Sc., IIT Roorkee)
25 Yrs. Experience

BIOLOGY BY
OMENDRA YADAV SIR
(M.Sc.)
20 Yrs. Experience

MEDIIT
EDUCATIONAL INSTITUTE
149, Janakpuri, Bareilly Mob. 9639011515, 9639011516
www.mediitbareilly.com

प्रधानमंत्री की कोलकाता में आयोजित जनसभा के लाइव प्रसारण को सुनने के लिए लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में बंगाली समाज के प्रतिनिधि एकत्र हुए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी आदि मौजूद रहे।

मुकाबला नहीं कर पा रहे, अराजकता फैला रहे विपक्षी: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कैथल में मुख्यमंत्री बोले- जनता का भरोसा खो चुके लोग अब संवैधानिक संस्थाओं पर उठा रहे सवाल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता जिन लोगों को नकार चुकी है और जो मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं, वे अफवाहों के जरिए अराजकता और अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को समाज को मिलकर रोकना होगा और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में मजबूती से काम करना होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा के कैथल जिले के सौंगल गांव स्थित बाबा मुकुट नाथ मठ में ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ जी के आठमान भंडारा, देशमेल और शंखाढाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पूजन-अर्चन कर संतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आयोजन के लिए महंत शेरनाथ महाराज को शुभकामनाएं दीं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग जनता का विश्वास खो चुके हैं, वे अब भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर ही सवाल उठा रहे हैं। कभी लोकसभा अध्यक्ष, कभी न्यायपालिका तो कभी निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जीतने पर श्रेय लेना और हारने पर संस्थाओं पर आरोप लगाना उचित नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और आर्थिक अस्थिरता का माहौल है, लेकिन भारत किसानों के परिश्रम और मजबूत नेतृत्व के कारण विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि 145 करोड़ देशवासी एकजुट होकर देश के नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद कई सरकारें आईं, लेकिन आस्था के सवालों पर ध्यान नहीं दिया गया, क्योंकि वे वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति में उलझी रहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में समान सोच वाली सरकार बनने के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हुआ। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारपुरी और बद्रीनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों का भव्य विकास भी इसी सोच का परिणाम है।

संतों के सानिध्य में ऊंची रहेगी सनातन की पताका

योगी ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया है। संतों के सानिध्य में सनातन की ध्वज पताका हमेशा ऊंची रहेगी। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना और सामाजिक समरसता के भी केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा की भूमि संतों और वीरों की परंपरा के लिए जानी जाती है। इस परंपरा ने देश की सुरक्षा और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यहां नशे को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान

योगी ने कहा कि पाकिस्तान भारत में नशे को बढ़ावा देकर युवा पीढ़ी को कमजोर करने की साजिश कर रहा है। उन्होंने समाज और संतों से अपील की कि नशे के खिलाफ जनजागरण चलाया जाए। नशा समाज और राष्ट्र दोनों के लिए विनाशकारी है और इसके खिलाफ लड़ाई देशसेवा के समान है।

न्यूज ब्रीफ

181 हेल्पलाइन से 8.42 लाख महिलाओं को मिली मदद

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित 181 महिला हेल्पलाइन संकट की घड़ी में महिलाओं के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर उभरी है। वर्ष 2017 से संचालित इस टोल फ्री सेवा के माध्यम से अब तक 8.42 लाख से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। महिलाएं घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न या अन्य किसी भी समस्या की स्थिति में 181 नंबर पर कॉल कर तुरंत मदद और परामर्श प्राप्त कर रही हैं।

नवआरंभ उत्सव 25 से बढ़ेंगे नामांकन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने और छोटे बच्चों को स्कूल से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार ने कदम बढ़ा दिये हैं। उक्त क्रम में 25 मार्च को राज्यभर के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों में 'नवआरंभ उत्सव' आयोजित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की इस पहल का उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का बालवाटिका में नामांकन बढ़ाना और अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

हादसों में बैंक कर्मी समेत 2 की मौत

अल्मोड़ा/देहरादून : अल्मोड़ा के सल्ट में शनिवार को कार के गहरी खाई में गिरने से पीएनबी थलीसैंण में तैनात हेड कैशियर काशीपुर निवासी सुभाष सिंह बिष्ट (35) की मौत हो गई। वहीं, ऋषिकेश की डोईवाला चीनी मिल में शनिवार को सफाई के दौरान हुए हादसे में तीन श्रमिक घायल हो गए। इनमें हरदोई (उत्तर प्रदेश) निवासी श्रमिक जगमोहन (28) ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मुरी एक्सप्रेस से गिरकर दो यात्रियों की मौत

इटावा, एजेंसी। जिले में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर भरथना रेलवे स्टेशन के पास मुरी एक्सप्रेस से गिरकर दो रेल यात्रियों की मौत हो गई। घटना भरथना रेलवे स्टेशन के पूर्वी ओर गणेश राइस मिल के सामने पोल संख्या 1136/10 के पास हुई।

एलपीजी कालाबाजारी करने वाले 8 गिरफ्तार, 40 एफआईआर दर्ज

गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री को लेकर प्रदेशभर में की जा रही कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दो दिनों में प्रदेश के 2,554 स्थानों पर किया गया निरीक्षण और छापेमारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी है। खाद्य एवं रसद विभाग तथा जिला प्रशासन की टीमों ने पिछले दो दिनों में प्रदेश के 2,554 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान 40 एफआईआर दर्ज की गईं, आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 37 अन्य के खिलाफ अभियोजन कार्यवाही की गई।

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित की जाए और कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जाए। इससे उपभोक्ताओं को गैस की नियमित आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी न होने पाए।

प्रदेशभर के 4,108 एलपीजी वितरकों के यहां पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार रिफिल की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। भारत सरकार ने कमर्शियल सिलेंडरों की कुल खपत के 20 प्रतिशत तक आवंटन की अनुमति दी है, जिससे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी गैस आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी।

इस कार्रवाई से न केवल कालाबाजारी करने वालों पर सख्ती दिखाई गई है, बल्कि प्रदेश की एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती भी मिली है। प्रशासन का मानना है कि सतत निगरानी और जांच के माध्यम से उपभोक्ताओं को नियमित और पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

समस्याओं का त्वरित समाधान

आपूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी के लिए प्रदेश के सभी जिलों में 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी लगातार फील्ड निरीक्षण कर उपभोक्ताओं को आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। लखनऊ मुख्यालय में भी कंट्रोल रूम सक्रिय है, जहां अधिकारियों की तैनाती से समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

आरटीई के तहत 1.56 लाख बच्चों को निजी स्कूलों में मिला प्रवेश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को संचालित प्रवेश प्रक्रिया के पहले दो चरणों में 1.56 लाख से अधिक बच्चों को निजी विद्यालयों में दाखिला मिल चुका है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, प्रथम चरण में लगभग 1.09 लाख सीटों का आवंटन किया गया, जबकि दूसरे चरण की लॉटरी में 47 हजार से अधिक बच्चों को प्रवेश मिला। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से पूरी की गई, जिसमें आवेदन, सत्यापन और लॉटरी प्रणाली के जरिए छात्रों का चयन किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक प्रवेश लखनऊ में हुए हैं, जहां पहले चरण में 12,097 और दूसरे चरण में 3,489 बच्चों को सीट मिली।

तीन माह में बनाए 18 लाख आयुष्मान कार्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बरेली पहले, जौनपुर दूसरे और आगरा तीसरे स्थान पर

अमृत विचार : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत छूटे पात्र लाभार्थियों को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश में विशेष अभियान चलाया गया है। चलाए गए अभियान के तहत पिछले 3 महीनों में करीब 18 लाख नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 5.64 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे करोड़ों परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है।

प्रदेश सरकार ने यह विशेष अभियान पहले 25 नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक चलाया था, जिसमें 5.52 लाख से अधिक कार्ड बनाए गए। अभियान की सफलता को देखते हुए इसे 15 जनवरी से दोबारा शुरू किया गया, जो 15 अप्रैल तक चलेगा। 12 मार्च तक इस चरण में 17.94 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा के अनुसार, अभियान के दौरान कार्ड बनाने में बरेली जिला पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा, जहां 1,12,855 कार्ड बनाए गए। जौनपुर 83,042 कार्ड के साथ दूसरे और आगरा 76,702 कार्ड के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा प्रयागराज 74,252 कार्ड बनाकर चौथे और आजमगढ़ 70,266 कार्ड के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

अभिषेक प्रकाश बहाल विभागीय कार्रवाई यथावत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

अमृत विचार : शासन ने निलंबित चल रहे आईएएस अभिषेक प्रकाश को बहाल कर दिया है। राज्य सरकार ने निलंबन अवधि समाप्त होने के बाद 15 मार्च 2026 से सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया है। शासन के नियुक्ति अनुभाग-5 द्वारा 14 मार्च शनिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि बहाली के बावजूद उनके खिलाफ चल रही विभागीय कार्रवाई पूर्ववत जारी रहेगी। शासन ने यह आदेश राज्यपाल की अनुमति से दिया है।

आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि 14 मार्च 2026 तक मानी जाएगी और 15 मार्च से अभिषेक प्रकाश को फिर से सेवा में शामिल किया जाएगा। साथ ही अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक कोई भी विभागीय निर्णय या कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी। अर्थात, नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और शासन की जवाबदेही और पारदर्शिता बनी रहेगी।

गौला नदी का जलस्तर 120 क्यूसेक तक गिरा

हल्द्वानी, अमृत विचार : बारिश न होने के कारण कुमाऊं क्षेत्र की जीवनदायिनी नदियों में पानी की किल्लत हो रही है। मार्च महीने में ही गौलानदी का जलस्तर मई-जून की गर्मी जैसा दर्ज किया जा रहा है। इससे शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। शनिवार को जलस्रोतों की स्थिति का आंकलन किया गया, जिसमें गौला नदी में जलस्तर 120 क्यूसेक, कोसी नदी में 124 क्यूसेक और नंधौर नदी में 54 क्यूसेक दर्ज किया गया। सामान्य परिस्थितियों में इतनी कम आपूर्ति मई-जून की गर्मी में ही होती है।

कार्रवाई : वायरल वीडियो पर वरिष्ठ सहायक निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार : बस्ती के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत में वायरल हुए एक वीडियो के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को मामले का तत्काल संज्ञान लिया और निर्देश दिए कि वीडियो के जांच कराई जाए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

वायरल वीडियो में दिखाए गए क्लर्क प्रदीप श्रीवास्तव पर घूस लेने का आरोप था। उप मुख्यमंत्री के आदेश पर आरोपी वरिष्ठ सहायक को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, उसे कार्यालय अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, चित्रकूट धाम मंडल, बांदा में स्थानांतरित किया गया है। साथ ही मंडलीय अपर निदेशक, चित्रकूट धाम को जांच अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने मामले की जांच संबंधी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एचपीसीएल प्लांट तीसरे दिन भी बंद रहा, दातागंज सीओ देवेन्द्र भी नपे

संवाददाता, दातागंज/ बदायूं

- लखनऊ में तैनात रहे राहुल पांडे सीओ दातागंज बनाए गए
- सुरक्षा को लेकर परेशान हैं प्लांट के कर्मचारी

अमृत विचार : एचपीसीएल प्लांट में दिनदहाड़े हुई दो अफसरों की हत्या के बाद कर्मचारी दहशत से नहीं उबर पा रहे। तीसरे दिन भी शनिवार को प्लांट ठप रहा। कुछ कर्मचारी ड्यूटी करने पहुंचे भी तो उनको लौटा दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बदायूं की घटना पर संज्ञान लेते हुए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

प्लांट पर पुलिस चौकी की स्थापना कराई जा रही है, जहां सुरक्षा में दो दरोगा और 8 सिपाही तैनात किए जाएंगे। थाना प्रभारी व हल्का इंचार्ज के निलंबन, एसएसपी के ट्रांसफर के बाद शासन ने सीओ दातागंज डॉ. देवेन्द्र कुमार को भी हटाकर डीजीपी मुख्यालय से अटैच कर दिया है। हत्याकांड की जांच को मंडलायुक्त बरेली की अध्यक्षता में एसआईटी भी गठित कर दी गई है। एसडीएम दातागंज धर्मेन्द्र सिंह ने बताया है कि प्लांट मंगलवार से शुरू होगा।

डीएम अवनीश राय के साथ नवागत एसएसपी अंकिता शर्मा भी कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र पहुंचकर हालात परखे। प्लांट अफसरों ने डीएम से मिलकर प्लांट चालू कराने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी। गुरुवार को हुए दोहरे हत्याकांड के बाद प्रशासन ने शनिवार से प्लांट शुरू होने की बात कही थी, लेकिन कामकाज आज भी शुरू नहीं हो सका। कुछ अधिकारी और कर्मचारी प्लांट पर आए लेकिन उन्हें गेट से ही वापस कर दिया गया। वहीं डर की वजह से ज्यादातर लोग काम पर ही नहीं गए। प्लांट अब भी सन्नाटा पसरा है। किसान पराली लेकर जरूर लाइन लगाए हैं। प्लांट की सुरक्षा प्लाटून पीएसी, पुलिस तैनात है। सीएम योगी बदायूं कांड को लेकर बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। उन्होंने मारे गए प्लांट अधिकारियों के प्रति शोक संवेदन व्यक्त कर परिजनों को सांत्वना दी है और सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि आरोपी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद भी यदि किसी तरह की साजिश की संभावना दिखती है, तो सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति से कार्रवाई होगी। घटना की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए कमश्नर बरेली की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करा दी गई है।

बसपा आज मनाएगी कांशीराम जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की ओर से रविवार को प्रदेश भर में पार्टी संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाई जाएगी। पश्चिमी यूपी के छह मंडलों के कार्यकर्ता नोएडा में एकत्र होंगे, वहीं लखनऊ समेत प्रदेश के हर जिले में जयंती के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान अनुसूचित जातियों की एकता और उनके विकास के मुद्दे पर बात की जाएगी। बसपा प्रमुख मायावती ने सभी कार्यकर्ताओं को शनिवार को निर्देश जारी किए। कहा कि पूरे प्रदेश में जयंती के कार्यक्रमों को विशेष रूप से सफल बनाया जाए। उन्होंने आगाह किया कि जातिवादी और संकीर्ण जातिवादी सोच की राजनीतिक पार्टियां अवसरवादी फैशन के तहत अनुसूचित जाति के लोगों को गुमराह करना चाहती हैं। लेकिन जब यह लोग सत्ता में थे तो इन्होंने संवैधानिक व्यवस्था को पूरी तरह से पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया था।

जंगलों में आग रोकने को 116 कंट्रोल सेल सक्रिय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वन विभाग ने मुख्यालय से लेकर प्रभागीय स्तर तक 116 अग्नि नियंत्रण सेल स्थापित कर दिए हैं, जो 24 घंटे निगरानी रखते हुए किसी भी आग की घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में अग्नि नियंत्रण सेल सक्रिय कर दिया गया है। मुख्य वन संरक्षक (प्रचार-प्रसार) अदिति शर्मा के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में वन अग्नि नियंत्रण के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रभागीय स्तर पर आग की किसी भी सूचना को तुरंत मुख्यालय तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी नियंत्रण कक्षों में तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। प्रत्येक नियंत्रण कक्ष में आग से जुड़ी किसी भी सूचना को तत्काल रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा और संबंधित क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसकी जानकारी मुख्यालय को भी भेजी जाएगी।

रास्ते की मजार को किया ध्वस्त

चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी में वर्षों पहले रास्ते पर अवैध निर्माण कर बनाई गई मजार को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, हालांकि पूरे अभियान के दौरान स्थिति शांतिपूर्ण रही।

नगर निवासी सुभाष शर्मा के मकान के रास्ते पर लगभग 10 वर्ष पहले अवैध रूप से मजार बना दी गई थी। इससे मकान तक आने-जाने के रास्ते में बाधा उत्पन्न हो रही थी। सुभाष शर्मा लगातार इसकी शिकायत कर रहे थे। छह दिन पहले समाधान दिवस में वह अपने बेटे के साथ पहुंचे और अधिकारियों के सामने समस्या रखी। एसडीएम आशुतोष तिवारी ने राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए। जांच के बाद अवैध मजार को हटाने के आदेश जारी कर दिए गए। शनिवार को शाम करीब चार बजे पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची।

ईद से पहले मेरठ में सख्ती

मेरठ, एजेंसी

- 100 लोगों को रेड कार्ड नोटिस की तैयारी, माहौल बिगाड़ने पर होगी कड़ी कार्रवाई

ईद के मद्देनजर मेरठ पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे करीब 100 लोगों को चिन्हित किया है, जिन्हें जल्द ही रेड कार्ड नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों पर पहले भी उपद्रव या त्योहारों के दौरान तनाव की स्थिति पैदा करने के आरोप में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडे ने शनिवार को बताया कि ईद पर शांतिपूर्ण माहौल कायम रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सभी इस्लामी धर्मगुरुओं और मस्जिद प्रबंधन समितियों से समन्वय स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि जिले की 544 मस्जिदों और 146 ईदगाहों के प्रबंधन से अधिकारियों ने बातचीत की है और सभी ने आश्वासन दिया है कि किसी भी परिस्थिति में सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एसएसपी ने कुछ मीडिया संस्थानों में प्रसारित उन खबरों का भी खंडन किया, जिनमें उनके हवाले से सड़कों पर नमाज पढ़ने या नियमों का उल्लंघन करने वालों के पासपोर्ट निरस्त करने की बात कही गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की ओर से ऐसा कोई नया निर्देश जारी नहीं किया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई जरूर की जाएगी।

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 06.21

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी उपरांत 09:16 द्वादशी विक्रम संवत 2083
रविवार, 15 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 109, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ सेबी चेयरमैन की सलाह अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक
- 10

■ 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री
- 10

■ भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त : अमित शाह
- 11

■ आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र
- 12

कांग्रेस झूठे वादों की दुकान : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- हम बाहरी युद्धों के असर से बचाव में लगे हैं, हताश कांग्रेस ने देश के विरुद्ध ही मोर्चा खोल रखा

बोले- सरकार लोगों पर वैश्विक संघर्षों के पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही

● मोदी ने असम में 23,550 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल को 18,680 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की दी सौगात

सिलचर/कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री ने शनिवार को असम के सिलचर में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक संघर्षों के कारण लोगों पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए काम कर रही है। साथ ही आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस देश में दहशत पैदा करने की कोशिश करके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल की भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। वह आज झूठे वादों की दुकान बन चुकी है और दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम में विधानसभा चुनावों से पहले सिलचर में शनिवार को 23,550 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की। वहीं पश्चिम बंगाल में 18,680 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि राज्य से भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। उन्होंने सिलचर में कहा, उसके (कांग्रेस) पास न तो असम के लिए कोई दूरदृष्टि है और न ही राष्ट्र के लिए वे (कांग्रेस नेता) केवल मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ बोलना जानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- हम बाहरी युद्धों के असर से बचाव में लगे हैं हताश कांग्रेस ने देश के विरुद्ध ही मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को जिस तरह उसके हाल पर छोड़ दिया, उसने उसी तरह बराक घाटी को कमजोर करने में भी अहम भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कछार जिले के सिलचर और मेघालय के शिलांग के बीच 22,864 करोड़ रुपये की नियंत्रित प्रवेश-निकास वाली एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए भूमि पूजन में भाग लिया। 166 किलोमीटर लंबे चार लेन के इस ग्रीनफील्ड द्रुतगति गलियारे से मेघालय और असम के बीच संपर्क सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा और गुवाहाटी और सिलचर के बीच की दूरी 295 से घटकर 252 रह जाएगी।

प्रधानमंत्री ने बंगाल में परियोजनाओं की शुरुआत कर रेखांकित किया कि ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास को नई गति प्रदान करेंगी, जिससे व्यापार और उद्यम को बढ़ावा मिलेगा।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माला पहनाते भाजपा नेता।

घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल एसआईआर का विरोध कर रही : मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर घुसपैठियों के अपने वोट बैंक को बचाने के लिए मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य में तृणमूल के शासनकाल में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की वजह से कई क्षेत्रों की जनसांख्यिकी बदल गई है। मोदी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला बोला और उस पर घुसपैठ को बढ़ावा देने, राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों से पहले ममता बनर्जी सरकार के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल उत्पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का विरोध कर रही है।

टीएमसी ने राष्ट्रपति का ही नहीं, आदिवासियों और संविधान का भी अपमान किया

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करके सभी हदें पार करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि पार्टी ने न केवल राष्ट्र की प्रमुख का अपमान किया बल्कि देश के आदिवासियों और संविधान का भी अनादर किया। पिछले हफ्ते मुर्मू की उत्तर बंगाल यात्रा के दौरान पैदा हुए विवाद के बीच मोदी ने ये आरोप लगाए हैं। राष्ट्रपति ने अपने कार्यक्रम का स्थल अंतिम क्षण में बदल दिए जाने पर नाराजगी जताई थी और सवाल उठाया था कि हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए मुख्यमंत्री ममता या राज्य का कोई मंत्री मौजूद क्यों नहीं था। राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में वर्तमान सरकार के तहत आदिवासी, दलित और गरीब लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

बदायूं कांड : एसआईटी गठित, सीओ भी हटाए गए

● मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, राहुल पांडेय नए सीओ किए तैनात
● प्लांट परिसर की सुरक्षा बढ़ाते हुए पुलिस चौकी की स्थापना की गई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बदायूं स्थित एचपीसीएल प्लांट में हुई घटना के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बरेली मंडल के मंडलायुक्त की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक्स पर कहा कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाएगी और त्वरित कार्रवाई की जा चुकी है।

वहीं एसएसपी डा. ब्रजेश सिंह के बाद अब सीओ दातागंज डा. देवेन्द्र कुमार पर भी गाज गिरा दी गई। उन्हें पुलिस मुख्यालय में अटैच कर दिया गया है। उनके स्थान पर लखनऊ स्थित यूपी-112 में तैनात राहुल पांडेय को अब दातागंज का नया सीओ तैनात किया गया है। माना जा रहा है कि कमिश्नर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी की जांच के बाद अभी और अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एसआईटी घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच करेगी। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। इस मामले में मुख्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीबीजी प्लांट परिसर में पुलिस चौकी स्थापित की गई है। इससे न केवल भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की संभावना कम होगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मामले की जांच पूरी गंभीरता से की जाए और किसी भी दोषी को बख्शा न जाए। -योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

हत्यारोपी की 6 दुकानों पर चलेगा बुलडोजर, राशन का कोटा किया सस्पेंड

बरेली। प्रशासन ने हत्यारोपी अजय की मां के नाम से गांव में चल रहे राशन का कोटा सस्पेंड कर दिया है। प्रशासनिक टीम की नापतौल में गांव में बनीं आरोपी अजय की छह दुकानें भी अतिक्रमण के दायरे में पाई गई हैं, जिन पर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी है। डीएम अवनीश राय और नवागत एसएसपी अंकिता शर्मा ने शनिवार को प्लांट पर पहुंचकर कर्मचारियों से बात की और सुरक्षा का भरोसा दिया। प्लांट आज भी बंद रहा। प्रशासन का कहना है कि प्लांट मंगलवार को शुरू होगा।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज उत्सव के बाद का खालीपन व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

बुजुर्ग व्यक्ति को कार के बोनट से लटकाकर घुमाया, चालक गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें कार के बोनट से एक बुजुर्ग व्यक्ति को लटके हुए देखा जा सकता है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे निकोल इलाके में हुई। पुलिस अधिकारी सुमरा ने बताया, कृष्णापार्क सोसाइटी के निवासी कार चालक हरिसांग यादव (29) को भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।

ईरान के तेल नेटवर्क क्षेत्र खार्ग द्वीप पर अमेरिका की बमबारी

● ईरान के तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है खार्ग द्वीप, ट्रंप ने चेताया- होर्मुज में आवागमन रोका तो अन्य तेल क्षेत्र बनाएंगे निशाना

दुबई, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण एक द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को शुक्रवार को नष्ट कर दिया और चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रीट से जहाजों के आवागमन में हस्तक्षेप करना जारी रखता है तो उसकी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। खार्ग द्वीप पर ईरान के तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है।

शनिवार को पश्चिमी एशिया युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। इसके अलावा यूएई के फुजैरा बंदरगाह में आग लग गयी।

वहीं, अमेरिकी-इजराइली युद्धक विमान समूचे ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रीट से जहाजों के आवागमन में बाधा डालता है, तो वह तेल बुनियादी ढांचे को नष्ट न करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगे। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने चेतावनी दी कि ईरान की दक्षिणी समुद्री सीमा पर स्थित द्वीपों पर अगर हमले हुए तो ईरान संयम नहीं बरतेगा। ये द्वीप देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर पर मिसाइल हमला

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के भीतर हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ। जिसके बाद शनिवार सुबह दूतावास परिसर के ऊपर धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। दुनिया में अमेरिका के सबसे बड़े राजनयिक केंद्रों में शामिल यह विशाल दूतावास परिसर पहले भी ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा दागे गए रॉकेट और ड्रोन का कई बार निशाना बना है।

होर्मुज की सुरक्षा को चीन, ब्रिटेन फ्रांस से युद्धपोत भेजने का आग्रह

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए जहाज भेजें। ट्रंप ने एक पोस्ट में चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से होर्मुज स्ट्रेट में जहाज भेजने का आग्रह किया तथा कहा कि अमेरिका तटरेखा पर बमबारी जारी रखेगा और ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगा।

एसआई भर्ती परीक्षा में 'पंडित' ऑप्शन को लेकर छिड़ा विवाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पिछले दिनों फिल्म के पंडत नाम को लेकर हुआ विवाद अभी ठंडा ही हुआ था कि अब यूपी एसआई की भर्ती परीक्षा में पूछे गए पंडित शब्द को लेकर नया विवाद छिड़ गया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इसे गलत बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है। वहीं, भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर शिकायत की है। दरअसल, शनिवार को एसआई भर्ती परीक्षा के दौरान 20 नंबर पर एक प्रश्न पूछा गया है। प्रश्न है कि अवसर के हिसाब से बदल जाने वाले को आप क्या कहेंगे? इस प्रश्न के आप्शन भी दिए गए हैं, जिनमें ए-निष्कपट, बी-सदाचारी, सी- पंडित, डी-अवसरवादी आप्शन लिखे हैं। इसमें अभ्यर्थी को किसी एक पर टिक करना हैं। इसे लेकर डिप्टी सीएम पाठक ने एक्स पर लिखा है कि इस पर हमें कड़ी आपत्ति है। सरकार ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। किसी भी प्रश्न से किसी समाज या फिर वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचती है तो यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उधर, यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के प्रवक्ता के मुताबिक पेपर विभाग नहीं बनाता है। गोपनीय संस्थाएं बनाती है। उन्हें खोल कर चेक भी नहीं किया जा सकता। वायरल लेटर के जांच के आदेश दिए गए है। यदि कोई दोष पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

● डिप्टी सीएम पाठक ने इसे बताया गलत, सीएम से शिकायत, पुलिस भर्ती बोर्ड बोला कराएंगे जांच

परीक्षा में पहले दिन 1.26 लाख अभ्यर्थी गैर हाजिर

लखनऊ। यूपी पुलिस में एसआई पद के लिए हुई लिखित परीक्षा पहले दिन शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। इस दौरान शनिवार को दोनों पालियों की परीक्षा में 5,31,765 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जबकि 1,26,000 से अधिक अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। उधर फर्जी तौर पर पेपर लीक का दावा कर परीक्षार्थियों से धन वसूलने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया, साथ ही सात टेलीग्राम ग्रुपों के खिलाफ मुकदमा कायम करा दिया गया है। उधर रविवार को भी प्रदेश के सभी केन्द्रों पर दोनों पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निकाली गई 4,543 पदों के लिए 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा में 160 पूछे गए, वहीं पांच मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया गया। प्रवक्ता ने दावा किया कि कंट्रोल रूम के जरिए प्रदेश भर के परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी रही। पूरी तरह से परीभा शांति पूर्वक संपन्न हुई।

● पेपर लीक कराने का फर्जी दावा करने वाले तीन युवक गिरफ्तार सात टेलीग्राम चैनलों पर मुकदमा

सोनम वांगचुक जेल से रिहा

जोधपुर/दिल्ली/लेह। केंद्र सरकार द्वारा हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किए जाने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक (59) को शनिवार दोपहर राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया। इस कदम का राजनीतिक दलों और लद्दाख में आंदोलन कर रहे संगठनों ने स्वागत किया है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक संबंधित अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय पहले ही बिता चुके हैं।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर 2025 को वांगचुक को हिरासत में लिया गया था।

● लगभग छह महीने बाद केंद्र सरकार ने हिरासत रद्द की

एक-दूजे के हुए कुलदीप-वंशिका

भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव ने मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी की। दो दिवसीय भव्य समारोह द सेवाय होटल में रॉयल आइवरी थीम पर आयोजित हुआ। इसमें युजवेंद्र चहल, सुरेश रैना, कैलाश खेर और कुणाल कपूर जैसे सितारे शामिल हुए।

यूपी में राष्ट्रविरोधी साजिश बेनकाब, छह गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी

● विदेश भेजी जा रही थी सामरिक प्रतिष्ठानों की लोकेशन
● विदेशी लोगों को चेटिंग के जरिए फोटो-वीडियो भेजते थे

पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों ने गाजियाबाद में बड़ी राष्ट्रविरोधी साजिश को नाकाम कर दिया है। छापेमारी में छह ऐसे साजिशकर्ता गिरफ्तार किए गए गए हैं, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र सक्रिय रहकर सामरिक प्रतिष्ठानों की लोकेशन, फोटो-वीडियो विदेश भेजते थे। इसके लिए उन्हें विदेश से फंडिंग हो रही थी। पकड़े गए संदिग्धों में बदायूं, शाहजहांपुर, संभल, बिजनौर आदि जिलों के रहने वाले लोग शामिल थे।

गाजियाबाद के थाना मसूरी पुलिस की कार्रवाई में गिरफ्तार रैकेट का सरगना सुहेल मलिक उर्फ रोमियो है, जो बिजनौर के नरगढी नवादा का रहने वाला है। उसके साथ बदायूं में कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव रिसौली निवासी शिवा बाल्मीकि, शाहजहांपुर में सुल्तानपुर, कटना का रहने वाला रितिक गंगवार, संभल के ज्ञानपुर सिसौना की साने इरम उर्फ महक, गाजियाबाद में भौवापुर, कोशांबी का प्रवीन और औरेया के ग्राम बनारसीदास निवासी राज बाल्मीकि भी दबोचे गए हैं। राष्ट्रविरोधी साजिश सामने आने से फिर हलचल मच गई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लोग सुनियोजित तरीके से फोन पर चैट के जरिए विदेशी लोगों से संपर्क में थे।

सुरक्षाबलों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान, रेलवे स्टेशन की लोकेशन बाहर भेज रहे थे। उनके पास से विदेशी नंबरों की चैट भी मिली हैं। सभी लोग कौशांबी क्षेत्र में किराये के मकान में रहकर डाटा जुटा रहे थे। पुलिस ने सभी के कब्जे से आठ मोबाइल भी बरामद किए हैं। एडीसीपी राजकरन नैय्यर ने बताया कि पुलिस केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी आतंकी संगठन से जुड़े होने की बात सामने नहीं आई है।

राहत 92 हजार टन वाले एलपीजी पोत शिवालिक और नंदा देवी 16/17 मार्च को गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचेंगे

एलपीजी ला रहे 2 जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट को किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे दो भारतीय जहाजों ने शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार कर लिया। इसके साथ ही होर्मुज को पार करने वाले भारतीय ध्वज वाले जहाजों की संख्या तीन हो गई है। जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में बचे हुए 22 जहाज प्रतीक्षा में हैं, क्योंकि भारत सरकार उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज शिवालिक और नंदा देवी अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं। शिवालिक के 16 मार्च को मुंद्रा जबकि नंदा देवी पोत के 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पर पहुंचने की संभावना है। भारतीय ध्वज वाले जहाजों की निकासी भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने के साथ-साथ ये इस मायने में भी अहम है कि रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें से 85-90% सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों से प्राप्त होता है। ये देश तेल और गैस के परिवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग करते हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण मार्च के पहले सप्ताह से यह जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद है।

बचे भारतीय ध्वज वाले 22 जहाजों में से 6 एलपीजी के

सिन्हा ने कहा कि पश्चिमी हिस्से में बचे भारतीय ध्वज वाले 22 जहाजों में से छह एलपीजी पोत हैं, एक द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाहक है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों की ढुलाई कर रहा है और तीन कंटेनर जहाज हैं और दो 'बल्क कैरियर' हैं। उन्होंने बताया कि बाकी बचे जहाजों में से एक खाली है, जिस पर कोई माल नहीं है जबकि तीन जहाज 'ड्राई डॉक' यानी नियमित रखरखाव के लिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा, हमारे कई जहाज खाड़ी क्षेत्र में प्रतीक्षा में हैं। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर सभी संबंधित देशों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं ताकि उनके लिए सुरक्षित एवं निर्बाध पारगमन सुनिश्चित किया जा सके।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

चोकर की दुकान से 21 सिलेंडर बरामद

शीशगढ़ में पूर्ति निरीक्षक ने मारा छापा, 19 खाली और तीन भरे गैस सिलेंडर मिलने पर थाने में दी तहरीर

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: सिलेंडरों की कालाबाजारी करने के लिए दुकान पर रखे गये सिलेंडरों को पूर्ति निरीक्षक और पुलिस ने छापामार कर बरामद कर लिया है। इस कार्यवाही में टीम ने 21 सिलेंडर बरामद किये हैं। इनमें 19 खाली सिलेंडर थे। दुकानदार मो. इस्लाम के खिलाफ थाने में तहरीर दी गई है। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि डीएम से अनुमति के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पूर्ति निरीक्षक रवि कुमार सक्सेना, ने पुलिस के साथ ने शीशगढ़ में जाफरपुर गांव में मोहम्मद इस्लाम की दुकान पर छापा मारा। मो. इस्लाम अपनी दुकान में चूनी चोकर, दाल चावल के साथ साथ बिजली के सामान भी बेचता है। गैस सिलेंडरों की मारामारी शुरु हुई तो उसने दुकान में सिलेंडर भी बेचने के लिए रख लिये। अफसरों को किसी ने सिलेंडरों की कालाबाजारी करने की सूचना दे दी।

शनिवार को पुलिस टीम, पूर्ति निरीक्षक व आयुष शर्मा ने छापा मारा तो मोहम्मद इस्लाम की दुकान से 19 घरेलू सिलेंडर खाली व तीन सिलेंडर भरे बरामद किए गए हैं। बरामद सिलेंडर को जब्त करके थाने में मो. इस्लाम के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने को तहरीर दी गई। खबर लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी।

शीशगढ़ में दुकान से बरामद गैस सिलेंडर के साथ थाने में मौजूद पूर्ति निरीक्षक

बरखन गैस एजेंसी का निरीक्षण करते तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ।

दूसरी तरफ शनिवार को मीरगंज तहसीलदार ने फतेहगंज पश्चिमी स्थित सुधा इंडियन गैस एजेंसी, और न्यू एचपी गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एजेंसी के स्टॉक और अभिलेखों की जांच की गई। जांच में सभी रिकॉर्ड सही पाए गए। तहसीलदार ने गैस की कमी की बात निराधार बताया है। तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से सर्वर डाउन होने के कारण गैस वितरण में कुछ देरी हुई थी। अब स्थिति सामान्य है। उपभोक्ताओं को नियमित गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पूर्ति निरीक्षक ने की चेकिंग

भमोरा, : गैस की समस्या को लेकर पूर्ति निरीक्षक आंवला ने एजेंसी की चेकिंग की और शिकायत की जांच की।

पूर्ति निरीक्षक शिखा पांडे ने बताया एक पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष ने शिकायत की थी एजेंसी उनकी गैस की बुकिंग नहीं कर रही हैं। मौके पर जांच की तो पता चला कि वह 19 फरवरी को गैस सिलेंडर ले चुके हैं। शासन के आदेश अनुसार दोबारा 45 दिन बाद ही बुकिंग होगी। उपभोक्ताओं से कहा किसी के भी बहकावे में ना आए। गैस की पर्याप्त आपूर्ति है।

रिछा में रसोई गैस लेने को लगी भीड़ से लगा जाम,बुलाई पुलिस

देवरनियां, अमृत विचार : रसोई गैस आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंता के बीच शनिवार को रिछा की गैस एजेंसी पर गैस को लेकर मारामारी मची रही। समस्या ज्यादा उत्पन हुई तो पुलिस को मोर्चा संभालना पडा।वहीं लोगों ने रात में गैस की कालाबाजारी के आरोप लगाए हैं, एजेंसी संचालिका ने इसे सिरे से नकार दिया है। रिछा–जहानाबाद मार्ग किनारे स्थित नितिन गैस एजेंसी से करीब पचास हजार की आबादी वाले रिछा कस्बे के अलावा आसपास के गांवों में भी गैस की आपूर्ति होती है। शनिवार को एजेंसी पर घरेलू गैस को लेकर भीड इतनी बढ गाई, कि रिछा–जहानाबाद मार्ग पर जाम के हालात बन गए। समस्या जब ज्यादा बढी तो रिछा पुलिस चौकी की पुलिस को आना पडा। मौजूद लोगों का आरोप था, कि बुकिंग के एक माह बाद भी कई दिनों से चक्कर लगाने के बाद भी उन्हें गैस नहीं मिल रही है, और न ही होम डिलीवरी हो रही है।आरोप लगाया कि रात में गैस की कालाबाजारी हो रही है। एजेंसी संचालिका सरला देवी ने बताया कि घरेलू गैस की समस्या ऊपर से ही है।जैसी उपलब्ध हो रही है, वैसे ही आपूर्ति की जा रही है।रात में कालाबाजारी के आरोप निराधार हैं।

अफसरों ने देखी स्टॉक और बुकिंग व्यवस्था

नवाबगंज, : शनिवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र की कई गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान अधिकारियों ने वितरण व्यवस्था और रिकार्ड का बारीकी से परीक्षण किया।एसडीएम उदित पवार ने नगर क्षेत्र की सत्यम इंडेन गैस एजेंसी, श्रीजी गैस सर्विस और डीजीएम एचपी गैस एजेंसी का निरीक्षण किया।तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने नवाबगंज, बरखन और क्योलाडिया स्थित एजेंसियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर, गैस बुकिंग रजिस्टर और उपभोक्ताओं को दिए जा रहे सिलेंडरों की जांच की गई। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को गैस सिलेंडर समय से उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता रखने के निर्देश दिये।निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसियों पर सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक मिला, सर्वर की समस्या से गैस बुकिंग में परेशानी होने की बात सामने आई।

चेतावनी : गौकशी का खुलासा न होने पर हिन्दू संगठन करेंगे आंदोलन

थाने में मौजूद हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : शनिवार को हिंदू जागरण मंच एवं स्वाभिमान सुरक्षा समिति के दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने गांव सावरखेड़ा में दो दिन पहले हुई गौकशी को लेकर थाना प्रभारी से मिलकर नाराजगी व्यक्त की।

जिला उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह ने कहा गौकशी की घटनाओं पर अकुंश तो दूर पुलिस भी घटनाओं का खुलासा नहीं कर पा रही है। पुलिस को गौतस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए। अगर समय रहते ऐसा नहीं हुआ तो हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता आंदोलन करेंगे। इस दौरान सर्वेश सैनी, सुरेंद्र गंगवार, तेजपाल सक्सेना, इंद्रपाल, ओमप्रकाश, रामबहादुर, प्रदीप राठौर, बेंचे लाल, ओमप्रकाश आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

सात दिनों में दो गौकशी की वारदातों का खुलासा नहीं

देवरनियां : एक सप्ताह में रिछा पुलिस चौकी इलाके में घटी गौकशी की दो बडी वारदातों का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर सकी है। कोतवाली देवरनियां की पुलिस चौकी रिछा इलाके में 27 फरवरी को रिछा–जहानाबाद मार्ग पर गरगय्या के पास सिंघइया नदी पुल पर भारी मात्रा में गौकशी के अवशेष बरामद हुए थे। 18 फरवरी को भी रिछा में राजकीय इंटर कॉलेज के पास गौकशी के अवशेष मिले थे।एक सप्ताह के अंदर गौकशी की दो बडी वारदातें एक ही इलाके में सामने आने से स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े कर रही है। हिन्दूवादी संगठनों ने पुलिस की संदिग्ध भूमिका को लेकर आंदोलन करने की बात कही है।

मेढ़ को लेकर दो पक्षों में संघर्ष, नौ घायल

संवाददाता, बिशारतगंज

- पुलिस ने दोनों पक्षों के घायलों का कराया मेडिकल
- किसी पक्ष ने थाने में नहीं दी है तहरीर

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को खेत की मेढ़ का विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जिसमें दोनों पक्षों के नौ लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों तरफ के नौ लोगों का मेडिकल कराया है।

प्रभारी निरीक्षक राजेश बाबू मिश्रा ने बताया कि खेत की मेढ़ के विवाद को लेकर थाना क्षेत्र के जितौर गांव के दो पक्ष आमने-सामने आ गए जिनमें मारपीट हो गई। मारपीट में एक पक्ष के दो और दूसरे पक्ष के तीन लोगों को चोटें आई हैं । चार और लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। मामले में दोनों ओर के नौ लोगों का मेडिकल कराया गया है। मामले में अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होने के बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन की पैमाइश के बाद भी नहीं हटा कब्जा

नवाबगंज, अमृत विचार: ज्योरा मकरंदपुर में सरकारी भूमि को शामिल कर प्लॉटिंग किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद राजस्व विभाग ने मौके पर पैमाइश कर अवैध कब्जे का चिन्हांकन तो कर दिया, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी कब्जा यथावत बना हुआ है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

जानकारी के अनुसार रोड किनारे करीब 400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का भूखंड है। इसमें एक ओर खड़ंजा और दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग की सड़क है। आरोप है कि एक प्रॉपर्टी डीलर ने इस जमीन का सौदा कर दुकानों के लिए प्लॉट काटकर ऊंचे दामों पर बेच दिए। एसडीएम से की शिकायत के बाद लेखपाल पूनम कुमारी ने मौके पर पहुंचकर पैमाइश की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर अवैध कब्जे का चिन्हांकन करते हुए संबंधित लोगों को कब्जा हटाने की चेतावनी दी गई और रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई।

पैमाइश के तीन दिन बाद भी कब्जानहीं हटाने पर ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने सरकारी भूमि को मुक्त कराने की मांग की है।

हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

बहेड़ी,अमृत विचार : सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।बेटी के घर होली मिलन में शामिल होकर लौटते वक़्त उसकी बाइक को तेज़ रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी।नवाबगंज के आसपुर हसन अली निवासी गंगा राम अपने बेटे देवश्री के साथ बहेड़ी के गांव गौंटिया संतोष में अपनी बेटी के घर होली मिलन में शामिल होकर लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक पर एक तेज़ रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी, जिससे पिता–पुत्र घायल हो गए थे।दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा था। गंगा राम के बेटे शिव कुमार ने आज पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान 13 मार्च को उसके पिता की मौत हो गई।

बिना भेदभाव के हो रहा है विकास

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : केंद्र सरकार और प्रदेश की भाजपा की सरकार बिना भेदभाव के हर क्षेत्र में विकास कर रही हैं । यह विचार सांसद छत्रपाल गंगवार ने शेरगढ़ बशुधरन मार्ग के चौड़ीकरण के निर्माण के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किये । उन्होंने कहा कि कोई भी गांव बिना सड़क के नहीं रहेगा और कहीं भी कोई टूटी फूटी सड़क नहीं रहेगी ।

सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है। कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें सभी लोगों को रसोई गैस मिलेगी यदि किसी ने जमाखोरी की या मूल्य से अधिक दाम में गैस बेची तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। एमएलसी बहोरन लाल मौर्या ने कहा कि पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी समाप्त हो गई है ।

निर्माण के शुभारंभ पर मौजूद सांसद छत्रपाल गंगवार, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य।

- नारियल फोड़कर शेरगढ़ बशुधरन मार्ग के चौड़ीकरण के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

बताया कि उनकी विधानसभा में कई पुलों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण चल रहा है। लगभग 4 किलोमीटर का चौड़ीकरण हो रहा है जिससे यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन स्वामियों की परेशानी दूर होगी। सांसद व एमएलसी ने नारियल फोड़कर सड़क चौड़ीकरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भरत सिंह, जेई विवेक त्रिवेदी, योगेंद्र पाल जिला पंचायत सदस्य विजय शर्मा ,महिपाल गंगवार, राजेंद्र मिश्रा सत्यपाल गंगवार, राहुल राठी, नंदराम राजपूत , बुद्धसेन मौर्य, राजकुमार द्विवेदी ,बृजेश गुप्ता, महेश शर्मा, महिपाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

अमृत विचार
Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स–रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/–
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

फर्जी दस्तावेज से बैनामा कराने का आरोपी गिरफ्तार

आंवला, अमृत विचार। मृतक व्यक्ति के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा कराने का आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मोहम्मद मुजीब आलम पुत्र इसरार हुसैन ने बताया कि वर्ष 2020 में उसके भाई मुकीम आलम ने फतेह उद्दीन व सलीम उद्दीन से भूमि खरीदी थी। आरोप है कि वर्ष 2022 में सलीमउद्दीन की मृत्यु के बाद कुछ लोगों ने साजिश कर मृतक के नाम से फर्जी आधार कार्ड व अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लिए और रजिस्ट्री कार्यालय में 29 जुलाई 2025 में जमीन का दोबारा बैनामा करा दिया।पीड़ित ने मामले में सलाउद्दीन, फतेहउद्दीन, ईद मोहम्मद, नजीम उद्दीन व कमाल उद्दीन समेत पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।इस पर दर्ज मुकदमें में शनिवार को वांछित अपराधी फतेहउद्दीन(44) को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया ।

बच्चों को संस्कारवान बनाएं

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : शनिवार को कस्बा के एक बैंक्वट हाल में आयोजित सपा के होली मिलन समारोह में मुख्यातिथि पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार ने मौजूदा पूंजीपतियों की सरकार को उखेड़ फेकने का लोगो से आवाहन किया और सभी से बच्चों को संस्कारवान बनाने की अपील की।

कहा कि मौजूदा सरकार देश को विश्व गुरु बनने की बात कह रही है।लेकिन साथ ही स्कूल बंद करके बच्चों को शिक्षा से दूर करने का काम कर रही है। इसकी कथनी और करनी में अंतर है। बताया जापान में सरकार ने मैट्रो बंद करने का निर्णय लिया। सरकार के इस निर्णय को वहां की एक छात्रा ने चुनौती दी। कहा कि मैट्रो पड़ा। इसी का नतीजा है कि जापान में मैट्रो तो चल ही रही है वह देश टेक्नोलॉजी के मामले में भी सबसे आगे हैं। उन्होंने प्रदेश के युवाओं का भी आह्वान किया कि यहां भी युवा सशक्त और जिम्मेदारी हो जाए तो देश व प्रदेश को गलत दिशा में ले जाने वाली और पूंजीपतियों की मौजूदा सरकार को उखेड़ फेक सकता है।

फतेहगंज पश्चिमी में होली मिलन समारोह में पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार।

- पूर्व मंत्री ने पूंजीपतियों की सरकार को उखाड़ फेंकने का किया आह्वान
- पूर्व ब्लाक प्रमुख के आयोजन में हुए कार्यक्रम में जुटे कई गांवों के प्रधान

उन्होंने पूर्व ब्लाक प्रमुख भद्रसेन गंगवार के आयोजन में जुटे स्थानीय लोगों की मौजूदगी को सराहनीय बताया। कार्यक्रम में भावेश यादव,प्रवीण गंगवार कुंवरसेन राजपूत,मयंक शुक्ला उर्फ मोंटी,आदेश यादव,सुरेश गंगवार,आदि रहे। कार्यक्रम में पूरी विधानसभा से आए प्रधान, पूर्व प्रधान, बीडीसी और जिम्मेदार लोगों ने आयोजक भद्रसेन गंगवार को मीरगंज विधानसभा से बड़ी ज़िम्मेदारी देने की मांग की। मंत्री भगवत शरण गंगवार और विधानसभा अध्यक्ष सुरेश गंगवार ने स्थानीय को ही जिम्मेदारी देने का भरोसा दिलाया।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मेरा नाम हाई स्कूल प्रमाण पत्र में "AVTAR SING BANGAT" तथा आधार कार्ड में "AVTAR SINGH BANGAT" अंकित है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। मैं अवतार सिंह बांगट पुत्र हजूरा सिंह, निवासी ग्राम मिर्चिया, तहसील पलिया, जिला खीरी (उत्तर प्रदेश) – 262904 यह घोषित करता हूँ कि उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं और किसी प्रकार का भिन्न व्यक्ति नहीं है।

आवश्यकता है
फार्मा कंपनी में
फील्ड वर्क में कार्य करने हेतु लड़कों की
सेल्स एग्जीक्यूटिव के पद के लिए
योग्यता इंटरमीडिएट/स्नातक
कार्य करने हेतु बाइक अनिवार्य, फ्रेशर्स भी आवेदन कर सकते हैं।
सैलरी 12000 व पेट्रोल खर्च 1.75/- किमी.
सम्पर्क करें :- नितिन शर्मा मो. 918958039775
bluestrongpharmaceuticals@gmail.com

NEW ENGLAND DEACONESS SCHOOL
REQUIRES
TGTs/PRT/Kindergarten Teachers
Trained, energetic convent educated and must be competent to teach in English
Salary no bar for deserving candidates
Transport facility available from Bareilly
Walk-in-interview on 29 March 2026
Mail your resume : nedsglobal@gmail.com
Contact/Whatsapp 9760938155

वैधानिक सूचना :– समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अशोक कुमार व पुत्रवधु प्रथमा कुमारी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। सिपट्टर लाल पुत्र रामचरन लाल निवासी ग्राम सेंधा पो.मोहम्मदपुर पथरा तहसील आंवला जिला बरेली।

सूचना
मैंने अपने पुत्र शिवम कुमार के गलत संगत में पड़ जाने की वजह से संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। उमेश चन्द्र पुत्र नत्थू लाल ग्राम मुड़िया भीकमपुर नवाबगंज बरेली।

आवश्यकता है
अध्यापक/अध्यापिकाओं की
छत्रपति शिवाजी कन्या उ.मा.विद्यालय
क्योलड़िया, नवाबगंज बरेली
में विज्ञान वर्ग, अंग्रेजी, गणित, कम्प्यूटर पढ़ाने हेतु
साक्षात्कार दिनांक 25.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे विद्यालय में पहुंचे
(प्रबंधक) छोटेलाल गंगवार
मो. 9412289998

आवश्यकता है
अध्यापक/अध्यापिकाओं की
डॉ. श्यामाचरण छोटेलाल गंगवार इ. कालेज
नवाबगंज बरेली
में विज्ञान वर्ग, अंग्रेजी, गणित पढ़ाने हेतु
साक्षात्कार दिनांक 24.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे विद्यालय में पहुंचे
(प्रबंधक) छोटेलाल गंगवार
मो. 9412289998

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 15 मार्च 2026 www.amritvichar.com

पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज

उत्सव के बाद का खालीपन

हमारे यहां कोई भी त्योहार जब आता है, तो सभी के मन में एक अलग ही खुशबू बिखरने लगती है। त्योहार भावनाओं का ऐसा विस्तार है, जिनमें जीवन का पूरा रंगमंच सजीव हो उठता है। मिठाइयों की मिठास, घरों में गूंजती हंसी, रिश्तों की गर्माहट और परंपराओं की सुगंध, ये सब मिलकर जीवन को कुछ दिनों के लिए एक अलग ही लय देते हैं। लगता है, जैसे समय भी इन दिनों थोड़ा ठहर जाता है और मनुष्य अपने व्यस्त जीवन से निकलकर रिश्तों और आनंद के एक सामूहिक उत्सव में शामिल हो जाता है, लेकिन जब यह उत्सव समाप्त होता है, तब वही घर, जो कुछ दिन पहले हंसी और रौनक से भरे थे, अचानक शांत हो जाते हैं। मेहमान विदा हो चुके होते हैं, घर की सजावट उतरने लगती है, मिठाइयों के डिब्बे खाली हो चुके होते हैं और रोजमर्रा की दिनचर्या धीरे-धीरे फिर से लौटने लगती है। इसी समय एक हल्की-सी उदासी मन को छूती है- एक ऐसी भावना, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन होता है। इसे ही कई मनोवैज्ञानिक पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज (त्योहार के बाद की उदासी) कहते हैं। यह उदासी बहुत गहरी या दुखद नहीं होती, बल्कि एक शांत खालीपन की तरह होती है। यह उस क्षण की तरह होती है, जब कोई मधुर संगीत अचानक समाप्त हो जाता है और कुछ पल तक कान उसी लय को खोजते रहते हैं।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
स्तंभकार

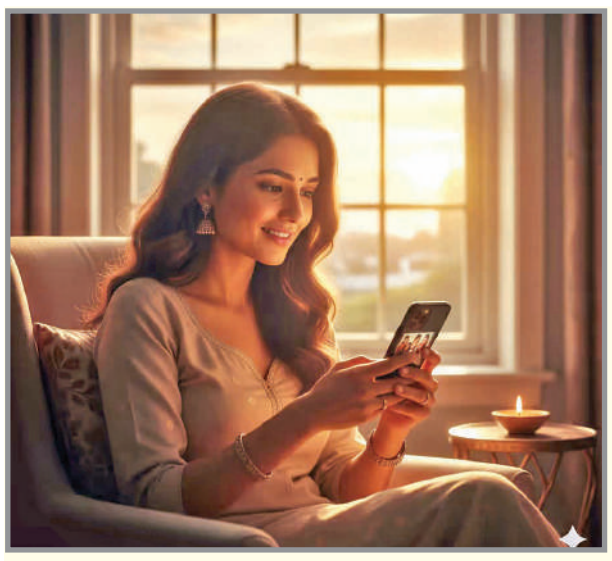

उत्सव की सामूहिक ऊर्जा

त्योहारों की असली शक्ति उनकी सामूहिकता में होती है। जब परिवार के लोग एक साथ मिलकर घर सजाते हैं, पकवान बनाते हैं, पूजा करते हैं या एक-दूसरे को बधाई देते हैं, तब केवल एक परंपरा नहीं निभाई जा रही होती, बल्कि भावनाओं का आदान-प्रदान हो रहा होता है। इन दिनों घरों में काम भले ही अधिक होता है, लेकिन उस काम में थकान नहीं होती। सुबह से लेकर रात तक कुछ न कुछ चलता रहता है- कहीं बाजार की रौनक, कहीं घर की साफ-सफाई, कहीं रिश्तेदारों से मुलाकात और कहीं बच्चों की चहल-पहल। इस पूरे वातावरण में मनुष्य अपने आप को अधिक जीवंत महसूस करता है। दरअसल, त्योहार हमारे भीतर छिपी उस सामाजिक प्रवृत्ति को जागृत करते हैं, जो आधुनिक जीवन की व्यस्तता में अक्सर दब जाती है। हम एक-दूसरे से मिलते हैं, पुराने मित्रों को याद करते हैं, रिश्तों को ताज़ा करते हैं और जीवन को साझा अनुभवों के माध्यम से जीते हैं। यही कारण है कि त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक पुनर्मिलन के अवसर भी होते हैं।

भावनात्मक ऊंचाई का अचानक अंत

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो त्योहारों के दौरान मनुष्य की भावनात्मक ऊर्जा अपने चरम पर होती है। नई चीजें, नई मुलाकातें, उत्सव की तैयारी और सामूहिक आनंद, ये सब मिलकर मन में उत्साह और प्रसन्नता का स्तर बढ़ा देते हैं। जब यह अवधि समाप्त होती है, तो भावनाओं का स्तर भी धीरे-धीरे सामान्य होने लगता है। यही कारण है कि कई लोगों को त्योहार के बाद कुछ दिनों तक हल्की उदासी या खालीपन महसूस होता है। यह स्थिति बिल्कुल उसी तरह होती है जैसे कोई लंबी यात्रा समाप्त होने के बाद घर लौटते समय महसूस होती है। यात्रा के दौरान जो उत्साह और रोमांच होता है, वह समाप्त होने पर मन थोड़ी देर के लिए शांत और स्थिर हो जाता है।

अचानक लौटती दिनचर्या

उत्सव समाप्त होते ही जीवन फिर से अपनी सामान्य गति में लौटने लगता है। सुबह का वही काम, कार्यालय की जिम्मेदारियां, बच्चों की पढ़ाई और घर की रोजमर्रा की व्यवस्थाएं, सब कुछ धीरे-धीरे पहले जैसा हो जाता है। यह परिवर्तन अचानक महसूस होता है, क्योंकि कुछ दिनों तक जीवन एक अलग ही उत्सवपूर्ण लय में था। जब वह लय समाप्त होती है, तो मन कुछ समय के लिए उस ऊर्जा को खोजने लगता है, जो अभी तक वातावरण में मौजूद थी। यही वह क्षण है जब हमें लगता है कि घर कुछ अधिक शांत हो गया है, गलियां कुछ अधिक खाली लग रही हैं और दिन कुछ अधिक सामान्य हो गए हैं। यह भावना विशेष रूप से तब अधिक होती है जब त्योहार के दौरान परिवार के सदस्य दूर-दूर से घर आए हों। उनके लौट जाने के बाद घर का वातावरण सचमुच बदल जाता है। जहां कल तक बच्चों की आवाजें और बातचीत की गूंज थी, वहां अब एक शांत स्थिरता होती है।

स्मृतियों की कोमलता

त्योहारों की सबसे सुंदर बात यह है कि वे केवल उस समय तक सीमित नहीं रहते। उनके समाप्त होने के बाद भी उनकी स्मृतियां लंबे समय तक मन में बनी रहती हैं। कभी अचानक किसी पकवान की खुशबू याद आ जाती है, कभी किसी पारिवारिक बातचीत की याद मुस्कान ले आती है और कभी घर की सजावट की तस्वीरें देखकर मन फिर से उसी उत्सव में लौट जाता है। ये स्मृतियां ही उस खालीपन को धीरे-धीरे भर देती हैं, जो उत्सव के समाप्त होने के बाद पैदा हुआ था। समय के साथ यह खालीपन उदास नहीं रहता, बल्कि एक मधुर स्मृति बन जाता है।

आधुनिक जीवन और बढ़ती दूरी

आज के समय में त्योहारों के बाद की उदासी का एक कारण आधुनिक जीवन की संरचना भी है। पहले संयुक्त परिवारों में त्योहार लंबे समय तक चलते थे और रिश्तों का मेल-मिलाप अधिक स्थायी होता था। आज अधिकांश लोग काम या पढ़ाई के कारण अलग-अलग शहरों में रहते हैं। ऐसे में त्योहार ही वह समय बन जाते हैं, जब पूरा परिवार एक साथ मिल पाता है। इसलिए जब यह समय समाप्त होता है, तो बिछड़ने का भाव अधिक गहराई से महसूस होता है। यह केवल भौगोलिक दूरी का प्रश्न नहीं है, बल्कि भावनात्मक निकटता का भी है। त्योहारों के दौरान जो आत्मीयता महसूस होती है, वह सामान्य दिनों में कम दिखाई देती है।

सोशल मीडिया का प्रभाव

आजकल त्योहारों के अनुभव का एक हिस्सा सोशल मीडिया भी बन गया है। लोग अपने उत्सव की तस्वीरें साझा करते हैं, शुभकामनाएं भेजते हैं और अपने आनंद के क्षणों को दूसरों के साथ बांटते हैं, लेकिन जब त्योहार समाप्त हो जाते हैं और सोशल मीडिया पर भी वही पुरानी दिनचर्या लौट आती है, तो यह परिवर्तन भी मन को प्रभावित करता है। कुछ समय पहले तक जो मंच खुशियों और बधाइयों से भरा था, वह अचानक सामान्य पोस्टों से भर जाता है। इस परिवर्तन से भी कई लोगों को लगता है कि जैसे उत्सव की चमक अचानक समाप्त हो गई है।

उदासी को समझना जरूरी

त्योहार के बाद की उदासी को अक्सर लोग एक नकारात्मक भावना मान लेते हैं, जबकि वास्तव में यह जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है। यह भावना हमें यह याद दिलाती है कि हमने कुछ सुंदर क्षण जिए हैं। यदि जीवन में कभी कोई उत्सव न हो, तो उसके समाप्त होने का भी कोई प्रश्न नहीं होगा। इसलिए यह हल्की-सी उदासी वास्तव में उन खुशियों की याद का संकेत है, जो हमने अभी-अभी अनुभव की हैं। हम जब इस भावना को समझते हैं, तो यह बोझ नहीं लगती, बल्कि जीवन की लय का एक स्वाभाविक हिस्सा प्रतीत होती है।

खालीपन से संतोष तक की यात्रा

समय के साथ यह खालीपन धीरे-धीरे एक शांत संतोष में बदल जाता है। हम फिर से अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं, दिनचर्या अपनी गति पकड़ लेती है और जीवन फिर से सामान्य रूप से चलने लगता है। अब हमारे भीतर उन उत्सवों की स्मृतियां भी होती हैं, जो हमें समय-समय पर आनंद का अनुभव कराती रहती हैं। यही स्मृतियां हमें अगले त्योहार की प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित करती हैं। दरअसल, जीवन का सौंदर्य इसी चक्र में छिपा है, उत्सव और सामान्यता के बीच का संतुलन। यदि हर दिन त्योहार जैसा हो, तो शायद उसका महत्व भी कम हो जाए।

क्या है पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज और उसका प्रभाव

त्योहारों के दिनों में परिवार, मित्रों और समाज के साथ होने वाला मेल-मिलाप हमारे मन में उत्साह, ऊर्जा और प्रसन्नता का स्तर बढ़ा देता है। घर की सजावट, पकवानों की खुशबू, रिश्तेदारों का आना-जाना और सामूहिक आनंद का वातावरण मनुष्य को भावनात्मक रूप से बेहद सक्रिय बना देता है, लेकिन जब यह उत्सव समाप्त हो जाता है और जीवन फिर से अपनी सामान्य दिनचर्या में लौटने लगता है, तो कई लोगों को हल्का-सा खालीपन या शांत उदासी महसूस होती है। मनोविज्ञान में इस अनुभव को पोस्ट-फेस्टिवल ब्लूज कहा जाता है। यह कोई मानसिक समस्या या बीमारी नहीं है, बल्कि उन सुखद और ऊर्जावान क्षणों के अचानक समाप्त हो जाने के बाद उत्पन्न होने वाली स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया है, जो हमें अभी कुछ समय पहले तक आनंद से भर रहे थे।

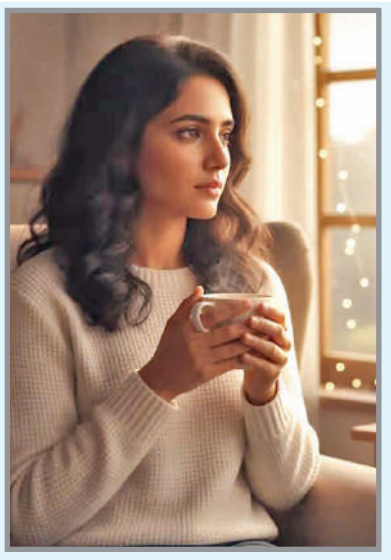

नकारात्मक नहीं है, उदासी की यह भावना

त्योहार के बाद मन में उतरने वाली यह हल्की खामोशी अक्सर लोगों को उदासी जैसी लगती है, लेकिन वास्तव में यह भावना नकारात्मक नहीं होती। यह उन सुंदर और आत्मीय क्षणों की स्मृति का संकेत होती है, जिन्हें हमने हाल ही में जिया है। उत्सव के दौरान परिवार के साथ बिताए पल, मित्रों की हंसी-मजाक, घर की रौनक और सामूहिक आनंद की अनुभूति मन में एक गहरी छाप छोड़ जाती है। जब यह वातावरण अचानक शांत हो जाता है, तो मन कुछ समय तक उसी उल्लास को खोजता रहता है। दरअसल, यह खालीपन हमें यह एहसास कराता है कि हमारे जीवन में रिश्तों और मेल-मिलाप की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। समय के साथ यही हल्की उदासी मधुर स्मृतियों में बदल जाती है और हमें अगले उत्सव की प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित करती है।

उत्सव से जीवन की ऊर्जा

त्योहार मनुष्य के जीवन में केवल क्षणिक आनंद के अवसर नहीं होते, बल्कि वे मानसिक और भावनात्मक रूप से नई ऊर्जा देने का भी कार्य करते हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, जिम्मेदारियों और निरंतर बढ़ते तनाव के बीच त्योहार एक ऐसे विराम की तरह आते हैं, जहां मनुष्य कुछ समय के लिए अपनी चिंताओं से मुक्त होकर अपनों के साथ सहज और प्रसन्न क्षणों का अनुभव करता है। इस दौरान परिवार और समाज के साथ जुड़ाव का भाव गहरा होता है और मन में सकारात्मकता का संचार होता है। जब उत्सव समाप्त होते हैं और हम फिर से अपनी दैनिक दिनचर्या और कामकाज में लौटते हैं, तो भीतर एक नई ताजगी और उत्साह महसूस होता है। यही ताजगी हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अधिक लगन और संतुलन के साथ निभाने की प्रेरणा देती है। इसलिए यदि गहराई से देखा जाए, तो उत्सव के बाद आने वाली शांति और ठहराव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कि उत्सव के दिनों का उल्लास और चहल-पहल।

जीवन की लय को स्वीकार करना

प्रकृति का स्वभाव ही संतुलन और लय पर आधारित है। वह हमें बार-बार यह सिखाती है कि हर उल्लास के बाद एक शांत विराम आना स्वाभाविक है। जैसे उजले दिन के बाद रात का सन्नाटा उतरता है और वसंत की हरियाली के बाद वर्षा का ठहराव आता है, उसी प्रकार जीवन के उत्सवपूर्ण क्षणों के बाद भी सामान्य दिनचर्या की स्थिरता लौटती है। यह परिवर्तन किसी कमी का संकेत नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक गति का हिस्सा है। यदि हम इस लय को समझना सीख लें, तो त्योहारों के बाद मन में उतरने वाली हल्की उदासी हमें विचलित नहीं करती। इसके विपरीत हम उसे एक आवश्यक विराम की तरह स्वीकार कर पाते हैं, एक ऐसा ठहराव, जो मन को फिर से संतुलित करता है, स्मृतियों को सहेजने का अवसर देता है और हमें आने वाले नए उत्सवों तथा खुशियों के लिए भीतर से तैयार करता है।

स्मृतियों को संजोना

त्योहारों के बाद की इस शांति को सकारात्मक बनाने का एक तरीका यह भी है कि हम उन स्मृतियों को सहेजकर रखें, जो उत्सव के दौरान बनी थीं। परिवार के साथ बिताए क्षणों को याद करना, तस्वीरों को देखना, बातचीत को दोहराना, ये सब उस आनंद को लंबे समय तक जीवित रखते हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि हम रोजमर्रा के जीवन में भी छोटे-छोटे उत्सव खोजें। कभी परिवार के साथ एक साधारण भोजन, कभी दोस्तों के साथ एक छोटी-सी मुलाकात या कभी किसी उपलब्धि का छोटा-सा जश्न, ये सब जीवन को उत्सवमय बनाए रखते हैं। त्योहार जीवन के उन उजले पलों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए हमारी दुनिया को रंगों और रोशनी से भर देते हैं। जब वे समाप्त होते हैं, तो जो शांति और खालीपन महसूस होता है, वह भी जीवन की एक स्वाभाविक अनुभूति है। यह खालीपन हमें यह एहसास कराता है कि हमने कुछ सुंदर क्षण जिए हैं और उन क्षणों की स्मृतियां हमारे भीतर अब भी जीवित हैं। यदि हम इस भावना को स्वीकार कर लें और इसे जीवन की लय का हिस्सा मान लें, तो यह उदासी धीरे-धीरे एक शांत संतोष में बदल जाती है। यह सच है कि जीवन केवल उत्सवों से नहीं चलता, बल्कि उन उत्सवों के बीच की साधारण दिनों से भी बनता है और शायद यही साधारण दिन ही हमें अगली बार आने वाले उत्सव का इंतजार करना सिखाते हैं। उत्सव के बाद की खामोशी कोई अंत नहीं, बल्कि एक नया आरंभ है, जहां स्मृतियों की मधुरता और आने वाले उत्सवों की उम्मीद साथ-साथ चलती है।

विश्व गौरैया दिवस (20 मार्च विशेष)

घर-आंगन से गुम होती गौरैया की चहक

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्य-जीव लेखक, जयपुर

आधुनिकता और कंक्रीट के जंगलों ने हमसे हमारी नन्हीं गौरैया छीन ली है। जहां उत्तर प्रदेश के पारंपरिक आंगन अब इसकी वापसी की उम्मीद जगा रहे हैं, वहीं राजस्थान के शहरों में इसे लेकर एक उदास सन्नाटा है। इस विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर समझते हैं अपनी बदलती जीवनशैली के संकट को और जानते हैं, वे सरल तरीके, जिनसे यह चहचहाहट हमारे घरों में फिर लौट सकती है। सुबह की पहली किरण जब खिड़की के शीशे से टकराती है, तो मन अनायास ही उस चहचहाहट की मधुर ध्वनि को खोजने लगता है, जो कभी घड़ी के अलार्म से पहले हमारी नींद खोल दिया करती थी। यह महज एक पक्षी नहीं, हमारे घर-आंगन की सबसे आत्मीय और चुलबुली सदस्य हुआ करती थी। इस नन्हीं चिड़िया ने दिल्ली और बिहार के राज्य पक्षी के रूप में तो गौरवशाली पहचान बनाई है, लेकिन राजस्थान की मरुधरा में यह अपनी चहक खोती जा रही है।

मैं चिड़िया का पर्याय होकर भी बेघर हूं: यदि गौरैया के मन की बात सुनें, तो वह कुछ व्यंग्यात्मक पीड़ा के साथ कहती है- "नगर हो या महानगर, गांव हो या कस्बा, जहां भी मानव आवास है, मैं आपको अवश्य मिलूंगी। मानव से मेरा नाता सदियों पुराना है। मैं इनसे इतनी घुलमिल गई हूं कि आपने मुझे 'चिड़िया' का पर्याय ही बना दिया। बंगाली भाई मुझे 'चड़ाई पाखी' कहते हैं, मराठी 'चिमणी', गुजराती 'कली', तमिल 'शिटक्कुरूवी' और कन्नड़ में मैं 'गुब्बच्चि' हूं। पर अफसोस! आपके साहित्यकारों ने चालाक कोयल और धूर्त कौए की प्रशंसा में तो ढेरों पन्ने रंग डाले, पर मेरे जैसे सच्चे साथी के प्रति सदा उदासीन रहे।" गौरैया की दुनिया को करीब से देखें, तो इसके नर और मादा की पहचान बड़ी स्पष्ट है। नर गौरैया अपनी कत्थई भूरी पीठ और छाती से ठोड़ी तक फैली एक काली मोटी धारी के कारण अपनी अलग पहचान रखता है मानो उसने कोई छोटी-सी काली 'टाई' पहन रखी हो। वहीं मादा गौरैया का रंग मटमैला भूरा होता है। ये दोनों मिलकर हमारे रोशनदानों और पुरानी दीवारों की दरारों में अपना घरौंदा बनाते थे, लेकिन आधुनिक वास्तुकला ने इस 'सह-जीवन' के सूत्र को बेरहमी से काट दिया है।

उत्तर प्रदेश, जहां परंपरा अब भी सहारा है : उत्तर प्रदेश के कई शहरों और कस्बों में गौरैया की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। लखनऊ के पुराने इलाकों, वाराणसी की तंग गलियों और गोरखपुर जैसे कृषि प्रधान क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति अभी भी सामान्य रूप से देखी जा सकती है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण पुरातनता और नवीनता का संगम है। उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों में आज भी पुरानी बस्तियां अपने मूल स्वरूप में जीवित हैं, जहां संकरी गलियां और पुराने मकान गौरैया को वह सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिसकी उसे तलाश रहती है। उत्तर प्रदेश में खेतों की निकटता, अनाज की निरंतर उपलब्धता और प्राकृतिक कीटों की मौजूदगी ने गौरैया को भोजन की कमी नहीं होने दी।

आधुनिकता ने छीना बसेरा : राजस्थान के प्रमुख शहर जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा पिछले दो दशकों में जिस गति से 'स्मार्ट' हुए हैं, उसकी सबसे बड़ी कीमत इन नन्हें पक्षियों ने चुकाई है। पुरानी हवेलियों के झरोखे, ऊंचे परकोटे और लकड़ी की नक्काशीदार खिड़कियां अब शीशे की ऊंची इमारतों और एल्यूमिनियम के स्लाइडिंग दरवाजों में बदल चुकी हैं। गगनचुंबी भवनों के लिए पेड़ों की कटाई ने परिंदों के बसेरों को उजाड़ दिया है। आधुनिक न्यूनतमवादी वास्तुकला ने दीवारों को इतना सपाट बना दिया है कि वहां तिनका रखने की भी जगह नहीं बची। गौरैया अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहती है - "आपके बुद्धिमान होने पर मुझे तब शंका होती है, जब आप मेरे अंडों से आबाद घोंसले को तो उठाकर बाहर फेंक देते हैं और जंगल से 'बया' का उजड़ा हुआ घोंसला लाकर अपने ड्राइंग रूम में सजाते हैं, यह कैसी विडंबना है!" शहरों में अब अनाज सीलबंद पैकेटों में आता है, जिससे गौरैया के भोजन का प्राथमिक स्रोत 'बिखरे हुए दाने' लगभग समाप्त हो गया है। ऊपर से, रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग ने उन छोटे कीटों को मार दिया है, जो गौरैया के शिशुओं के लिए प्रोटीन का प्रमुख स्रोत होते हैं।

'ड्रायक्लीनिंग' की शौकीन और अदृश्य दुश्मन रेडिएशन : गौरैया को नहाना विशेष रूप से पसंद है। कड़ाके की सर्दी में भी यह सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहा लेती है। गर्मियों में जब पानी कम होता है, तो यह धूल से अपनी ड्रायक्लीनिंग कर लेती है। सड़कों के किनारे महीन धूल में पंख उछाल-उछाल कर नहाना इसका खास शगल है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली विद्युतचुंबकीय तरंगों के प्रभाव को लेकर अक्सर चिंता जताई जाती है। कुछ शोधों के अनुसार, इन तरंगों का प्रतिकूल प्रभाव पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर पड़ रहा है। रेडिएशन के कारण अंडों के भीतर भ्रूण का विकास बाधित होता है, जिससे गौरैया की संख्या निरंतर कम हो रही है। हालांकि वैज्ञानिक समुदाय में इस पर और अधिक शोध की आवश्यकता महसूस की जाती है।

कैसे लौटेंगी आंगन की खुशियां? : गौरैया की वापसी के लिए केवल विलाप नहीं, बल्कि कुछ ठोस और संवेदनशील प्रयास करने होंगे। आज गौरैया का संरक्षण केवल दया का विषय नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण के अस्तित्व का सवाल है। एक सुरक्षित छोटा कोना: आधुनिक कंक्रीट के घरों में जहां पुराने रोशनदान गायब हो चुके हैं, वहां घर के सुरक्षित कोनों, बालकनी या छतों पर लकड़ी के छोटे कृत्रिम घोंसले (नेस्ट बॉक्स) लगाए जा सकते हैं। ये घोंसले ऐसी सुरक्षित जगह लगाए जाएं, जहां सीधी धूप और भारी बारिश न आए, जिससे ये गौरैया के लिए सुरक्षित और आधुनिक आशियाने साबित हों।

परंपरा का पुनर्जीवन : राजस्थान की पुरानी 'परिंडा' परंपरा को पुनर्जीवित करना भी उपयोगी होगा। छत या आंगन में एक मिट्टी के बर्तन में साफ पानी और अनाज के कुछ दाने रखने की आदत डालें। जब गौरैया को विश्वास हो जाएगा कि यहां उसे नियमित दाना-पानी मिल रहा है, तो वह फिर से आकर्षित होने लगेगी। इसके साथ ही अपने बगीचों और गमलों में रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग तुरंत बंद कर दें। ये रसायन उन छोटे कीटों को मार देते हैं, जो गौरैया के चूजों और शिशुओं का मुख्य आहार हैं।

उम्मीदों का आशियाना : उत्तर प्रदेश की सकारात्मक खबरें यह भरोसा दिलाती हैं कि यदि हम प्रयास करें, तो यह नन्हीं चिड़िया फिर लौट सकती है। गौरैया हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ ही हमारे लोकगीतों की 'चिड़कली' भी है, जिसका गायब होना केवल एक प्रजाति का विलुप्त होना नहीं, बल्कि हमारे हृदय की कोमलता का कम होना भी है। विश्व गौरैया दिवस पर संकल्प लें कि हम अपने आधुनिक आशियानों में एक छोटा-सा हिस्सा इस नन्हीं चिड़िया के लिए भी आरक्षित करेंगे। जिस दिन आपके घर की मुंडेर पर फिर से वह चिरपरिचत 'चिर्र-चिर्र' गूंजेगी, तब समझ आ जाएगा कि प्रकृति और मनुष्य के बीच का सामंजस्य फिर से लौट आया है। अंततः प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व ही हमारा एकमात्र सुरक्षित भविष्य है।

नशा नहीं है पान बल्कि महत्वपूर्ण औषधि

भारत की परंपराओं और जीवनशैली में पान का विशेष स्थान रहा है। विवाह, उत्सव, अतिथि सत्कार और भोजन के बाद पान देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हालांकि आधुनिक समय में पान को अक्सर केवल एक नशे की वस्तु या आदत के रूप में देखा जाता है, जबकि आयुर्वेद के अनुसार पान का सही उपयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। प्राचीन काल से ही पान का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक अवसरों तथा स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता रहा है। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथ अष्टांगहृदयम् में 'तांबूल सेवन' का उल्लेख मिलता है। इसमें बताया गया है कि भोजन के बाद पान का सेवन करने से पाचन क्रिया में सुधार होता है, मुंह की स्वच्छता बनी रहती है और कफ दोष का संतुलन होता है। इस दृष्टि से पान केवल स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना गया है।

पान का परिचय

पान एक बेल या लता के रूप में बढ़ने वाला पौधा है। इसका वैज्ञानिक नाम Piper betle है। यह पौधा मुख्यतः उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है और भारत सहित कई एशियाई देशों में इसकी खेती की जाती है। भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम जैसे राज्यों में पान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। पान के पत्ते हरे, चिकने, सुगंधित और हृदयाकार होते हैं। पान में कई प्रकार के आवश्यक तेल, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, कैल्शियम ,आयरनस, फाइबर और औषधीय तत्व पाए जाते हैं, जो इसे एक प्रभावी औषधि बनाते हैं। पान का रस कटु, तिक्त और कषाय होता है। इसका स्वभाव उष्ण है और यह मुख्य रूप से कफ व वात दोष को कम करने में सहायक होता है।

आयुर्वेद में पान का वर्णन

आयुर्वेदिक ग्रंथों में पान को पाचन शक्ति बढ़ाने वाला, मुख को सुगंधित रखने वाला तथा शरीर में स्फूर्ति प्रदान करने वाला बताया गया है। पान को "दीपन" और "पाचन" गुणों से युक्त माना गया है, अर्थात यह जठराग्नि को प्रबल करता है और भोजन के पाचन में सहायता करता है। यह केवल स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाने के लिए भी किया जाता था।

तांबूल के पांच मुख्य घटक

आयुर्वेद के अनुसार पान को औषधि के रूप में उपयोग करने के लिए उसमें कुछ विशेष सामग्रियों का संतुलित संयोजन होना आवश्यक है। इस संयोजन को तांबूल कहा जाता है।

पान का ताजा पत्ता

पान का पत्ता तांबूल का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। यह कफ नाशक और सुगंधित होता है। इसके सेवन से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और पाचन क्रिया को बल मिलता है। ताजा पान का पत्ता ही उपयोग करना चाहिए, क्योंकि उसमें औषधीय गुण अधिक होते हैं।

सुपारी

सुपारी का उपयोग तांबूल में थोड़ी मात्रा में किया जाता है। यह कसैली और पाचक होती है। सुपारी लार के स्राव को बढ़ाती है, जिससे भोजन के पाचन में सहायता मिलती है। हालांकि इसका अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं माना जाता, इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए।

चूना

तांबूल में चूना बहुत कम मात्रा में मिलाया जाता है। यह कैल्शियम का स्रोत माना जाता है। इसकी मात्रा लगभग गेहूं के दाने के बराबर होनी चाहिए। अधिक चूना लेने से मुंह व पेट को नुकसान हो सकता है।

लौंग : लौंग में शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद करती है और दांतों तथा मसूड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। आयुर्वेद में लौंग को दंत रोगों के लिए भी उपयोगी माना गया है।

इलायची या जायफल/जावित्री

इलायची व जायफल तांबूल पाचन क्रिया को बेहतर करते हैं। इनके सेवन से मुंह में ताजगी बनी रहती है। इन सभी घटकों का संतुलित मिश्रण पान को एक औषधीय तांबूल का रूप देता है। " आयुर्वेदिक में औषधीय रूप में लिया गया पान लाभकारी माना जाता है। तंबाकू मिलाकर पान खाने से यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

शरीर के विभिन्न रोगों में लाभदायक

पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

पान का सबसे प्रमुख लाभ यह है कि यह पाचन शक्ति को बढ़ाता है। आयुर्वेद के अनुसार पान अग्नि को प्रदीप्त करता है, जिससे भोजन का पाचन ठीक प्रकार से होता है। भोजन के बाद पान का सेवन करने से गैस, अपच, पेट फूलना और भारीपन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। इसके अलावा पान के पत्तों में मौजूद तत्व पाचन रसों के स्राव को बढ़ाते हैं, जिससे भोजन जल्दी और आसानी से पच जाता है।

श्वसन तंत्र के रोगों में उपयोगी

पान के पत्ते श्वसन तंत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं। आयुर्वेद में खांसी, जुकाम और दमा जैसी समस्याओं में पान का उपयोग किया जाता है। यदि पान के पत्तों को हल्का गर्म करके छाती पर रखा जाए, तो यह कफ को ढीला करने में मदद करता है और सांस लेने में आसानी होती है। छोटे बच्चों में कफ और खांसी की समस्या होने पर पान के पत्तों का उपयोग घरेलू उपचार के रूप में किया जाता है।

मुख स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

पान के पत्तों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। ये गुण मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने में मदद करते हैं। पान का सेवन करने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और दांत तथा मसूड़े मजबूत बनते हैं। यही कारण है कि भोजन के बाद पान को मुखवास के रूप में लिया जाता है।

घाव भरने में सहायक

पान के पत्तों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो घावों को जल्दी भरने में मदद करते हैं। यदि पान के पत्तों को पीसकर घाव पर लगाया जाए, तो इससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है और घाव जल्दी भरने लगता है। यह त्वचा के छोटे संक्रमण, फोड़े-फुंसियों और सूजन में भी उपयोगी माना जाता है।

त्वचा रोगों में उपयोग

पान के पत्तों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। यदि पान के पत्तों का लेप त्वचा पर लगाया जाए, तो यह खुजली, फोड़े-फुंसियों और हल्के संक्रमण में राहत देता है। इसके अलावा पान

का रस त्वचा को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में पान का प्रयोग

आयुर्वेदिक चिकित्सा में पान के पत्तों का उपयोग कई प्रकार के उपचारों में किया जाता है। पान कई घरेलू नुस्खों और औषधीय तैयारियों का हिस्सा होता है।

कुछ प्रमुख उपयोग इस प्रकार हैं-

- खांसी और कफ में पान का रस
- पेट दर्द में पान का सेवन
- घावों पर पान का लेप
- सूजन में पान के पत्तों का प्रयोग

इन उपायों का उपयोग प्राचीन समय से घरेलू चिकित्सा में किया जाता रहा है।

रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली आयुर्वेदिक उपचार और जागरूकता के माध्यम से रोगियों को स्वस्थ जीवन की ओर मार्गदर्शन प्रदान करता है। पान का उपयोग औषधीय दृष्टि से या संयमित मात्रा में ही करना उचित है। पान भारतीय परंपरा, संस्कृति और आयुर्वेद तीनों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह केवल एक स्वादिष्ट मुखवास नहीं, बल्कि एक प्रभावी औषधीय वनस्पति भी है। इसके पत्तों में पाए जाने वाले औषधीय गुण शरीर को कई प्रकार से लाभ पहुंचाते हैं। यदि पान का सेवन सही तरीके और उचित मात्रा में किया जाए, तो यह पाचन शक्ति को बढ़ाने, श्वसन तंत्र को स्वस्थ रखने, त्वचा रोगों में राहत देने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होता है। आज के समय में भी आयुर्वेद के माध्यम से प्राकृतिक औषधियों के महत्व को समझना आवश्यक है। इस दिशा में रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली जैसे संस्थान लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बीती 28 फरवरी 2026 को तंबाकू निषेध केंद्र (TCC) की स्थापना की गई। तंबाकू निषेध केंद्र की स्थापना तंबाकू मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने, व्यसन मुक्त भारत अभियान को बढ़ावा देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संस्थान समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर के माध्यम से आयुर्वेदिक जीवनशैली को बढ़ावा देता है। जागरूकता कार्यक्रमों में लोगों को प्राकृतिक आहार, औषधीय पौधों और पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों को यह समझाने का प्रयास करते हैं कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो व्यक्ति को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

धूप में छुपा है हमारी सेहत का खजाना

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

भारत एक ऐसा देश है, जहां साल के अधिकांश समय धूप प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है। सामान्य रूप से माना जाता है कि धूप की पर्याप्त उपलब्धता के कारण यहां के लोगों में विटामिन डी की कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। आज भारत में बड़ी संख्या में लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे हैं। कई शोधों और स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में यह पाया गया है कि भारत की लगभग 60-80 प्रतिशत आबादी में विटामिन डी का स्तर सामान्य से कम है। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि विटामिन डी हमारे शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है।

विटामिन डी का महत्व

विटामिन डी शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आवश्यक होता है। यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है तथा कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण को बढ़ाता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों की शक्ति, प्रतिरक्षा प्रणाली और शरीर के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाए, तो हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों की कमजोरी, थकान और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बच्चों में इसकी कमी से रिकेट्स और वयस्कों में ऑस्टियोमलेशिया या ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कमी के प्रभाव

विटामिन डी की कमी केवल हड्डियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह शरीर के कई अंगों और प्रणालियों को प्रभावित कर सकती है। इसके कुछ प्रमुख प्रभाव इस प्रकार हैं-

- हड्डियों और जोड़ों में दर्द
- मांसपेशियों की कमजोरी
- जल्दी थकान महसूस होना
- बच्चों में हड्डियों का सही विकास न होना
- बुजुर्गों में हड्डियों के टूटने का खतरा बढ़ जाना
- शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होना

दीर्घकालिक रूप से विटामिन डी की कमी कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन डी की कमी के प्रमुख कारण

आधुनिक जीवनशैली

आज के समय में लोगों की जीवनशैली काफी बदल गई है। अधिकांश लोग दिन का अधिक समय घरों, कार्यालयों या अन्य बंद स्थानों में बिताते हैं। इससे शरीर को सूर्य की किरणों का पर्याप्त संपर्क नहीं मिल पाता और विटामिन डी का निर्माण कम हो जाता है।

गलत है धूप से बचने की प्रवृत्ति

कई लोग त्वचा के काले पड़ने या गर्मी से बचने के लिए धूप में निकलने से बचते हैं। महिलाएं विशेष रूप से सनस्क्रीन का अधिक उपयोग करती हैं, जिससे त्वचा तक सूर्य की किरणें कम पहुंचती हैं और विटामिन डी का निर्माण प्रभावित होता है।

प्रदूषण

शहरी क्षेत्रों में बढ़ता वायु प्रदूषण भी एक महत्वपूर्ण कारण है। प्रदूषण की मोटी परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों को धरती तक पूरी तरह पहुंचने से रोकती है, जिससे शरीर में विटामिन डी बनने की प्रक्रिया कम हो जाती है।

त्वचा का रंग

भारतीय लोगों की त्वचा सामान्यतः गहरी होती है। उनमें मेलेनिन की मात्रा अधिक होती है। मेलेनिन प्राकृतिक सनस्क्रीन की तरह काम करता है। इसके कारण त्वचा सूर्य की पराबैंगनी किरणों को कम अवशोषित करती है। परिणामस्वरूप शरीर में विटामिन डी का निर्माण अपेक्षाकृत धीमा हो जाता है। इसलिए गहरी त्वचा वाले लोगों को पर्याप्त विटामिन डी बनाने के लिए अधिक समय तक धूप में रहने की आवश्यकता होती है।

असंतुलित आहार

भारत में कई लोगों के भोजन में ऐसे खाद्य पदार्थों की कमी होती है, जिनसे विटामिन डी प्राप्त हो सकता है। दूध, मछली, अंडा और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का सेवन कई परिवारों में नियमित रूप से नहीं होता, जिससे शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता।

शहरीकरण और व्यस्त दिनचर्या

बढ़ते शहरीकरण के कारण लोग सुबह जल्दी घर से निकलते हैं और दिनभर कार्यालय या बंद वातावरण में काम करते हैं। शाम तक सूरज की रोशनी कम हो जाती है और इस प्रकार उन्हें पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती।

कमी से बचाव के उपाय

- **नियमित रूप से धूप लेना :** सुबह की हल्की धूप में प्रतिदिन लगभग 15-20 मिनट तक बैठना या टहलना विटामिन डी के निर्माण के लिए लाभकारी होता है।
- **संतुलित आहार लेना :** अपने भोजन में दूध, दही, अंडा, मछली, मशरूम और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए।
- **नियमित स्वास्थ्य जांच :** समय-समय पर विटामिन डी के स्तर की जांच कराना भी आवश्यक है ताकि कमी होने पर समय रहते उपचार किया जा सके।
- **जागरूकता बढ़ाना :** समाज में विटामिन डी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य शिविरों, जागरूकता अभियानों और चिकित्सा परामर्श के माध्यम से लोगों को इस विषय में जानकारी दी जा सकती है।

भारत जैसे धूप से भरपूर देश में भी विटामिन डी की कमी यह संकेत देती है कि समस्या धूप की नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की है। यदि हम रोज थोड़ी देर धूप में समय बिताएं और संतुलित आहार अपनाएं, तो विटामिन डी की कमी से आसानी से बचा जा सकता है। इसलिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए धूप से दोस्ती करना बहुत जरूरी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। आपको करियर-कारोबार में उल्लेखनीय प्रगति और लाभ होने की संभावना है। पूर्व में किए गए धन निवेश से लाभ होगा। स्वजनों द्वारा मिलने वाले समर्थन से आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा देखने को मिलेगी।

वृष — इस सप्ताह अपने कार्य योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप ऐसा करने में कामयाब रहते हैं, तो आपको लाभ होगा अन्यथा न चाहते हुए भी तमाम तरह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। सप्ताह के अंत में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपसी सहमति से दूर होंगे।

कर्क — यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह के उत्तरार्ध में छोटी-मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दिया जाए, तो पूरे सप्ताह आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आएगा। सप्ताह की शुरुआत में किसी बड़ी अड़चनें के दूर होने से आप राहत की सांस लेंगे।

सिंह — इस सप्ताह किसी भी कार्य को करने में लापरवाही बरतने से बचना होगा अन्यथा आर्थिक एवं मानसिक समस्या हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत में नियमों का उल्लंघन करने से बचें और अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से करते हुए समय पर पूरा करने का प्रयास करें। अपना काम दूसरे के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं करने का प्रयास करना चाहिए।

कन्या — यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। हालांकि सप्ताह की शुरुआत आपके लिए अच्छी कही जा सकती है। इस दौरान आपको करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप विदेश से जुड़े कार्य करते हैं, तो आपको विशेष लाभ प्राप्ति का अवसर प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला — यह सप्ताह करियर-कारोबार की दृष्टि से शुभ, लेकिन रिश्ते-नातों की दृष्टि से थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। कारोबारियों के लिए सप्ताह का पूर्वार्ध अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। पूर्व में आपके द्वारा करियर-कारोबार के लिए किए गए प्रयास सफल और सार्थक साबित होते हुए नजर आएंगे।

वृश्चिक — यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है। करियर-कारोबार में अपेक्षा के अनुरूप फल न मिलने के कारण आपका मन कई बार हताश और निराश रह सकता है। स्वजनों का सहयोग न मिल पाने के कारण आपका मन खिन्न रहेगा। आपको अपने व्यवहार एवं भाषा को प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करने की आवश्यकता रहेगी।

धनु — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपका अधिकांश समय स्वजनों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी योजना अथवा कारोबार में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा।

मकर — यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आप जितना परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको सिर्फ उतना ही फल प्राप्त होगा। ऐसे में मनचाही सफलता पाने के लिए आलस्य छोड़कर प्रत्येक कार्य को समय पर पूरे मनोयोग से करें। नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह अपने कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों को मिलाकर चलना उचित रहेगा।

कुंभ — यह सप्ताह सामान्य फलदायक रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में कामकाज में छोटी-मोटी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप सप्ताह के उत्तरार्ध तक उसका समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई लिखाई में खूब लगेगा तो वहीं घरेलू महिलाओं का मन धर्म-कर्म से जुड़े कार्यों में रमेगा।

मीन — यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको सेहत संबंधी कुछेक दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में इस दौरान अपनी दिनचर्या और खानपान का ख्याल रखते हुए मौसमी बीमारी से बचें। यात्रा के दौरान अपने सामान और सेहत का विशेष रूप से ख्याल रखें। इस सप्ताह आपको अपने धन का प्रबंधन करके चलना होगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 50

काकुरो 49 का हल

कहानी

शन्नो

डॉक्टरी की परीक्षा पास करने के बाद मेरी पोस्टिंग सीमा से सटे गांव के स्वास्थ्य केंद्र पर हुई। मेरे दोस्त ने चुटकी ली -"मुबारक हो डॉक्टर साहब, अब आप मरीजों से ज्यादा बंदूकों की आवाज सुनेंगे।" मैं मुस्कुरा दिया, लेकिन भीतर कहीं चिंता घर कर गई। गांव पहुंचा तो वाकई माहौल अलग था। हर ओर ऊंचे नीचे पहाड़, संकरी पगडंडिया और उनके बीच चमकती नीली झील। गांव वाले सीधे सादे थे, लेकिन हर चेहरे पर आतंकवाद की दहशत का साया दिखता था।

पोस्टिंग के कुछ ही दिनों बाद मुझे पता चला कि झील के पार हर साल बड़ा मेला लगता है। लोग दूर-दूर से आते, नाव से झील पार करते, ढोल-नगाड़ों की थाप और लोकगीतों से वातावरण गूंज उठता। मैं मेले में पहुंचा। बाजार सजा था, झील किनारे झूले लगे थे। रंग-बिरंगे झंडे, हाथ में लिए बच्चों की खिलखिलाहट से वातावरण जीवंत हो उठा। यहीं मेरी नजर दो लड़कियों पर पड़ी। सफेद सूट में, सिर पर हल्की गुलाबी ओढ़नी, मुस्कुराते हुए बच्चों को खिलौने दे रही थी। चेहरे पर मासूमियत, आंखों में शरारत। मेरा दिल एक पल को ठहर गया। मैं धीरे-धीरे पास पहुंचा। "आप यहीं की हैं?" मैंने हिम्मत करके पूछा। एक लड़की ने हल्की हंसी के साथ कहा -"नहीं पड़ोस के गांव से आई हूं। मेरा नाम शन्नो है और यह मेरी सहेली शब्बो है।" मैंने कहा-"मैं नवल किशोर, सरकारी अस्पताल में डॉक्टर हूं। तभी हिंडोले वाला आया -"शाब, मेम शाब को झूला झूलाएगा?" "नहीं।" मैंने रूखेपन से कहा। वह पीछे ही पड़ गया -"शाब, बादलों की सैर करेगा।" एक लड़की ने कहा -"ठीक कह रहा है, जब हिंडोला ऊपर जाता है, लगता है बादलों के पास पहुंच गए।"

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

अचानक घटा आई और मूसलाधार बारिश होने लगी। मैं पेड़ के नीचे खड़ा जलभराव को देख रहा था। दिलकश नजारा था, लेकिन मेरी जिंदगी चटियल मैदान थी। मैंने उन दोनों लड़कियों को देखा, जो महीन मलमल के कुर्ते पहने हुए थी, जो उनके बदन के साथ चिपके हुए थे। मैंने पहले किसी लड़की को बारिश में इस तरह भीगा नहीं देखा था, क्योंकि मैं मिजाज से इस किस्म का लड़का था, जो औरतों को इन निगाहों से देखना पाप समझता था। मेरी उम्र जो महज पच्चीस साल के करीब रही थी, तजुर्बा न था। जिंदगी में पहली बार मैंने जवान लड़कियों के शबाब को गीली मलमल में लिपटे देखा। मुझे यह महसूस हुआ, मेरे शरीर में चिंगारियां दौड़ रही हैं। मैंने उन दोनों लड़कियों में से एक को चुनना चाहा। देर तक गौर करता रहा। शन्नो बड़ी चंचल और खूबसूरत थी दूसरी उससे कम। मैंने सोचा चंचल अच्छी रहेगी, मुझे भी चंचल बना देगी। थोड़ी देर के लिए मैं शायर बन गया। इसके अलावा रेडियो में सुने फिल्मी गानों की धुन भी मेरे मन में गूंजने लगी। मुझे लगा कि मैं फिल्म की शूटिंग के लिए यहां आया हूं और कोई रोमांटिक सीन फिल्माया जा रहा है।

अचानक तेज हवा चलना शुरू हो गई, लड़कियां घर जाने लगीं। लड़की जिसका नाम शन्नो था, केयरिंग थी। उसने कहा -"डॉक्टर, ऐसे मौसम में लैंडस्लाइड का डर बना रहता है। आपका यहां रुकना सेफ नहीं, आप चाहे तो हमारे घर चल सकते हैं।" न-नुकर के बाद में उसके साथ चल पड़ा। मुझे पहाड़ी सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई हो रही थी। उसने मेरा हाथ पकड़ा, तो लगा पंख लग गए और मैं उड़ता हुआ उसके घर पहुंच गया। उसके बाद मेरी शन्नो से मुलाकातें होने लगी। झील किनारे टहलते हुए शन्नो खुलकर हस्ती बोलती और मैं जो हमेशा किताबें और मरीजों में उलझा रहा, अचानक जीवन में रंग महसूस करने लगा। एक शाम शन्नों ने कहा- "आज पूरे चांद की रात है चलो झील की सैर करें।" मेरे होठों पर अनकही मुस्कान तैर गई। हम दोनों नाव में बैठे। चांदनी झील पर बिखरी थी, पानी में हमारी परछाइयां तैर रही थी। हवा में पहाड़ी बांसुरी की धुन बज रही थी। हम एक-दूसरे को अपनी कहानियां सुनाते रहे।

किसी दार्शनिक ने कहा है-"मन, बहते पानी में तैरने को और शबाब में डूबने को मचलता है।" वही मेरे साथ भी हुआ। मैंने दोनों हाथ, उसकी कमर में डाल दिए और उसे अपने सीने से लगा लिया। उसके होठों की और झुका, शन्नो ने मुझे जोर से धक्का दिया। नाव डगमगाई। "रुक जाओ डॉक्टर!" उसकी आवाज कांप रही थी। "तुम नहीं जानते मैं कौन हूं?" मैं सन्न रह गया। शन्नो की आंखों में आंसू बह निकले। "मुझे यहां तुम्हें मारने के लिए भेजा गया था। आतंकियों ने मुझे विषकन्या बना दिया है। कहा कि तुम्हें अपने जाल में फंसाकर खत्म कर दूं। बारिश में, मेले में, तुम्हारे करीब आकर मैंने वही किया जो मुझे सिखाया गया था।"

मेरा चेहरा पीला पड़ गया। शन्नो ने आह भरकर कहा, मैं जानती हूं, "बॉस की नाफरमानी की सजा मौत मिलेगी, पर मैंने ऐसा किया, क्योंकि मुझे लगा, आपका दिल मेरे लिए धड़कता है और मैं आपसे मुहब्बत करने लगी। मेरा दिल बदल गया। मैंने ठान लिया कि आपको चोट नहीं पहुंचाऊंगी, चाहे मेरा अंजाम कुछ भी हो। याद रखना डॉक्टर, मैं विषकन्या ही नहीं, एक औरत भी हूं, जिसने तुम्हें सच्चा प्यार किया है।"

डॉक्टर के गले से आवाज मुश्किल से निकली -"शन्नो, पलभर की मोहब्बत में अपनी जान क्यों दे रही हो? मुझे मरने दो। ज्वाइन करते समय सीएमओ ने मुझे आगाह किया था, हनी ट्रैप में मत फंसना, जान से हाथ गंवा बैठोगे।" शन्नों ने थरथराते होठों से कहा -"क्योंकि पल भर में भी मोहब्बत पूरी जिंदगी की खुशियां दे सकती है। मुझे यह पल चाहिए था। अब मौत से कोई गिला नहीं।" उसने अपनी चोली से पिस्टल निकालकर मुझे थमा दी, "इसे रख लो। तुम डॉक्टर हो, तुम्हें जिंदा रहना है, वतन के लिए और मेरी मौत का बदला लेने के लिए।"

इस वक्त झाड़ियां में हरकत हुई। गोलियों की आवाज गूंजी। शन्नो डॉक्टर के सामने खड़ी हो गई और चिल्लाई -"गोली चलाओ डॉक्टर!" अचानक फौजी दस्ते वहां पहुंचे। मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हो गए, लेकिन शन्नो भी गोली लगने से झील में गिर गई। डॉक्टर चीखा -"शन्नो!" फौजी अफसर ने उसका कंधा थामा -"डॉक्टर साहब, आपने देशभक्ति की मिसाल कायम की, लेकिन वह लड़की? क्या वह सचमुच आतंकवादी थी?" मैंने गले में अटकी रुलाई से कहा-"नहीं सर... वह देशभक्त थी। मजबूरी ने उसे विषकन्या बनाया था, पर उसने आखिरी दम तक मुझे बचाने की कोशिश की।" अफसर चुप हो गए।

समय बीतता गया। मैंने खुद को पूरी तरह सेवा और वतन के काम में झोंक दिया, लेकिन शन्नो की याद हर पल मेरे साथ रही। एक दिन, सीमा के इस इलाके में आतंकवादी हमले के बाद घायल सैनिकों का इलाज करने के लिए मुझे बुलाया गया। अस्पताल में मरीजों के बीच दौड़ते हुए मैंने अचानक एक नर्स को देखा। सफेद ड्रेस में, चेहरे पर हल्का नकाब, लेकिन आंखें वही थी शन्नो की आंखें!

मेरा दिल थम गया। "शन्नो... तुम?" वह मुस्कुराई, आंखों में नमी थी। "हां डॉक्टर। उस रात में मरी नहीं थी, बस घायल होकर गुमनाम रह गई। फौज ने मुझे बचाया, मेरे शरीर का जहर न्यूट्रलाइज किया और एक नई पहचान दी। अब मैं आतंकवादियों के खिलाफ काम कर रही हूं। एक नर्स बनकर, जिंदगियां बचा रही हूं।" डॉक्टर की आंखें छलक उठीं। उसने धीमे से कहा -तो अब तुम विषकन्या नहीं, मेरे वतन की बेटी और मेरी हमसफर हो।" शन्नो शर्म से लजा गई। पूरे चांद की रात की अधूरी कहानी, बरसात का वह पहला इश्क, वतन और मोहब्बत का दीप अब हमेशा के लिए जल उठा था।

काव्य

गौरैया

नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
एक कमी-सी लगती
जब यह दिखती नहीं चिरैया
सबके साथ बहुत अपनापन
भरा हुआ रिश्ता था
धूप में पसरे चावल का
बस दो दाना उसका था
बच्चों की टोकरियों में वह
अक्सर फंस जाती थी
घर-घर में वह नीड़ बनाने
को तिनके लाती थी
ये बातें इतिहास बनी हैं
क्यों बोलो अब भैया?
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
सुबह-सुबह उसकी बोली से
चहकने लगता आंगन
होने लगती नींबू-अमरूदों
पर चुनमुन-चुनमुन
अंधेरी कोठारियां कलरव
से चहका करती थीं
गौरैया जब रोशनदानों
में फुदका करती थी
जीवन का संगीत सुनाया
करती थी गौरैया
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया
काट-काट कर हरियाली
जो हमने नगर बनाए
ईंट-पत्थरों के जंगल में
पंछी न रह पाए
भीड़-शोर की माया नगरी
में न शीतल छैयां
नहीं फुदकती घर-आंगन में
छज्जे पर गौरैया।

अंजना वर्मा
बेंगलुरू

पीड़ा के परिणाम

भीगी रातों ने परिचय में
किसके-किसके नाम
लिखे?
तारों ने भी चुपके-चुपके
गीत कई गुमनाम लिखे।

चौराहों पर घर की फिर
चर्चाएं हैं।
बहकी-बहकी लगतीं
आज हवाएं हैं।
मन के दस्तावेजों में तो,
मैंने खुद अंजाम लिखे।

मेढ़ों पर खेतों की ढेरों,
सपनों को बोकर आए।
जितनी बार मिले अपनों से,
अनगिन ही धोखे खाए।
सुखमय पल तो
छू न सका बस,
पीड़ा के परिणाम लिखे।
अपना सब कुछ खोकर भी
चाहा बस अपनापन ही।

बूंद-बूंद जब पिया धूप को
सोचा तब कह दूं मन की।
सांझ ढली तो सूरज को ही,
मन ने फिर पैगाम लिखे।

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

क्षणिकाएं

मुंह चिढ़ाती हुई धूप
क्या खूब चेहरा है आंधियों
का
माफी भी मांग लें, तो
कहलाएं विनम्र
लेकिन वे टहनियां जाएं तो
जाएं कहां
जो अक्सर ही टूट जाती हैं
टकराते हुए
छूट जाता है सभी कुछ छूट
जाता है पीछे
और एक दिन भस्म हो जाता
है सभी कुछ
उड़ती रह जाती है सिर्फ
राख, मिट्टी, धूल
और मुंह चिढ़ाती हुई धूप।

कितना कमतर मैं
कटिबद्ध हूं, प्रतिबद्ध हूं मैं
अपने ही दु:ख की ओर
लौटने के लिए
दु:ख और
औरों के सभी भूलते
हुए कौन लिखेगा, कौन
समझाएगा मुझे
कितना कायर, कितना
कमतर हूं मैं
फिर भी लिपिबद्ध हूं मैं?

मुश्किल हैं कविताएं
मुश्किल कविताओं का
मुश्किल वक्त है,
मुश्किल में प्रतिरोध
अन्न-कण दबे हैं अर्से से
गरुण के मुंह में
भूखे हैं घरों में चिड़िया के
बच्चे।

राजकुमार कुंभज
वरिष्ठ कवि

लघुकथा

तफ्तीश

घनी अंधेरी रात में पति-पत्नी बाइक से घर लौट रहे थे। अंधेरा होने से पूर्व घर लौटने की फिक्र तो थी, लेकिन शादियों में चलन ही ऐसा होने लगा है देर हो ही जाती है। लोगों से मिलने-मिलाने और डिनर लेने के बाद ही वहां से चलना होता है। रात अंधेरी थी। एक शहर से दूसरे शहर का निर्जन रास्ता। दिल में डर भी था, लेकिन हौंसला भी बरकरार था। घर पहुंचने की जल्दी तो बहुत थी, लेकिन पति संयम से ड्राइव करते हुए धैर्यवान भी बना रहा। थोड़ी फिक्र और डर भीतर में भी था।

एक जगह, सुनसान सड़क पर चार लोगों ने उसे रुकने का इशारा किया। उसे अजीब लगा कि यहां न तो कोई नाका और न बाइक रोकने की कोई वजह। कौन हैं ये लोग? मन में शंका पैदा होने लगी थी। पति जब तक कुछ समझ पाता, बाइक रोक ली गई थी। रोबदार आवाज सुनाई पड़ी-"जो कुछ भी तुम्हारे पास है, निकालकर हमें दे दो!" पति घबरा उठा और पत्नी की देह तो थर-थर कांपने लगी थी। उम्र ज्यादा नहीं थी और पत्नी का सुंदरता भी झलक दे रहा था। उसने चुपचाप कान, नाक और गले में पहने जेवर उतारकर उन्हें दे दिए। जेब में जो रुपया-पैसा था, मोबाइल, घड़ी और सोने का कड़ा था, पति ने भी निकालकर उन्हें सौंप दिया।

सोचा था-"अब तो जाने देंगे?" लेकिन गठीले शरीर और लंबे कद वाले, चुस्त-दुरुस्त एक लुटेरे ने पत्नी का हाथ पकड़ा और उसे खींचकर बाहों में कस लिया। पत्नी छटपटा उठी। पति बोला-"हमारे पास जो कुछ भी था, वह हमने तुम्हें दे दिया है। मेरी पत्नी को कुछ न कहो।" उनमें से एक लुटेरे ने कहा-"मूर्ख, यह भी तो हुस्न का खजाना है। बेशकीमती खरा सोना, इसे भी कुछ देर हमारे पास रहने दो।" और वे उसे लेकर जाने लगे। पति का क्रोध और आवेश उमड़ पड़ा। अपनी पत्नी को छुड़ाने की कोशिश में वह उनसे उलझ बैठा। मारपीट होने लगी और उन चारों ने पति की सांसे रोक दी।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सुबह हुई, सायरन देती पुलिस की गाड़ियां और भारी भरकम बूटों की आवाजें मौका-ए-वारदात पर उपस्थित हुईं। रिपोर्टर, कैमरामैन और मीड़िया के असंख्य लोग। जांच अधिकारी और आस-पास की भीड़ भी दिखाई पड़ने लगी थी। रिपोर्टर ने खबर को प्रसारित किया-"पति की हत्या और पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म। तफ्तीश अभी जारी है।"

एक सीनियर जांच अधिकारी बड़े मनोयोग और गहराई से जांच-पड़ताल कर रहा था। तभी उसकी नजरें लाश के नजदीक सिपाही की एक नेमप्लेट पर गई। उसने चुपके से उसे उठाया और इशारे से एक सिपाही को पास बुलाकर उसपर चींखा-"हर काम में कोताही, तुम्हारा ध्यान कहां रहता है? मीडिया की नजरें यहां तक चली आती, तो हम कहीं के नहीं रहते। निक्कमें... बेवकूफ!"

किस्सा

कोरा पत्र

एक थे चांगदेव! वह हठयोगी थे। कहते हैं वह एक हजार चार सौ वर्ष तक वह जीवित रहे। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने अपनी मौत को चौदह बार वापस लौटा दिया था। इतने लंबे जीवन में उन्होंने ढेरों सिद्धियां प्राप्त कर ली थीं। उस समय उनके बराबर का ज्ञानी-ध्यानी कोई नहीं था, इस कारण उन्हें अपनी सिद्धियों पर अभिमान हो गया था।

उसी समय ज्ञानेश्वर का जन्म हुआ था। वह ईश्वर के महान भक्त थे। सोलह वर्ष के होते-होते ज्ञानेश्वर की कीर्ति सारे संसार में फैल गई। चांगदेव ने भी ज्ञानेश्वर की कीर्ति सुनी। उन्होंने ज्ञानेश्वर की खिल्ली उड़ाई। भला सोलह वर्ष का बालक क्या ज्ञानी होगा? जरूर ढोंग करता होगा? उन्होंने सोचा।

एक बार चांगदेव के मन में आया कि वह ज्ञानेश्वर को पत्र लिखें। वह पत्र लिखने बैठे। पर उस पत्र में क्या लिखें? क्या न लिखें? यह सोच नहीं पाए। ज्ञानेश्वर उनसे बहुत छोटे थे, अतः वह उन्हें पूज्य कैसे लिखते? और चिरंजीव वह लिखना नहीं चाहते थे। अतः बिना लिखे ही उन्होंने वह पत्र ज्ञानेश्वर के पास भिजवा दिया। ज्ञानेश्वर की एक बहन और शिष्या थी, मुक्ताबाई। उन्हें पत्र मिला। उसने वह पत्र ज्ञानेश्वर को दिया।

शिवचरण चौहान
लेखक

ज्ञानेश्वर बहुत पहुंचे हुए संत थे। वे चांगदेव का अभिमान समझ गए। उन्होंने तुरंत उत्तर लिखकर चांगदेव को भिजवा दिया- "मान्यवर। एक हजार वर्ष से भी अधिक आपकी उम्र हो गई, साधना करते-करते। फिर भी आप कोरे के कोरे रह गए। ये शब्द चांगदेव को बहुत खले। वह घमंड से भरकर ज्ञानेश्वर से मिलने चल दिए। अपनी सिद्धियों के प्रदर्शन के लिए उन्होंने बाघ के मुख में-काले नाग की लगाम लगाई और उस पर सवारी करके चल दिए। संत ज्ञानेश्वर ने जब सुना कि चांगदेव उनसे मिलने आ रहे हैं तो उन्होंने उनके स्वागत की तैयारी की। जब चांगदेव उनके आश्रम के करीब आ गए, तो उस समय ज्ञानेश्वर एक शिला पर बैठे हुए थे। उन्होंने शिला को चलने की आज्ञा दी, ताकि वह आगे बढ़कर चांगदेव की अगवानी कर सकें। शिला ज्ञानेश्वर को अपने ऊपर बिठाए हुए चल दी।

चांगदेव ने जब देखा कि पत्थर पर बैठे हुए ज्ञानेश्वर उनका स्वागत करने के लिए चले आ रहे हैं, तो उनका अभिमान चूर हो गया। उन्होंने सोचा- मैं तो इतनी लंबी साधना करके एक हिसंक जानवर को ही वश में कर पाया, पर बालक ज्ञानेश्वर ने तो बेजान वस्तु को भी वश में कर लिया है। उन्होंने ज्ञानेश्वर के पैर पकड़ लिए। बोले-आप सच्चे भक्त हैं। मैं अभिमानी था। आप मुझे राह दिखाइए। ज्ञानेश्वर ने उन्हें उपदेश दिया तो उनका रहा सहा अभिमान भी खत्म हो गया। उन्होंने फिर सारी जिंदगी ज्ञानेश्वर का शिष्य बनकर सेवा करते बिताई।

व्यंग्य

मौत की प्रतीक बनती सेल्फी

सेल्फी लेना जब हमारे नसीब में नहीं था। तब हम बिना किसी हुज्जत के प्राकृतिक तरीके से बाकायदा अर्थी पर सज-धजकर टाइम से ऊपर चले जाते थे। जब से हम सेल्फी वाले बन गए हैं। तब से मौत मोबाइल के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सेल्फी ने मौत को इतनी आसानी से अपने करीब कर लिया है। बंदा ट्रेन में हो, तो बर्थ सीठ छोड़कर सीधे डिब्बे के ऊपर छैय्यां-छैय्यां की तर्ज पर विद मौत के सेल्फी लेने चला जाता है। मौत भी सम्मान से आती है। सेल्फी वालों की सेल्फी भी हो जाती है।

सब जानते हैं हर इंसान को अपनी-अपनी पड़ी है। कोई तो मेरी तस्वीर खींचने से रहा। जीवन का हर मौका गंवा दो। अगर सेल्फी लेना गंवा दिया। समझिए आपने अपना जीवन गंवा दिया। इधर सरकार पुलों को स्थापित करती है। लोगों के आवागमन के लिए। पुल लोगों की आवाजाही से कम पुलों पर आधुनिक अंदाज में खड़े होकर सेल्फी लेने के कारण ज्यादा प्रख्यात होते जा रहे हैं। इंसान को अब मौत से डर नहीं लगता। अगर हाथ में सेल्फी वाला मोबाइल उपलब्ध नहीं है, तो जमाने वालों के सामने स्टेटस का कचरा न हो जाए। यह डर सदैव सताता रहता है। अब मौत तो सबको ही आनी है। सेल्फी लेते वक्त मौत को अगर पब्लिक स्टंट मिल जाए, तो मौत की टी.आर.पी.भी बढ़ जाती है। चैनल भी दुखद हादसों की खबरों के दरिया में डुबकी लगा लेते हैं।

आसिम अनमोल

सेल्फी की अपनी पावर है। सेल्फी के बगैर हम कई दिन तक कपड़े तक नहीं बदलते। सेल्फी है, तो नए-नए ब्रांडेड कपड़े पहनने का जूनून रहता है। यह अलग बात है कि अब जीवन भगवान के हाथ न होकर सेल्फी वाले मोबाइल के हाथों में पहुंच गया है। मौत भी अब प्राकृतिक नहीं रही। मौत सांसारिक हो गई है। मौत ने भी अब सेल्फी वाले मोबाइल से टाईअप कर लिया है। जिंदा रहना है तो रहो। वरना सेल्फी लेते-लेते भी भगवान के पास जा सकते हो। सेल्फी से मौत का बुलावा देना बड़ा आसान है। गाड़ी चलाते वक्त यह ध्यान रखना जरूरी नहीं होता है कि गाड़ी कितनी स्पीड में है। एक्सीडेंट का उपहार भी आपको मिल सकता है। सेल्फी जरूरी है। अगर गाड़ी चलाते वक्त स्टेरिंग छोड़कर हमने सेल्फी नहीं ली, तो सेल्फी का बना बनाया रसूख खाक में मिल जाएगा।

सेल्फी अपने आपमें एक ऐसा सौंदर्य प्रोडक्ट है, जो न सिर्फ जीवन स्तर को दुनिया के सम्मुख खूबसूरत बनाता है, बल्कि आपको सेल्फीयुक्त इंसान भी बनाता है। सेल्फी वाले इंसान बनना बहुत मुश्किल काम है। हर दु:ख से दूर रखती है यह प्यारी सेल्फी। सेल्फी प्रेमिका का एक रूप भी है। जैसे प्रेमिका वादा करके मुकर जाने की संभावनाएं बनाकर प्रेमी को अकेला छोड़ देती है। वैसे ही सेल्फी के बिना इंसान को भी सेल्फी तड़पा-तड़पाकर बेचैन रखती है। जब से लोगों के जीवन में सेल्फी आई है। तब से क्या घर बार क्या बीवी, क्या जिम्मेदारी सब पीछे रह गईं हैं। एक बार एक फैमिली बाजार करने जा रही थी।

एक सांसद महोदय का वहां से गुजरना हुआ। हस्बैंड ने जैसे ही सांसद को देखा। बीवी-बच्चे भूलकर सांसद के पीछे एक सेल्फी हो जाए लेने चले गए। इधर भीड़-भाड़ में न जाने किसी ने अपनी बाइक बीवी बच्चों पर चढ़ा दी। बीवी बच्चे घायल। जनता भी यह सब देखकर बीवी-बच्चों की सेल्फी लेने लगी। किसी ने मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया। सेल्फी लेने के लिए सैकड़ों हाथ आ गए। पति भी सांसद के साथ ली गई सेल्फी चेक करते हुए अपनी बीवी-बच्चों के पास आए तो हक्का-वक्का रह गए। इधर पब्लिक घायल बीवी बच्चों की सेल्फी लिए जा रही थी। उधर हस्बैंड सेल्फी लेने वालों के मुंह ताक रहा था।

समीक्षा

मातृशक्ति को समर्पित

कवि अखिलेश कुमार शर्मा हिन्दी साहित्य जगत में समादृत सुपरिचित नाम है। गतिस्त्वम् महा मां उनकी प्रथम प्रकाशित काव्यात्मक कृति है। यह कृति मातृ सत्तात्मक महाशक्ति को समर्पित है। धर्म, दर्शन और आध्यात्म जब एक बिंदु पर मिलते हैं, तब जनोपयोगी साहित्य की सर्जना होती है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता की यह उक्ति इस कृति पर पूरी तरह से सार्थक सिद्ध होती है।

यह कृति धर्म और दर्शन के क्षेत्र में कवि की गहन रुचि को प्रकट करती है। आदिशक्ति के रूप में अवतरित महा मां के परम पूज्य स्वरूप का वर्णन करते समय कवि भावों के अतिरेक में लीन हो जाता है।

कवियों की परिपाटी और परंपरा का निर्वाह कवि अखिलेश कुमार शर्मा ने भी किया है। बाधारहित सफलता की कामना ही कवि को काम्य है। मां भगवती भवानी की स्तुति करते समय कवि भाव-विभोर हो जाता है - अखंड गर्व खंडिनी, समस्त लोक मंडिनी। प्रचंड मुंड मालिनी, अनूप रूप शालिनी।। समीक्ष्य कृति का कलेवर अत्युत्तम है। मातृशक्ति के अंक में बैठा हुआ शिशु इसको भव्यता प्रदान करता है।

पुस्तक : गतिस्त्वं महा मां
लेखक : अखिलेश कुमार
प्रकाशक : ईथोस सर्विसेज
हल्द्वानी-नैनीताल
मूल्य : 250 रुपये
पृष्ठ : 250
समीक्षक : रमेश चन्द्र द्विवेदी।

इस ग्रंथ का प्रणयन करते समय संपादक ने बुद्धिमत्ता का परिचय दिया है। धर्म और आध्यात्म में रुचि रखने वाले हिन्दी के पाठकों के लिए यह ग्रंथ पठनीय एवं संग्रहणीय है। कहा जा सकता है कि प्रस्तुत पुस्तक में कवि मन के भावों को उड़ेल कर रख देता है।

समझ लें थोड़ी सी बारीकियां
रिश्ते रहेंगे मजबूत और सरस

क्या आपको अक्सर लगता है कि आप लोगों के लिए जितना करते हैं उनकी तरफ से, उसका 50 फीसदी भी आपको नहीं मिलता? क्या आपको यह भी लगता है कि लोग आपको जानबूझकर नजरअंदाज करते हैं या प्यार नहीं करते? क्या आपको अपने आसपास का हर दूसरा-तीसरा आदमी निहायत स्वार्थी, चतुर और घुन्ना लगता है? अगर ऐसा है, तो आपको मानवीय स्वभाव, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और लोकाचार से जुड़ी कुछ बारीकियों को समझना होगा। भगवान बुद्ध ने कहा था, "हजार लड़ाइयां जीतने की कोशिश करने से अच्छा है, आप खुद अपने मन को नियंत्रित कर लें।"

शिखर चंद जैन
लेखक

वन वे ट्रैफिक नहीं हैं रिश्तें
रिश्तों को खुशहाल और सरस न तो वन वे ट्रैफिक वाले रास्ते पर चलकर बनाया जा सकता है न ही भाग्य के भरोसे छोड़ा जा सकता है। आपको इन पर निरंतर उसी गंभीरता और मेहनत से काम करना पड़ता है जैसे आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस लाइफ में क्लाइंट या ग्राहक के साथ रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए करते हैं। जरा सी समझदारी और सूझबूझ से काम लें, तो दो विपरीत राजनीतिक दलों का समर्थन करने वाले, अलग तरह के खान-पान में रुचि रखने वाले, अलग तरह का पहनावा पसंद करने वाले लोग भी दीर्घकाल तक या यूं कहें कि हमेशा के लिए अच्छे रिश्ते बरकरार रख सकते हैं।

पहली प्रतिक्रिया पर पाएं काबू
हम जब किसी व्यक्ति से किसी बात पर नाराज होते हैं और बहुत गुस्से में रहते हैं, तो हमारी पहली प्रतिक्रिया काफी कठोर और तीखी हो सकती है। इस प्रतिक्रिया से संबंधों पर काफी गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बुद्धिमानी इसी में है कि अपनी पहली प्रतिक्रिया पर हम किसी भी प्रकार काबू पा लें और कुछ देर बाद सोच समझकर ठंडे दिमाग से अपनी बात कहें। इससे हम कोई बहुत कड़वी बात कहने से बच सकते हैं।

समझें मानवीय स्वभाव
आपको सबसे पहले यह समझना होगा कि हर व्यक्ति के अपने अलग गुण, अपनी रुचि और अपना स्वभाव होता है, जो उसे दूसरों से अलग व्यक्तित्व प्रदान करता है। हर किसी के अपने विचार, सोच, स्वाद , इच्छाएं , उम्मीदें, सपने और आशाएं होती हैं। हर कोई दुनिया को अलग तरीके से देखता है और लोगों के साथ व्यवहार करता है। आपको लोगों की इस यूनीकनेस यानी खास व्यक्तित्व का सम्मान करना सीखना होगा।

पहले पूरी बात सुनें
जब भी किसी बात पर किसी से आपकी असहमति हो या विवाद हो, तो सबसे पहले उन्हें अपनी बात पूरी कहने दें। बीच में बात काटने और उनका विरोध करने से बात बढ़ती है और बेवजह की बहस ज्यादा होती है। अगर वह आप पर किसी प्रकार का आरोप लगा रहे हैं या आप पर गुस्सा कर रहे हैं, तो उनसे भी ऊंची आवाज में अपनी बात कहकर खुद को उनसे ज्यादा ताकतवर साबित करने की कोशिश न करें। अच्छा होगा कि आप उनकी पूरी बात सुनकर अपनी बात को तर्कसंगत तरीके से रखें। इससे ज्यादातर मामले सुलझ जाते हैं।

पीस फार्मूला
ओपेरा स्टार जेन पियर्स ने अपने 50 साल के वैवाहिक जीवन की सफलता का राज बताते हुए कहा था मेरी पत्नी और मैंने बहुत पहले एक समझौता किया था और हम चाहे एक-दूसरे से कितना ही गुस्सा हो हमने इस समझौते को निभाया है। जब एक गुस्सा हो रहा हो और जोर-जोर से कुछ कह रहा हो, तो दूसरा ठंडे दिमाग से उसकी बातें सुनेगा, क्योंकि अगर दोनों ही चीखने लगे, तो संवाद हो ही नहीं सकता और घर में शोरगुल और विवाद के अलावा कुछ भी नहीं होगा।

ज्यादा उम्मीदें न करें
इस दुनिया में हम सभी कोई भी संबंध या रिश्ता इसलिए बनाते या रखते हैं, क्योंकि हमें उससे सुकून और खुशी मिलती है या फिर कहीं न कहीं कोई फायदा होता है। हम इस दुनिया में अकेले नहीं रह सकते। इसलिए हमारा दूसरों की तरफ झुकाव होता है। लोगों के साथ रहने से मानसिक शांति, सुकून और सुख मिलता है, लेकिन समस्या तब होती है, जब हम एक तरफा फायदा खोजते हैं या फिर हम लोगों से बहुत ज्यादा उम्मीद रखते हैं और उनसे फेवर, पैसा, प्रशंसा या दूसरी चीजों की मांग करते हैं। जब हमारी मानसिकता रिश्तों का फायदा उठाने और दोहन करने की हो जाती है, तो लोग हमारे लिए जितना करते हैं हम उनसे उतना ही ज्यादा चाहने लगते हैं।

इसकी परिणति रिश्तों में खटास और अंत में टूटन के रूप में होती है। इसलिए जितना आप लेना चाहते हैं, उतना ही देने का भी दिल रखिए। रिश्तों की गाड़ी हमेशा टू वे ट्रैफिक पर ही सुगमतापूर्वक चलती है।

देने का भाव जागृत करें
अपने दिमाग और दिल को विस्तार दीजिए। लोगों से संबंधों के दायरे को बड़ा कीजिए। अपने परिवार, सोसाइटी, मोहल्ले, वर्कप्लेस के लोगों के लिए कुछ कीजिए। उनके दुख-सुख में काम आने, हिम्मत बंधाने और समानुभूति यानी एंपैथी रखने की आदत डालिए। फिर देखिए कैसे लोगों का प्यार और स्नेह आपको मिलता है और लोगों से आपके रिश्ते कैसे इंप्रूव होते हैं। आपको धीरे-धीरे पता चलेगा कि जो प्यार आपने बांटा है, अपना समय और ऊर्जा लोगों की बेहतरी और उनसे जुड़ने में लगाई है,वह आपको किस प्रकार आंतरिक खुशी सफलता और सुकून दे रही है। आखिर हमारा कारोबार या पेशा भी लोगों की बदौलत ही फलता-फूलता है।

लोगों को उनकी तरह से स्वीकारें
लोगों को उसी तरह प्यार करें और स्वीकार करें जैसे वे हैं। उन्हें अपनी तरह बनाने की कोशिश न करें। आप उनकी तरह बन सकें तो ठीक है, वरना समझ लें कि वे अपने स्वभाव के मुताबिक ही आचरण करेंगे। रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने वाला यह फार्मूला दांपत्य संबंधों के निर्वाह में भी सफलतापूर्वक काम करता है। जब आप ऐसा करते हैं, तो धीरे-धीरे आपको लोगों के सकारात्मक गुण नजर आने लगते हैं और आप उनकी बुराइयों या नकारात्मकता को नजर अंदाज करने लगते हैं। जाहिर है इससे आपके मन में उनके प्रति चिढ़न या कुढ़न बंद हो जाती है और रिश्ते इंप्रूव होने लगते हैं।

असहमति को अपमान न समझें
जिंदगी भर जिस व्यक्ति के साथ रहना है, उनकी बहुत सी बातों से हमें या हमारी कई बातों से उन्हें असहमति हो सकती है। जरूरी नहीं कि पति और पत्नी एक दूसरे की हर बात से सहमत हों। ऐसे में अगर जीवनसाथी आपकी किसी बात से असहमत हो, तो उसे अपना अपमान समझकर उनसे मनमुटाव या झगड़ा करना न तो व्यावहारिक है और न ही बुद्धिमानी। रिश्ते को मधुर बनाए रखने के लिए परस्पर असहमतियों का स्वागत करें और इन असहमतियों के साथ एक-दूसरे के साथ रहने की कला सीखें।

सहमति के क्षेत्र खोजें
माना कि दो लोगों के हर मुद्दे पर अलग-अलग विचार और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, लेकिन ऐसे भी बहुत सारे मुद्दे होंगे, जिन पर आप दोनों एक जैसे विचार रखते हों। रिश्तों को मधुर बनाए रखने के लिए अक्सर ऐसे ही मुद्दों पर बातचीत करना लाजिमी होगा, जिनमें आपकी बहस न हो। इसका मतलब यह भी नहीं कि जिन बातों को सॉर्ट आउट करना जरूरी है, उन पर बात ही न हो। इसके लिए आपको एक खास मौके की प्रतीक्षा करनी चाहिए और सही समय पर सही तरीके से अपनी बात कहनी चाहिए।

नन्हें हाथों को रचना सिखाएं अक्षरों की सुंदर दुनिया

आज के डिजिटल युग में जहां मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, वहीं हाथ से लिखने की कला धीरे-धीरे कम होती जा रही है। सच यह है कि सुंदर और साफ लिखावट का महत्व आज भी उतना ही है, जितना पहले था। बच्चों की लिखावट केवल अच्छे नंबर पाने का साधन नहीं है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और अनुशासन का भी प्रतीक होती है। जब बच्चा साफ-सुथरी और सुंदर लिखावट में अपने विचार लिखता है, तो उसका मन भी प्रसन्न रहता है और उसे अपने काम पर गर्व महसूस होता है। इसलिए बच्चों की लिखावट को सुधारना और उसे सुंदर बनाना केवल पढ़ाई का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके समग्र विकास की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

डॉ. मोनिका राज
शोधार्थी

लिखावट और व्यक्तित्व का गहरा संबंध
किसी भी व्यक्ति की लिखावट उसके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बता देती है। बच्चों के मामले में यह बात और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जब बच्चा साफ और संतुलित अक्षरों में लिखता है, तो यह उसके धैर्य, एकाग्रता और अनुशासन को दर्शाता है। सुंदर लिखावट वाला बच्चा अक्सर अपने काम के प्रति अधिक सजग रहता है। वह शब्दों को सोच-समझकर लिखता है और अपनी कॉपी को व्यवस्थित रखने की कोशिश करता है। इससे उसके भीतर जिम्मेदारी और आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है। दूसरी ओर, जब लिखावट बहुत उलझी हुई होती है, तो कई बार बच्चा खुद भी अपनी लिखी हुई बात को समझने में कठिनाई महसूस करता है, जिससे उसका आत्मविश्वास कम हो सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि बच्चों को शुरू से ही साफ और सुंदर लिखने की आदत सिखाई जाए ताकि उनकी सोच और अभिव्यक्ति भी स्पष्ट हो सके।

माता-पिता व शिक्षकों की भूमिका
बच्चों की लिखावट सुधारने में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। अगर वे बच्चों को धैर्य और प्यार से मार्गदर्शन दें, तो बच्चे आसानी से अपनी लिखावट को बेहतर बना सकते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अधिक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें प्रेरित करें। अगर बच्चा थोड़ा भी सुधार दिखाता है, तो उसकी प्रशंसा जरूर करनी चाहिए। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह और बेहतर करने की कोशिश करता है। शिक्षक भी कक्षा में लिखावट पर ध्यान दें और बच्चों को सही तरीके से लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर शिक्षक समय-समय पर बच्चों को सुंदर लिखावट के महत्व के बारे में बताएंगे, तो बच्चे इसे गंभीरता से अपनाएंगे।

धैर्य और निरंतरता
लिखावट सुधारना एक दिन का काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और निरंतर प्रयास की जरूरत होती है। कई बार बच्चे जल्दी परिणाम न मिलने पर निराश हो जाते हैं, लेकिन उन्हें यह समझाना जरूरी है कि हर छोटी-सी कोशिश भी उन्हें बेहतर बनाती है। अगर बच्चा रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करता है और धीरे-धीरे अपनी गलतियों को सुधारता है, तो कुछ ही समय में उसकी लिखावट में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन बच्चे के आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाता है। समय पर बच्चों को सुंदर लिखावट के महत्व के बारे में बताएंगे, तो बच्चे इसे गंभीरता से अपनाएंगे।

सुंदर लिखावट से बढ़ता है आत्मविश्वास
जब बच्चे की लिखावट अच्छी होती है, तो उसे स्कूल में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है। शिक्षक उसकी कॉपी देखकर प्रसन्न होते हैं और कई बार उसकी प्रशंसा भी करते हैं। यह छोटी-सी प्रशंसा बच्चे के मन में बहुत बड़ा असर डालती है। अच्छी लिखावट वाले बच्चे को अपनी कॉपी दिखाने में झिझक नहीं होती। वह अपने काम को गर्व के साथ प्रस्तुत करता है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह पढ़ाई के प्रति अधिक उत्साहित रहता है। इसके विपरीत, अगर लिखावट बहुत खराब हो, तो बच्चा कई बार अपनी कॉपी दिखाने से भी हिचकता है। उसे लगता है कि लोग उसकी लिखावट पर हंसेंगे या आलोचना करेंगे। इसलिए लिखावट को सुधारना बच्चों के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी है।

राइटिंग में अभ्यास की भूमिका
सुंदर लिखावट कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि यह नियमित अभ्यास से विकसित होती है। जिस तरह खेल में अच्छा बनने के लिए अभ्यास जरूरी होता है, उसी तरह लिखावट को सुंदर बनाने के लिए भी रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करना आवश्यक है। बच्चों को रोज कुछ समय कॉपी में धीरे-धीरे और ध्यान से लिखने की आदत डालनी चाहिए। शुरुआत में अक्षरों के आकार और दूरी पर ध्यान देना चाहिए। धीरे-धीरे जब हाथ की गति और नियंत्रण बेहतर हो जाता है, तो लिखावट भी स्वत: ही सुंदर और संतुलित हो जाती है। अभ्यास के दौरान बच्चों को जल्दबाजी से बचना चाहिए। अगर वे धीरे-धीरे और ध्यानपूर्वक लिखेंगे, तो अक्षर स्पष्ट और आकर्षक बनेंगे।

सही पकड़ और बैठने की मुद्रा
अक्सर बच्चों की लिखावट खराब होने का एक कारण गलत तरीके से पेन या पेंसिल पकड़ना भी होता है। अगर बच्चा पेंसिल को बहुत कसकर या बहुत ढीला पकड़ता है, तो लिखावट पर इसका असर पड़ता है। पेंसिल या पेन को हल्के और संतुलित तरीके से पकड़ना चाहिए ताकि हाथ आसानी से चल सके। इसके साथ ही बैठने की मुद्रा भी सही होनी चाहिए। बच्चे को सीधा बैठकर, कॉपी को उचित दूरी पर रखकर लिखना चाहिए। जब बच्चा सही मुद्रा में लिखता है, तो उसके हाथ और आंखों का तालमेल बेहतर होता है। इससे अक्षर साफ और सुंदर बनते हैं और बच्चे को लिखने में थकान भी कम होती है।

खाना खजाना

दही-धनिया की चटनी

दही-धनिया की चटनी भारतीय रसोई की सबसे लोकप्रिय और स्वादिष्ट चटनियों में से एक मानी जाती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें दही की मलाईदार ताजगी और धनिया-पुदीने की हर्बल खुशबू एक साथ मिलकर खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। भारतीय घरों में चटनियां अलग-अलग तरीकों और सामग्रियों से बनाई जाती हैं, लेकिन हरी दही चटनी अपनी सादगी और लाजवाब स्वाद के कारण लगभग हर किसी की पसंद बन जाती है। धनिया और पुदीना जैसी हरी जड़ी-बूटियां न केवल भोजन को स्वादिष्ट बनाती हैं, बल्कि पाचन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती हैं। जब इन्हें ताजे दही के साथ मिलाकर चटनी बनाई जाती है, तो इसका स्वाद और भी संतुलित व हल्का हो जाता है। दही-धनिया की चटनी की सबसे बड़ी खूबी इसकी बहुमुखी उपयोगिता है। इसे आप मोमोज, तंदूरी पनीर टिक्का, आलू वेजेज, बिरयानी, डोसा, समोसा के साथ परोस सकते हैं। इतना ही नहीं, यह चटनी रोजमर्रा के खाने जैसे रोटी, सब्जी और चावल के साथ भी स्वाद को बढ़ाने का काम करती है। आइए आज आपको बताते हैं दही-धनिया की चटनी बनाने की विधि।

सामग्री

सामग्री

- धनिया- 100 ग्राम (मोटी डंडियां हटाकर)
- पोदीना - 50 ग्राम
- दही - 100 ग्राम
- नमक – 3/4 छोटी चम्मच
- हरी मिर्च- 2-3
- अदरक पेस्ट- आधा छोटी चम्मच
- हींग - 1 चुटकी
- भुना जीरा पाउडर- आधा छोटी चम्मच
- चम्मच नींबू का रस- 1 से 2 चम्मच

बनाने की विधि
दही धनिया की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले हरे धनिये की मोटी डंडियां हटाकर उसे अच्छी तरह धो लें और छलनी में रखकर अतिरिक्त पानी निकलने दें। इसी तरह पुदीने की पत्तियों को भी साफ पानी से धोकर छलनी में रख दें। हरी मिर्च के डंठल तोड़कर उन्हें भी धो लें। इसके बाद हरे धनिये को मोटा-मोटा काट लें और हरी मिर्च के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब मिक्सर जार में कटे हुए हरे धनिये, पुदीना और हरी मिर्च डालें। इसमें स्वादानुसार नमक, एक चुटकी हींग और ताजा दही भी मिला दें। जार का ढक्कन बंद करके मिश्रण को अच्छी तरह पीस लें, ताकि एक चिकनी और बारीक चटनी तैयार हो जाए। तैयार चटनी को मिक्सर से निकालकर एक साफ प्याले में रख लें। यह दही वाली हरी चटनी खाने के साथ तुरंत परोसी जा सकती है। चाहें तो इसे फ्रिज में रखकर लगभग 5-6 दिन तक आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अवैध कब्जे का विरोध फायरिंग का आरोप

भमौरा अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव क्योना शादीपुर निवासी फरजाना बेगम पत्नी अनीस अहमद ने बताया कि देवचरा मे उसका एक शोरूम है जिस पर कब्जा करते हुए उसके आगे एक दबंग ने खोखा रखवा दिया है। इसकी शिकायत पुलिस से की । दबंग ने शुक्रवार शाम 5 से 6 अज्ञात लोगों के साथ आकर बेटे को जान से मारने की धमकी दी। कई राउंड फायरिंग की और फरार हो गया। पुलिस को तहरीर दे कार्यवाही की मांग की।

11 बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई

आंवला, अमृत विचार : नगर के मौहल्ला अनुपूरा, सईदान, भुर्जी टोला, पक्का कटरा में मार्निंग रेड के दौरान विद्युत चोरी करते पकड़े गए । टीम ने वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए । उपखण्ड अधिकारी कामेश कुमार ने बताया कि 11 विद्युत उपभोक्ताओं को मॉर्निंग रेड के दौरान विद्युत चोरी करते पकड़ा गया । जिनके विरुद्ध कार्यवाही की गई हैं।

राहुल बने शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष

बिशारतगंज,अमृत विचार : डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में समिति द्वारा 14 अप्रैल को होने वाली शोभायात्रा के संबंध में हुई बैठक में राहुल सागर को इस वर्ष शोभा यात्रा समिति का अध्यक्ष चुना गया। कोषाध्यक्ष आकाश वाल्मीकि एवं महामंत्री भानु गौतम को चुना गया। बैठक में मुरारी लाल बाल्मीकि, बृजेश आजाद, नानकराम सागर, महेंद्र पाल, राजवीर सागर ,पुष्पेन्द्र सागर, रहे ।

भंडारे में उमड़े लोग

फरीदपुर, अमृत विचार : मोहल्ला परा साईं बाबा मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के समापन के बाद आचार्य द्वारा हवन पूजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में भागवत प्रेमियों ने भंडारे में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया।

लेखपालों ने किया ऐलान कल नहीं करेंगे काम

धरना-प्रदर्शन कर शाम को सरकारी व्हाट्सअप ग्रुप छोड़ा

संवाददाता, मीरगंज

तहसील में धरना-प्रदर्शन करते लेखपाल संघ के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले तहसील अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह तहसील मंत्री गिरंद सिंह सहित तमाम लेखपालों ने तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया। लेखपाल संघ का कहना है कि उनके साथी उमाशंकर राणा पर बिना जांच किए वारिसान प्रमाण पत्र जारी करने का एक अधिवक्ता द्वारा दबाव बनाया गया । तुरंत रिपोर्ट न लगाने पर अधिवक्ता और उनके साथियों द्वारा गाली गलौज और मारपीट की गई इसके संबंध में उमाशंकर राणा ने सीओ मीरगंज और थाना अध्यक्ष को अधिवक्ता के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

दूसरी ओर अधिवक्ता मोर सिंह ने भी आरोप लगाते हुए लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। शनिवार को लेखपालों ने संपूर्ण समाधान दिवस का भी बहिष्कार किया। इसके साथ ही उन्होंने साथी लेखपाल के प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई न होने के चलते शनिवार को सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप भी छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि वह सोमवार से सरकारी कार्य से विरत रहेंगे। उन्होंने एसडीएम मीरगंज से आग्रह किया है कि इस प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही करें। इस दौरान लेखपाल पुष्पेंद्र पटेल, कृष्ण कुमार, आदित्य कुमार, प्रतिमा आर्य, अभिषेक पटेल, प्रेमराज, धीरज गंगवार, हरीश गंगवार, यादराम, शैलेन्द्र कुमार, धममित्रा आदि उपस्थित रहे।

अधिकारों के प्रति जागरूक व एकजुट हो रहा लोधी समाज

लोधी समाज के होली मिलन समारोह में मंच पर मौजूद समाज के नेता।

मीरगंज, अमृत विचारः लोधी समाज की राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा का गठन किया गया है। समाज को संगठित होकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा। यह बात अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह राजपूत ने कही।

शाही के एक बैक्वट हाल में हुए होली मिलन समारोह में उन्होंने कहा कि समाज की महिलाओं को भी राजनीति में आगे आना चाहिए। पूर्व सांसद रामपुर घनश्याम सिंह लोधी ने समाज में शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर विशेष बल दिया। स्याना के विधायक देवेंद्र सिंह लोधी ने समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ख्याली राम ने की तथा मंच संचालन प्रदेश महामंत्री पूरनलाल लोधी ने किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रो. भक्ति सिंह ने समाज में शिक्षा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

पुत्र वधू पर जेवरात ले जाने के आरोप

बरेली, अमृत विचार : सुभाष नगर थाना क्षेत्र के पटेल विहार निवासी महेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को वह डयूटी से वापस लौटे तो देखा कि उनकी पुत्र बधू उनके लड़के के पेट पर बैठकर अपनी बहन की मदद से चेन से गला दबा रही थी। उसके माता पिता ने बचाव किया तो उसके पिता के हाथ पर काट लिया। पीड़ित के अनुसार विवाद शांत होने के बाद जब परिवार के लोग कमरे में चले गए तो उसकी पत्नी घर में रखा करीब 14 .5 तोला सोना और एक किलो चांदी लेकर अपने मायके जसरतपुर, तहसील बिसौली जिला बदायूं चली गई। सुभाषनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लश्करपुर ओईया में गौवंश आश्रय स्थल विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 17.03.2026 को पंचायत भवन पर दोपहर 12:00 बजे की जाएगी।

प्रधान सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत नंदगांव विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत नंदगांव में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है - प्रथम श्रेणी ईट, चटका ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना
1.	सोमपाल के खेत से शिव कुमार के खेत तक खड़ंजा कार्य	400000-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 15.03.2026 से दिनांक 17.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक 17.03.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान - श्री वीरेन्द्र कुमार गंगवार सचिव - श्री ओमेंद्र कुमार

कार्यालय ग्राम पंचायत मझौआ हेतराम, वि.खं. भुता, बरेली

पत्रांक : 132 लेखा/कु.नि.वर्ष/2025-26 दिनांक 12.03.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मझौआ हेतराम में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में निम्न कार्य होना है जिसके लिए प्रथम ईट, रोड़ा, सीमेंट, बजरफुट, बजरी, रेता आदि सामग्री आपूर्ति हेतु दिनांक 19.03.2026 तक निविदा आमंत्रण की जाती है। जिस फर्म का टेण्डर सबसे कम होगा ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा एवं समस्त निविदाएं उसी दिन 4 बजे खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1	नरेश के घर से रामचन्द्र फौजी के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	1.47 लाख
2	मस्जिद के पास से बुन्दन बेग के घर से जमाल बेग के घर तक सीसी नाली निर्माण कार्य।	2.67 लाख
3	बब्लू के घर से अली मोहम्मद के घर तक खडन्जा व सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य।	1.92 लाख
4	संतोष उपाध्याय के घर से रिंकू ड्राइवर के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य।	3.99 लाख

अनिल कुमार (सचिव) रूकसाना बेगम (प्रधान)

पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

● पीड़ित महिला ने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया

मऊचन्दपुर अमृत विचारः किशनपुर गांव की एक महिला ने अपनी पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। महिला ने शनिवार को एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

थाना क्षेत्र की ग्राम किशनपुर निवासी बाला देवी,ने बताया कि वह वर्तमान में मुरादाबाद में अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति सेना में कार्यरत थे। किशनपुर में उनके नाम पर पैतृक संपत्ति की खाली जमीन है। पति के अस्वस्थ होने के कारण वह लंबे समय से गांव नहीं आ सकी थीं। इसी का फायदा उठाकर पति के परिवार के कुछ सदस्यों ने उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया और नींव भी भर दी। जब उन्होंने कब्जा हटाने और नींव तोड़ने को कहा, तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला ने अपनी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। एसडीएम विदुषी सिंह ने शिकायती पत्र के आधार पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

नौकरी लगवाने के नाम पर 1.38 लाख रुपये ठगे

देवरनियां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत अमृता निवासी विपिन गंगवार ने बताया कि हेमंत गंगवार ने सचिवालय में नौकरी लगाने का झांसा देकर उससे अब तक एक लाख 38 हजार रुपए हड़प लिये। वर्ष 2022 से यह राशि समय समय पर आनलाइन दी गई थी।

हेमंत अपनी पहचान मंत्री से बताता था। उनके साथ अपनी फोटो भी दिखाता था। विपिन ने बताया कि कई साल बीतने के बाद काम नहीं होने पर अब जब वह अपने रुपये मांगता है तो हेमंत उन्हें देने से इंकार करने के साथ जान से मारने की धमकी दे रहा है। मामले की शिकायत एसएसपी से कर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की गई है।

बेटी पैदा होने पर महिला पर रॉड से किया हमला

संवाददाता, नवाबगंज

● परिजनों ने गला दबाकर हत्या की कोशिश का आरोप लगाया

अमृत विचारः बेटी को जन्म देने के बाद ससुरालियों द्वारा विवाहिता के साथ मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाकर पीड़िता की मां ने थाना नवाबगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मोहल्ला चाणक्यपुरी निवासी फूलवती ने बताया कि 11 माह पूर्व पुत्री दुर्गा की शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव सिमरा केशोपुर निवासी एक युवक के साथ की थी। 26 फरवरी को दुर्गा ने ऑपरेशन से एक बच्ची को जन्म दिया। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग बेटी पैदा होने को लेकर उसे घर में रखने से मना करने लगे। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि पति, सास और जेठ ने दुर्गा के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। 13 मार्च को जब फूलवती पुत्री से मिलने ससुराल पहुंची तो वहां उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। विरोध करने पर आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। दुर्गा अपनी मां को बचाने आई तो आरोपियों ने लोहे की रॉड से उसके पेट पर कई बार वार कर दिए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और ब्लीडिंग होने लगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत नागर झूना वि.खं. अम्बियापुर (बदायूं)

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत नागर झूना में वित्तीय वर्ष 2025-2026 में राज्य वित्त/केन्द्र वित्त/ मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजनान्तर्गत निम्नानुसार कार्य कराये जाने प्रस्तावित है-

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	प्राक्कलन धनराशि
1.	खेल मैदान के गेट से राकेश के घर तक सी.सी. एवं नाली निर्माण कार्य	ईट, रोड़ी, पत्थर, सीमेन्ट, बजरफुट आदि	6,53,000.00

उक्त कार्यो हेतु प्राक्कलन के अनुसार कार्यस्थल पर सामग्री की आवश्यकता है। अतः इच्छुक पंजीकृत आपूर्तिकर्ता फर्मो को सूचित किया जाता है कि प्रकाशन की तिथि से 14.03.2026 कार्यदिवस के अन्दर निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म तथा नियमों की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। निविदायें अन्तिम तिथि को सायं 4 बजे के समिति के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा को निरस्त या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार समिति को होगा।

सचिव-अशोक कुमार सिहं प्रधान-अशोक

रुविवि के छात्रों का कमाल पढ़ाई के साथ कर रहे कमाई

ऑनलाइन मशरूम सप्लाई कर कमाई करने वाले रुविवि के छात्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● प्रशिक्षण लेकर उगा रहे मशरूम ब्लिंकिट पर भी कर रहे सप्लाई

अमृत विचारः एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे स्वरोजगार के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के मार्गदर्शन में पादप विज्ञान और कृषि विभाग की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर से हुनर सीखकर छात्रों ने ओयस्टर मशरूम का व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। छात्रों के बनाए गए ''एक्सपीरियंशियल लर्निंग ग्रुप'' के माध्यम से यह छात्र समूह में मशरूम उगा रहे हैं और इसे स्थानीय बाजारों के साथ ऑनलाइन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट पर बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।

पादप विज्ञान विभाग के मशरूम विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार सिंघल ने बताया कि छात्रों को स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करने के लिए यह विशेष पहल है। बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र अभिषेक पटेल ने इस दिशा में मिसाल पेश की है। अभिषेक ने साथियों के साथ मात्र तीन हजार रुपये का शुरुआती निवेश किया और कुछ ही समय में सात हजार रुपये का मशरूम बेच चुके हैं। इसी तरह गौरव गोले, केशव कुमार, मुख्तियार और मोहित ने भी लगभग 3500 रुपये की लागत से मशरूम उगाई और उसे बेचकर अच्छी आय अर्जित की है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस तरह के प्रयासों से आने वाले समय में विवि एक प्रमुख स्वरोजगार उत्पादन केंद्र के रूप में उभरेगा।

त्रिदिवसीय शिविर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

मीरगंज, अमृत विचारः राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में रोवर एवं रेंजर्स का त्रिदिवसीय शिविर का शनिवार को समापन हुआ। इस दौरान हुई टेंट प्रतियोगिता में नेता जी सुभाष चंद्र टोली ने प्रथम, कल्पना चावला टोली ने द्वितीय तथा दुर्गावाहिनी टोली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ रोवर प्रतियोगिता में रवि ने प्रथम, अमित कुमार ने द्वितीय एवं प्रशांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रेंजर्स इकाई में निशा ने प्रथम, नीलम ने द्वितीय तथा महविश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्वयंसेवकों को प्राचार्य द्वारा दीक्षा देकर प्रवेश दक्षता प्रदान की गई। अंतिम चरण में ध्वज अवतरण कर राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. ममता रंजन, डॉ. एस.पी. सिंह, प्रो. विजय बहादुर बिष्ट, डॉ. रेखा रानी बंसल, डॉ. पारुल जैन, डॉ. नीलम राठौर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. विनय सिंह चौहान, डॉ. दीपांकर राव ,वीरेंद्र शर्मा आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

किडनी पर पड़ रहा प्रदूषण और मिलावट का असर

खुशहाली सभागार में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित डॉक्टर। ● अमृत विचार

● नकली दवा और मिलावटी भोजन बढ़ा रहा शरीर में टॉक्सिन

● खुशहाली सभागार में हुई चर्चा

बरेली, अमृत विचार : विश्व किडनी दिवस को लेकर खुशहाली सभागार में शनिवार को ''लोगों की देखभाल, पृथ्वी की सुरक्षा'' थीम पर विचार गोष्ठी हुई। जिसमें वक्ताओं ने पर्यावरण का शरीर पर किस तरह से प्रभाव पड़ता है, इसकी जानकारी देने के साथ स्वास्थ्य रहने के तरीके भी बताए।

डॉ. सौरभ गुप्ता ने बताया कि लगातार बढ़ता तापमान और 'हीट स्ट्रेस' शरीर में बार-बार डिहाइड्रेशन का कारण बन रहा है, जिससे किडनी के डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त प्रदूषित जल, प्रदूषित हवा, मिलावटी भोजन और नकली दवाइयां हमारे शरीर में टॉक्सिन्स की मात्रा को बढ़ा रही हैं। इन सभी टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने का कार्य किडनी को ही करना पड़ता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1966 / 142सी0(ई0टेण्डर)–3 / 25 दिनांक: 10.03.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 17.03.2026 से दिनांक 24.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 24.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय लालपुर से ग्रा0 रामपुर मजरा में स्थित नरेश मौर्या के मकान तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	136.95	10.27	147.22	9.37	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 248166 दिनांक: 13/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(रथिन सिन्हा) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

वृद्धाश्रम को टीवी किया भेंट, छाई खुशी

● इफ्को महिला क्लब ने बुजुर्गों को दीं जरूरत की चीजें

संवाददाता, आंवला

वृद्धाश्रम में टीवी भेंट करतीं इफ्को महिला क्लब की सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : लाल फाटक स्थित सेवा धाम वृद्धाश्रम में इफको सुबह महिला क्लब की ओर से बुजुर्गों के लिए सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष केतकी प्रधान अपने पदाधिकारियों के साथ वृद्धाश्रम पहुंचीं और वहां बुजुर्गों को को रोजमर्रा की जरूरतों की किट वितरित की, जिसमें तेल, टूथपेस्ट, कपड़े धोने का पाउडर, शैंपू, साबुन और ब्रश शामिल थे। इसके अलावा 50 मच्छरदानियां, महिलाओं के लिए दुपट्टे और पुरुषों के लिए सूती अंगोछे भी दिए गए।

मनोरंजन के उद्देश्य से क्लब की अध्यक्ष ने वृद्धाश्रम को उपहार स्वरूप एक एलईडी टीवी भी भेंट किया। टीवी पाकर बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर रुचि शर्मा, अंजली खेतान, ऊषा, शालिनी, मीनाक्षी सिंह, मंजरी मित्तल और स्मिता प्रकाश मौजूद रहीं। वहीं सेवा धाम के अधीक्षक एम.के. यादव, कान्ता गंगवार और रचना चौहान भी उपस्थित रहे। वृद्धाश्रम में वर्तमान में करीब 154 महिला और पुरुष बुजुर्गों को आश्रय मिला है।

खबरे www. amrit vichar. com पर भी पढ़े।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स जे०जी० भारगवी इण्डस्ट्री प्रा० लि० स्थित खसरा नं0 22 एवं 24 ग्राम पिपरिया राम दायाल, तहसील व जिला बरेली द्वारा एक अकृषक आराजी क्षेत्रफल 1.5662 हे0 स्थित, खसरा नं0 22 एवं 24 ग्राम पिपरिया राम दायाल, तहसील व जिला बरेली को बंधक रख व्यवसाय हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा श्याम गंज शाखा, बरेली में आवेदन किया है। उपरोक्त सम्पत्ति को बंधक रख व्यवसाय हेतु ऋण लेने के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों व साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में समान्य कार्य दिवस की समान्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुये कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

द्वारा शरद चन्द्र मिश्रा एडवोकेट कार्यालय 52 विक्रमादित्यपुरी एस0बी0आई0 ऑफिसर्स कॉलोनी, बरेली । मो0नं0 9837659421

कार्यालय नगर पंचायत बण्डा जनपद शाहजहाँपुर

पत्रांक : 363/न.पं.ब./न.ज.नि.यो./पेय./यो./न.पं.ब./ई-टेण्डर/2025-26 दिनांक : 13.03.2026

ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी के द्वारा नगरीय जल निकासी योजना/राज्य सेक्टर के ''पेयजल हेतु व्यवस्था'' योजना के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में कार्य की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए ई-निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है।

राज्य सेक्टर के ''पेयजल हेतु व्यवस्था'' योजना के अन्तर्गत कार्य

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी (ई.एम.डी.)	निविदा का मूल्य (18%GST सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1.	शाहजहाँपुर	जोन संख्या-1 में ट्यूबवेल व पाइप लाइन का कार्य	9997782.00	847269.00	11797.00	छः माह
2.	शाहजहाँपुर	जोन संख्या-2 में ट्यूबवेल व पाइप लाइन का कार्य	9977132.00	845519.00	11773.00	छः माह

2. वेबसाईट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 19.03.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 7.04.2026 को पूर्वा0 11:00 बजे तक।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 7.04.2026 को 11:30 बजे पूर्वान्ह से कार्य समाप्ति तक।
5. निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए तथा निविदा की शर्तो/नियमों आदि की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर लाग इन करें, तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

(अजय सिंह) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बण्डा शाहजहाँपुर

(मो. इसहाक) अध्यक्ष नगर पंचायत बण्डा शाहजहाँपुर

उस दा मुख इक जोत है,
घुंघट है संसार।
घुंघट में ओह छुप्प गया,
मुख पर आंचल डार।।

बुल्ले शाह कहते हैं, परमात्मा का मुख एक दिव्य ज्योति (रोशनी) के समान है, जबकि यह संसार एक घूंघट के समान है। भगवान ने इस संसार रूपी घूंघट को अपने मुख पर डाल लिया है, जिसके कारण वह छिपे हुए हैं और हमें दिखाई नहीं देते।

विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा ही हिंदुत्व

> वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिंदू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु-पक्षी और कीट-पतंगा भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां-औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है, लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है। वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मध्य पूर्व में युद्ध जारी है। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिंदू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु-पक्षी और कीट-पतंगा भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां-औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है, लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है। वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिंदुत्व है। कोई अंधविश्वास नहीं। कोई जबरदस्ती नहीं। असहमत के प्रति भी आदर भाव है। हिंदुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं।

डॉ. राधा कृष्णन ने कहा है, 'वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं, जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चंद्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है, परंतु यह सब बहुत दूर की संभावनाएं हैं; जबकि अधिक संभावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सब के आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यंत्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें, तो सबके जीवन को आनंदमय बनाया जा सकता है।'

हिंदुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है, लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिंदुत्व के अनेक चेहरे है। उग्र हिंदुत्व, मुलायम (सॉफ्ट) हिंदुत्व, सांप्रदायिक हिंदुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिंदुत्व पर आक्रामक हैं। अंग्रेजी भाषांतर में हिंदुत्व को हिंदुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिंदुइज्म भी हिंदूवाद का अर्थ देता है, लेकिन हिंदुत्व हिंदूवाद नहीं है।

हिंदुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है। दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है। हिंदू होना हिंदुता या हिंदुत्व है। कुछ विद्वान हिंदू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं, लेकिन यह सही नहीं है। हिंदू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ो वर्ष पुराना है। डेरियस (522-486 ईपू) के शिलालेख में भी हिंदू शब्द का उल्लेख है। हिंदू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का द्योतक है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

डॉ. राधा कृष्णन ने वाराणसी हिंदू विश्व विद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्व विद्यालय में हिंदू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे। उन्होंने 'धार्मिक आदर्शों' की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा, "भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है।" जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी। भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है।

डॉ. राधा कृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है, ''तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे। यह ठीक है, मुझे भली भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षों तक मुझे वस्तुओं के संबंध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव-समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है। ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था। क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?" औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है। युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है।

डॉ. राधा कृष्णन के अनुसार, 'तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सब कुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केंद्रीभूत प्रश्नो कें संबंध में बहुत कम जानता है।' भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है। आनंदमय जीवन की अभिलाषा है। इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता है। यह संहिता हिंदू धर्म है। इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधी जी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणा केंद्र हिंदुत्व है।

संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है। भारत में यह सेकुलरवाद के रास्ते हिंदू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है। अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है। अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है।

विज्ञान सत्य की खोज करता है। समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है। समाज इनका दुरूपयोग भी करता है। विश्व में पंथिक मजहबी मान्यताओं को लेकर तमाम युद्ध हुए हैं। हिंदू दर्शन भी सत्य का शोध करता है। दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है। इसका ध्येय मनुष्य का दुख दूर करना है। हिंदू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है। समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है। विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवश्यकता है। यह कार्य हिंदुत्व के रास्ते अधिक संभव है। हिंदुत्व लोकमंगल का पर्याय है।

भारत का जीवन ध्येय आनंद है। केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी। विवेकानंद ने कहा है, "सभी देशों के निचले स्तर के मनुष्य इन्द्रियों के आनंद में उत्साह दिखाते हैं, किंतु जो सच्चे अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत हैं, उनके आनंद का आधार विचार और कला होती है। दर्शन और विज्ञान होता है।" सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते हैं। इंद्रिय भोग का सुख निम्न तल है। ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है। कला का आनंद गहरा है, लेकिन अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है। उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरुआत में कहते हैं, "सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।"

बताते हैं, 'मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हो। स्वस्थ हो। धन संपदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। कोई अंध आस्था नहीं। भाववाद नहीं। आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

क्रीमी लेयर: आय के आधार पर वर्गीकरण उचित नहीं

भारत में आरक्षण व्यवस्था सामाजिक न्याय और समान अवसर की अवधारणा को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसका मूल लक्ष्य उन वर्गों को मुख्यधारा में लाना है, जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े रहे हैं। इसी व्यवस्था के अंतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए कि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे, क्रीमी लेयर की व्यवस्था बनाई गई है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी विषय से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि उनके पद और सामाजिक स्थिति को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

इसकी सुनवाई न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर माधवन की पीठ ने की। पीठ ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जो मद्रास, केरल और दिल्ली उच्च न्यायालयों के फैसलों के खिलाफ दायर की गई थीं। न्यायालय ने कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण करते समय केवल वेतन या आय को आधार बनाना उचित नहीं है। इसके साथ-साथ यह भी देखना जरूरी है कि माता-पिता किस पद पर कार्यरत हैं और उनकी सामाजिक स्थिति क्या है। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य केवल आय के आधार पर वर्गीकरण करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में सामाजिक व शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंचे।

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य केवल आय के आधार पर वर्गीकरण करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों तक पहुंचे।

इस मामले में एक महत्वपूर्ण विवाद वर्ष 1993 में जारी केंद्र सरकार के कार्यालय ज्ञापन और वर्ष 2004 में जारी स्पष्टीकरण पत्र को लेकर सामने आया। वर्ष 1993 के कार्यालय ज्ञापन में क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए आय के साथ-साथ माता-पिता के पद और सामाजिक स्थिति को भी महत्व दिया गया था। उस समय यह व्यवस्था बनाई गई थी कि श्रेणी-एक और कुछ श्रेणी-दो अफसरों के बच्चों को क्रीमी लेयर माना जाएगा, क्योंकि उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जाती है। अन्य मामलों में आय की एक सीमा तय की गई थी, जो उस समय ढाई लाख रुपये प्रतिवर्ष थी। बाद में इसे बढ़ाकर आठ लाख प्रतिवर्ष किया गया।

इसके विपरीत वर्ष 2004 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी स्पष्टीकरण में यह कहा गया कि विश्वविद्यालयों, बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रीमी लेयर का निर्धारण मुख्य रूप से आय सीमा के आधार पर किया जाएगा। इस व्याख्या के कारण कई ऐसे अभ्यर्थियों को क्रीमी लेयर में शामिल कर दिया गया, जिनके माता-पिता सरकारी सेवा में नहीं थे, लेकिन उनकी आय निर्धारित सीमा से अधिक थी। परिणामस्वरूप ऐसे कई अभ्यर्थी ओबीसी के गैर-क्रीमी लेयर वर्ग का लाभ लेने से वंचित हो गए। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि वर्ष 2004 का यह स्पष्टीकरण वर्ष 1993 के कार्यालय ज्ञापन की मूल भावना के विपरीत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आनंद के संग्रह का महीना है रमजान

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान का महीना 9वां महीना है, जबकि 10 महीने शव्वाल महीने में ईद का पर्व मनाया जाएगा। इस दृष्टि से 10वें महीने के स्वागत का महीना है रमजान। अंक के हिसाब से देखें तो 9 का अंक इकाई ही है और 10वां माह इकाई से दहाई में बदल जा रहा है। इसके सूक्ष्मभाव पर नजर डालें, तो व्यक्ति को समूह में जीने का संदेश भी दे रहा है रमजान का महीना। समूह में जीने के लिए स्नेह, प्रेम, दया की जरूरत होती है और जिसके पास यह है, उसका जीवन खुद-ब-खुद खुशी से भरा रहेगा। ईद के आने के पहले मन-मस्तिष्क में आनंद का सैलाब पैदा करने के पीछे पूरा विज्ञान शामिल है।

10वें माह में आने वाले ईद पर्व के लिए तन-मन को तैयार करने के लिए रमजान महीने के कुछ नियम बने, ताकि व्यक्ति अपने निजी जीवन में भी नियम के साथ रह सके। सहरी यानी सूरज निकलने के पहले फज्र की नमाज़ के पहले सो के उठना, मेडिकल साइंस के हिसाब से सेहत के लिए लाभप्रद है।

ताजा रिसर्च के अनुसार शरीर के हार्मोन्स आंतरिक सफाई का काम उसी समय करते हैं और उसके बाद सूरज डूबने के समय मगरिब की नमाज के समय अफ्तार (सूरज डूबने के पहले) का वक्त है। इस समय वातावरण में ऐसी तरंगें होती हैं, जिसमें किए गए भोजन से तन और मन स्वस्थ रहता है। विभिन्न धर्मावलंबी भी सूर्य डूबने के पहले भोजन कर लेते हैं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

रमजान महीने में रात को इशा के नमाज के बाद तरावीह की नमाज के दौरान कुरान पाक को सुना जाता है। कुरान पाक में तीस 'पारे', छोटी-बड़ी 114 'सूरतें' हैं। इस प्रकार धार्मिक पद्धति से एक माह कुरान को पढ़ या सुनकर शव्वाल महीने में आने वाले ईद के लिए पूरी तरह दुरुस्त होने का यह रिहर्सल का महीना है। ईद भी 'ऊद' शब्द से बना है, जिसका मतलब सुगंध है। जीवन को सुगंधित बनाने का रमज़ान का माह यह संदेश लेकर हर साल आता है कि इस्लाम धर्मावलंबी ऐसा कार्य करें, जिससे वह जहां रहें और जहां जाएं खुशबू बिखेर दें।

रमज़ान महीने में रोज़ा रखने का यह भी उद्देश्य है कि दिन भर बिना कुछ खाए-पीए रहने से शरीर को जो तकलीफ मिलती है, वह यह संदेश देता है कि जो लोग आर्थिक दृष्टि से मजबूर हैं, वे बिना खाए-पीए रहते हैं तो कितनी तकलीफ उन्हें मिलती होगी, इसलिए सिर्फ इस्लाम में ही नहीं, हर धर्मों में कहा गया है कि सक्षम व्यक्ति को चाहिए कि वह आसपास-पड़ोस के उन लोगों की जानकारी रखें तथा उनकी मदद करें जो अभावग्रस्त हैं। किसी अभावग्रस्त व्यक्ति की सहायता करने से सुकून मिलता है। प्रयास यही करना चाहिए कि अभावग्रस्त व्यक्ति को स्वावलंबी बनाने में मदद की जाए न कि उन्हें खैरात में कुछ पाने की आदत बन जाए। जकात या दान सही व्यक्ति को ही करने से पुण्य (सवाब) मिलता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

अमेरिकी अपना रहे 'ऑफ-ग्रिड' जीवनशैली

> अमेरिका में 'ऑफ-ग्रिड' जीवनशैली अपनाने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि होती जा रही है। 'ऑफ-ग्रिड' यानी भौतिक सुविधाओं को छोड़ना। दिलचस्प यह है कि इस रुझान को आरामदेह और आत्मनिर्भर जीवन की चाहत समझा जा रहा है न कि महज मजबूरी।

अमेरिका इन दिनों युद्ध को लेकर इतना आक्रमक है, उसके नागरिकों के बीच 'ऑफ-ग्रिड' जीवन शैली अपनाने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि होती जा रही है। 'ऑफ-ग्रिड' यानि सार्वजनिक उपयोगिताओं या भौतिक सुविधाओं को छोड़ना। दिलचस्प यह है कि इस रुझान को आरामदेह और आत्मनिर्भर जीवन की चाहत समझा जा रहा है, न कि महज मजबूरी। अनुमान है कि वर्ष 2035 तक अमेरिका में लगभग 12 प्रतिशत घर ऑफ-ग्रिड हो जाएंगे। रोचक तथ्य यह भी है कि ताजा प्रवृत्ति सिर्फ पर्यावरण प्रेमियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि मुख्यधारा में भी अब लोकप्रिय हो रही है। जमीनी जीवन शैली के इस क्रम में लोग सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और निजी जल स्रोतों (कुएं, वर्षा जल संचयन) का उपयोग करके बिजली और पानी की पब्लिक सप्लाई का त्याग कर रहे हैं। यही कवायद आत्मनिर्भरता और सुकून वाले जीवन का आधार बनती जा रही है।

ऐसी लाइफ स्टाइल को अपनाने के कारण भी हैं। अमरीका के कैलिफोर्निया, टेक्सास और लुइसियाना जैसे राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी बिजली कटौती के चलते तमाम ग्रिड से अलग हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक उपयोगिताओं की बढ़ती लागत भी एक प्रमुख वजह है। ऐसा भी नहीं है कि वहां लोग आधुनिक ऑफ-ग्रिड शैली अपना कर आदिम युग में जीने लगे हों। इससे अलग उनके पास उन्नत तकनीक जैसे लिथियम बैटरी, स्मार्ट होम सिस्टम आदि विकल्प हैं, जिससे उनकी जीवन शैली पहले से तनावमुक्त है।

अजय दयाल
हल्द्वानी

इसी कड़ी में यह भी समझना होगा कि ऊर्जा की बढ़ती दरों के कारण 2025 तक 19 प्रतिशत अमेरिकियों को बिजली की आपूर्ति बंद होने का सामना करना पड़ा, जिससे त्रस्त आकर उन्होंने विकल्प के तौर पर आत्मनिर्भरता का रास्ता पकड़ा। साफ शब्दों में समझें तो अमरीका में एक नई जीवन शैली आकार ले रही है, जहां लोग सरकारी या निजी ग्रिडों की निर्भरता से अलग होकर, निजी संसाधनों से मानसिक तकलीफ से दूर होकर स्वतंत्र जीना पसंद कर रहे हैं।

थोड़ा रिसर्च कीजिए तो प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रह कर सफल जीवन जीने वालों के और भी उदाहरण देशी-विदेशी लेखकों की पुस्तकों और इन पर बनी फिल्मों में मिल जाएंगे। ऐसी ही एक सच्ची कहानी जहाज दुर्घटना में फंसे रॉबिन्सन परिवार की है। 19वीं सदी की शुरुआत में पूर्वी इंडीज में आए एक भयंकर तूफान के कारण उनकी जहाज यात्रा एक ऐसे टापू पर अटकती है, जहां भौतिक कुछ था ही नहीं।

यहां दस वर्षों से अधिक समय गुजारने वाले परिवार को अनेक रोमांच और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पेड़ पर घर बनाने से लेकर नए-नए उपकरण और संरचनाएं बनाते सभी ने जीवन यापन किया। वास्तव में यह सच्ची घटना उनके आरामदेह और टिकाऊ जीवन बनाने के प्रयासों और अंततः सकुशल जिंदा रहने के जज्बे का उदाहरण बनी।

उदाहरण उन लोगों के लिए है, जो बिना बिजली अथवा गैस सिलेंडर के जीवन यापन करने की कल्पना मात्र से भयभीत हैं। रॉबिन्सन फैमिली की ऐतिहासिक जुगत विकासशील दुनिया में रह रहे आम लोगों के सामने नजीर है, जिनपर ताजा युद्ध का प्रभाव पड़ने जा रहा है। आग पर खाना पकाना, नदियों में नहाना है और एक साधारण बल्ब या लकड़ी की रोशनी भी विलासिता ही समझनी होगी, क्योंकि इस नये जीवन में लोग सार्वजनिक उपयोगिताओं से मुक्त होकर आरामदेह बल्कि आत्मसंतुष्ट जीवन शैली जी रहे हैं।

रॉबिन्सन फैमिली की तरह प्राकृतिक चिकित्सक मिस्टर हॉल और उनकी पत्नी एलिसिया ब्लिस हॉल का उदाहरण है, जो ऐसे इलाके में रहते हैं जहां बिजली की सुविधा बिल्कुल नहीं है। उनके दो केबिनों में बिजली पूरी तरह से सौर पैनलों से आती है। पानी के लिए नदी, जबकि खाना पकाने के लिए लकड़ी से जलने वाले चूल्हे हैं। वे धारा में एक जलविद्युत प्रणाली स्थापित कर रहे हैं जो सौर ऊर्जा में योगदान देगी।

ऐसे लोगों का ग्रिड से अलग रहकर जीवन यापन करना पहले से कहीं अधिक व्यावहारिक और आरामदेह हो गया है। लेखक रोसेन का अनुमान है कि अमेरिका में बिना बिजली-पानी के जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या में भी प्रति वर्ष लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

कैनेडी बने थे उपभोक्ता अधिकारों की पहली आवाज

15 मार्च यानी वो तारीख जब उपभोक्ता अधिकारों की मशाल जलाई गई, जिसकी नींव 1962 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने रखी थी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए पहली बार उपभोक्ता के अधिकारों को परिभाषित किया था। उन्होंने कहा था, "उपभोक्ता अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा समूह है, जो लगभग हर आर्थिक निर्णय को प्रभावित करता है, लेकिन फिर भी उसकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है।" इस दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की शुरुआत 15 मार्च 1983 से हुई थी।

वर्तमान परिदृश्य में बाजार का स्वरूप बिल्कुल बदल चुका है। उपभोक्ताओं के सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं।

संजीव मेहरोत्रा
रिटायर बैंककर्मी

इस बार की थीम 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' है, जो कहीं न कहीं आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत को दर्शाती है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत चार अधिकार दिए गए हैं, जिनमें सुरक्षा, सूचना, चयन और सुनवाई का अधिकार शामिल है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि दिए गए अधिकारों का क्या हम उपयोग कर पा रहे हैं, क्या हमें उनका लाभ मिल पा रहा है।

आज बाजार में विकल्पों की लंबी फेहरिस्त है। लुभावने विज्ञापन और सस्ते दामों में चीजें देने का दावा है। उपभोक्ता अब दुकानों तक सीमित नहीं है, वह उससे भी आगे निकल चुका है। वह ई-कामर्स की दुनिया में है, जिसके अपने फायदे और नुकसान हैं। यहां उपभोक्ता को लुभावने और गुमराह करने वाले तरीकों से अनचाही खरीदारी करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई उत्पादों का फेक रिव्यूज दिया जाता है। इंटरनेट पर तमाम ऐसे प्लेटफार्मस हैं, जो उत्पादों के रिव्यूज के नाम पर फेक यानी गलत जानकारी देकर गुमराह करते हैं।

भारत में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019' ने ई-कॉमर्स को अपने दायरे में लिया और यहां से उपभोक्ताओं को नई मजबूती दी, जिसके तहत गुमराह करने वाले विज्ञापनों के लिए हस्तियों व कंपनियों पर भारी जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है। लोगों को भी खरीदारी के समय बिल लेने, आईएसआई, एगमार्क जैसे मानकों सहित उत्पाद की एक्सपायरी तिथि जांचने की आदत डालनी होगी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नेपाल में बालेन शाह का चुना जाना महज इत्तेफाक नहीं

नेपाल में बालेन शाह के नेतृत्व में सत्तारूढ़ होने वाली नई सरकार के कामकाज के तौर-तरीकों की प्रतीक्षा में दुनिया के कई देश हैं, लेकिन नेपाल के पड़ोसी देशों को खास तौर पर इसकी प्रतीक्षा बेसब्री से है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मतदान के चुनाव की गिनती पूरी हो चुकी है, दोनों चुनाव प्रणाली में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 175 से अधिक सीटें हासिल हुई हैं। प्रत्यक्ष प्रणाली के चुनाव में 165 सीटों में से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को सर्वाधिक 125 सीटें हासिल हुई हैं, जो अब तक किसी भी पार्टी को मिली सीटों से कहीं ज्यादा है। अप्रत्यक्ष चुनाव प्रक्रिया में अभी कुछ आधिकारिक औपचारिकता बाकी है, जिस वजह से नेपाल में नई सरकार के सत्तारूढ़ होने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। इस बीच यह साफ है कि नई सरकार का गठन बालेन शाह के नेतृत्व में ही होगा।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

राजशाही के परंपरागत राजाओं के राजतिलक को छोड़ दें, तो दुनिया में इक्का-दुक्का उदाहरण ही मिलेंगे, जब किसी देश ने 35 वर्षीय एक नौजवान पर भरोसा जताते हुए सत्ता की चाभी सौंप दी हो। काठमांडू के नारा देवी में पैदा हुए, बालेन शाह का पैतृक गांव मधेश के महोत्तरी जिले में है। उनके पिता आयुर्वेदिक चिकित्सक हैं। बालेन शाह के रैप सांग में मुख्यतः नेपाल की पीड़ा और दुश्वारियों का दर्दनाक वर्णन होता था और यही कारण है कि वे नेपाल के युवाओं में रोल-मॉडल बन गए। युवाओं ने उन्हें 2023 में पहले काठमांडू का मेयर बनाया और अब नेपाल भर के इन्हीं युवाओं ने नेपाल की सत्ता सौंप दी। बालेन शाह के नेतृत्व में सत्तारूढ़ होने वाली इस सरकार में अपेक्षाकृत युवाओं की भरमार होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के आकलन में इस युवा सरकार को लेकर आशा और उम्मीद तो है, लेकिन कुछ भ्रांतियां और संशय भी है, जिस पर से पर्दा हटना बाकी है।

वाकई यह हैरत की बात है कि जिस आंदोलन में राजधानी काठमांडू तबाह हुआ हो, उसका इल्जाम युवाओं पर लगा हो और उन्हीं युवाओं में से कुछ राजनीति में आकर चुनाव लड़ रहे हों और जनता इन पर विश्वास जताते हुए सत्ता सौंपने का निर्णय ले रही हो, तो यह महज एक्सीडेंटल नहीं है। सोचिए नेपाल की जनता अपनी ही चुनी हुई सरकारों द्वारा कितना धोखा खाई होगी और कितनी बार ठगी गई होगी, तब ऐसा निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा होगा। बालेन शाह के नेतृत्व में बनने वाली नेपाल की अपेक्षाकृत युवा सरकार नेपाल के लोगों की अपेक्षानुरूप काम कर पाएगी, इसका रुझान सत्तारूढ़ होने के कुछ दिन बाद ही पता चल पाएगा।

बालेन शाह का प्रधानमंत्री चुना जाना मधेश क्षेत्र के लोगों के लिए गर्व की बात है, क्योंकि पहली बार ऐसा है कि नेपाल की सर्वोच्च सत्ता पर मधेश का कोई शख्स आसीन होने जा रहा है। इस क्षेत्र में पूर्व में नेपाली कांग्रेस का वर्चस्व रहा करता था। मधेश क्षेत्र के सांसद की बदौलत कोइराला परिवार के सदस्य स्व. वीपी कोइराला से लेकर गिरिजा प्रसाद कोइराला और सुशील कोइराला तक प्रधानमंत्री होते रहे हैं, लेकिन इस परिवार ने प्रधानमंत्री तो दूर मधेश से नेपाली कांग्रेस का सभापति तक के बारे में नहीं सोचा। इस बार काफी संभावना है कि प्रधानमंत्री के साथ नेपाली कांग्रेस के संसदीय दल का नेता भी मधेश से हो। हालांकि अंकगणित के हिसाब से नेपाली कांग्रेस दूसरे नंबर की पार्टी तो है, लेकिन प्रमुख विपक्षी के लायक नहीं है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के दो तिहाई से अधिक सदस्य युवा हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जो नई सरकार में गृह मंत्री हो सकते हैं, वे भी युवा हैं और संभावित प्रधानमंत्री बालेन शाह तो महज 35 वर्ष के ही हैं। सुडान गुरुंग, जिनकी पहचान जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में है, वे भी बमुश्किल 30 के ही होंगे। नेपाल में बदलाव का साक्षी बने नेपाल के युवा पॉवर की चर्चा अब पूरी दुनिया में है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ब्रीफ न्यूज

नक्सल टेरर वैंक्विश्ड पुस्तक का अनावरण

नई दिल्ली। लेखक, राजनीतिक टिप्पणीकार और नीति विश्लेषक तुहिन ए सिन्हा की आगामी पुस्तक नक्सल टेरर वैंक्विश्ड का शनिवार को यहां अनावरण किया गया। पुस्तक में इस बात का विस्तृत विवरण है कि कैसे भारत ने अपनी सबसे लंबी आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में से एक, ''दशकों पुराने माओवादी उग्रवाद'' को समाप्त किया है। यह पुस्तक 1967 में नक्सलबाड़ी में हुए वैचारिक विद्रोह से लेकर मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में फैले रेड कॉरिडोर के उग्रवादी नेटवर्क के निरंतर पतन तक वामपंथी उग्रवाद के पूरे सफर का विवरण देती है। राजनीतिक घटनाक्रमों, सुरक्षा अभियानों और प्रभावित क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर हुए बदलावों के आधार पर पुस्तक यह दस्तावेजीकरण करती है कि कैसे समन्वित शासन, विकास और सुरक्षा पहलों ने उग्रवाद का परिदृश्य बदल दिया।

मणिपुर में बम विस्फोट में एक बच्चे की मौत

इंफाल। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार को हुए बम विस्फोट में चार वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई और उसका पिता घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना खौपुम के ताओलिंगपुंग गांव में उस समय हुई जब बच्चे का पिता अपने घर के बाहर झाड़ियां हटाने का काम कर रहा था। उस दौरान बच्चा भी उसके साथ था। झाड़ियां हटाने के दौरान वहां छिपाकर रखा गया बम फट गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में बच्चे की मौत हो गई और 40 वर्षीय उसका पिता घायल हो गया, जिसे इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और बम के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

कांगड़ा में सामूहिक नकल, शिक्षक निलंबित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शनिवार को बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सामूहिक नकल के सबूत मिलने के बाद कांगड़ा जिले में एक केंद्र अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है और पूरे परीक्षा केंद्र को तुरंत स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है। कांगड़ा जिले के जवाली में पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का पता चलने के बाद की गई है, जिसमें परीक्षा भवन के अंदर एक शिक्षक द्वारा छात्रों को मौखिक रूप से उत्तर बताने का वीडियो सबूत भी शामिल है। बोर्ड के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह फैसला जवाली केंद्र से जुड़ीं विभिन्न शिकायतों और वीडियो सबूतों के आधार पर लिया गया है।

एलपीजी की कमी से भोजनालयों का काम प्रभावित, कोयला उछला

दिल्ली के भोजनालयों का मेन्यू हुआ छोटा, बड़ी बुकिंग स्थगित

- पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष बढ़ने के बाद गहराए एलपीजी संकट का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

रसोई गैस सिलेंडरों की कमी के कारण भोजनालयों ने अपने मेन्यू में कटौती की है, खाने की चीजों की कीमतें बढ़ा दी हैं और कई रेस्तरां अब इस संकट से निपटने के लिए कोयले का सहारा ले रहे हैं। इस बीच, खाड़ी देशों से एलपीजी सिलेंडर लेकर आ रहे दो भारतीय जहाज शनिवार तड़के होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गए।

जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि एलपीजी वाहक जहाज शिवालिक और नंदा देवी अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर रवाना हो रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को प्रभावित किया है क्योंकि ईरान और ओमान के बीच स्थित एक संकरा जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है।

राजधानी के रेस्तराओं में अब बड़े कॉरपोरेट समारोहों और सामूहिक पार्टियों का आयोजन कम हो गया है। इतना ही नहीं एलपीजी आपूर्ति संकट के कारण रेस्तरां अपने मेन्यू और बुकिंग में कटौती भी कर रहे हैं। कनॉट प्लेस के रेस्तरां मालिकों का कहना है कि बड़े समारोहों के लिए खाना बनाने में काफी गैस की खपत होती है, जिसकी वजह से कई प्रतिष्ठानों ने अस्थायी रूप से बड़ी पार्टियों की बुकिंग रोक दी है और नियमित ग्राहकों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

फ्लेवर्स ऑफ चाइना नाम के रेस्तरां की मालिक परमजीत कौर ने बताया कि एलपीजी की खपत को नियंत्रित करने के लिए रेस्तरां ने कुछ व्यंजनों में कटौती की है और सामूहिक बुकिंग सीमित कर दी है। उन्होंने कहा, हमें स्थिति से निपटने के लिए कुछ बदलाव करने पड़े हैं। हम फिलहाल सिजलर नहीं परोस रहे हैं क्योंकि इसके लिए लगातार और तेज आंच की आवश्यकता होती है। हमने अपने मेन्यू में भी कटौती की है।

मध्य प्रदेश में कामर्शियल एलपीजी बहाली का आग्रह

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को मध्यप्रदेश प्रशासन से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की सीमित आपूर्ति को तत्काल बहाल करने का आग्रह किया ताकि भोपाल में होटल और खाद्य सेवा क्षेत्र को पूरी तरह से बंद होने से रोका जा सके। व्यापारियों के संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर कुछ दिनों के भीतर आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो राजधानी में पूरा आतिथ्य और खाद्य सेवा क्षेत्र बंद हो सकता है।

पश्चिम बंगाल के कई जिलों में लंबी कतारें

पश्चिम बंगाल के कोलकाता और कई जिलों में एलपीजी वितरण केंद्रों पर शनिवार को लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, एलपीजी सिलेंडरों की कथित जमाखोरी और हेराफेरी को रोकने के लिए अधिकारियों ने राज्य भर में निरीक्षण तेज कर दिया है। कमारहाटी नगरपालिका के पार्षद बिमल साहा को कतार में खड़े लोगों को गोबर के उपले वितरित करते देखा गया। उन्होंने इसे सिलेंडरों की कमी के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन बताया। एलपीजी आपूर्ति व्यवधान ने कोलकाता में अस्पतालों की रसोई को प्रभावित किया है।

ड्यूटी के दौरान कुर्ता और पजामा ही पहनेंगे एसजीपीसी के कर्मचारी

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने शनिवार को एसजीपीसी के सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे ड्यूटी के दौरान पारंपरिक सिख पहनावे के अनुसार कुर्ता-पजामा पहनना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गुरु घरों (गुरुद्वारों) में सेवा निभाने वाले हर सेवादार और कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वे अपने पहनावे और व्यवहार के माध्यम से सिख परंपराओं की मर्यादा को मजबूत करें।

गुरुद्वारा श्री मंजी साहब दीवान हॉल में संवत नानकशाही 558 के आगमन के संबंध में रखे गए श्री अखंड पाठ साहब के भोग के बाद अपने संबोधन में एडवोकेट धामी ने कहा कि सिख कौम की परंपराएं बहुत शानदार हैं और यह हमारी पहचान का अहम हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि गुरुद्वारों का प्रबंधन संगत के सहयोग से चलता है, इसलिए सेवादारों और अधिकारियों को सादगी भरा और पारंपरिक पहनावा अपनाना चाहिए। इससे सिख सिद्धांतों की झलक मिलती है। उन्होंने कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिया कि हर रोज ड्यूटी की शुरुआत सामूहिक रूप से ''मूल मंत्र'' और ''वाहेगुरु गुरमंतर'' के जाप के साथ की जाये।

टीवीके में अकेले चुनाव लड़ने या राजग का हिस्सा बनने को मंथन जारी

चेन्नई, एजेंसी

- तालमेल करके शानदार जीत सुनिश्चित करने पर हो रहा विचार

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के वरिष्ठ नेता सीटीआर निर्मल कुमार ने शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया। हालांकि, पार्टी से जुड़े कई सूत्रों ने बताया कि महासचिव एन. आनंद के नेतृत्व में अंदरुनी चर्चाएं चल रही हैं कि ''विजय की लोकप्रियता और अनुभवी दलों की ताकत'' को एक साथ लाकर चुनावी तालमेल और शानदार जीत सुनिश्चत करने पर विचार किया जा रहा है।

चर्चा के विषयों में से एक यह भी है कि क्या टीवीके, अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के साथ हाथ मिलाकर, पड़ोसी आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण के नेतृत्व वाले जनसेना-तेदेपा सरकार मॉडल को तमिलनाडु में दोहरा सकता है। पार्टी के कुछ वर्ग अकेले चुनाव लड़ने, एमजीआर की विरासत को आगे बढ़ाने और उन्हीं की तरह विजेता बनकर उभरने के लिए पुरजोर वकालत कर रहे हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन से पूछा गया कि क्या टीवीके के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया, जिससे सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार और गर्म हो गया। नैनार ने न तो इनकार किया और न ही सहमति जताई।

गठबंधन अफवाह

टीवीके के संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने राजग के साथ गठबंधन की बातचीत की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि 13 मार्च को पार्टी के जिला सचिवों के साथ हुई डिजिटल बैठक गठबंधन की ताकत और संभावनाओं का आकलन करने के लिए थी। निर्मल कुमार ने बताया, राजग के साथ गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। हम पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भाजपा हमारी वैचारिक शत्रु है। उन्होंने यह जानना चाहा कि अगर अफवाह सच है, तो क्या राजग के घटक दल अन्नाद्रमुक और भाजपा विजय को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में स्वीकार करेंगे? कुमार ने चुनावी गठबंधन की संभावना से संबंधित खबरों को मीडिया की अटकलें बताकर खारिज कर दिया।

हिल प्रॉपर्टीज़ के निदेशकों से जुड़े धोखाधड़ी मामले में समन

मुंबई, एजेंसी

- 32 साल पुराना है कॉर्पोरेट धोखाधड़ी का यह मामला

मुंबई की एक अदालत ने हिल प्रॉपर्टीज़ लिमिटेडके सात पदाधिकारियों के खिलाफ समन जारी किया है। यह समन मेटाऑक्साइड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर जारी किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दशकों से चली आ रही एक साज़िश के तहत हिल प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड के अल्पसंख्यक शेयरधारकों को करोड़ों रुपये के संपत्ति सौदे से संबंधित उनके कानूनी ''प्री-एम्पशन'' (अग्रक्रय) अधिकारों से वंचित किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की ओर जारी इस समन का जवाब 17 मार्च को देना है। शिकायत में ब्रीच कैंडी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक एवं हिल प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड के निदेश डॉ. रोहित बर्मन, उनके साथ सात अन्य निदेशकों और अक्ज़ो नोबेल इंडिया लिमिटेड (जो आईसीआई इंडिया लिमिटेड की उत्तराधिकारी कंपनी है) का नाम शामिल है। इन पर आपराधिक साज़िश, आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी सहित कई कथित अपराधों में शामिल होने का आरोप है। न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) पीएस धोडकेe के समक्ष केस संख्या एसडब्ल्यू/134/2025 के रूप में दर्ज इस शिकायत में ''भारतीय न्याय संहिता, 2023'' के तहत विभिन्न उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है, जिनमें आपराधिक साज़िश (धारा 61), आपराधिक विश्वासघात (धारा 316), और धोखाधड़ी (धारा 318 और 319) शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, यह कथित साज़िश 32 साल से ज़्यादा समय तक चली है, यानी 1993 से 2025 तक और इसमें ज़रूरी दस्तावेज़ों को छिपाना, धोखाधड़ी वाले समझौते करना और शेयरधारकों के अधिकारों में जान-बूझकर रुकावट डालना शामिल है। मेटाऑक्साइड प्राइवेट लिमिटेड, जिसके पास हिल प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड में 4.55 प्रतिशत शेयर हैं, का आरोप है कि हिल पार्क, मालाबार हिल में फ्लैट संख्या 39 से जुड़े एक सम्पत्ति के सौदे में उसे उसका ''प्री-एम्पशन'' (खरीदने का पहला अधिकार) गैर-कानूनी तरीके से नहीं दिया गया।

रोजा खोलने जा रहे युवकों पर हमला पांच लोग घायल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में रोजा खोलने की तैयारी कर रहे मुस्लिम युवकों के एक समूह पर भीड़ ने कथित रूप से हमला कर दिया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी और बताया कि मामले में एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे असकरवाडी इलाके में एक तालाब के पास हुई।

शिकायतकर्ता फिरोज जावेद (25) और उसके 10 मित्र रोजा खोलने की तैयारी कर रहे थे, तभी करीब 100 लोग मोटरसाइकिलों पर वहां पहुंचे और उनसे पूछताछ करने लगे। इन लोगों ने युवकों से पूछा कि क्या यह स्थान उनका है। इसके साथ ही उन्होंने युवकों से टोपी उतारने को कहा और यह भी पूछा कि वे एक खास तरह के कपड़े पहनकर वहां क्यों आए हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले की जांच करेगी एसआईटी

जम्मू, एजेंसी

- जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के डीआईजी करेंगे एसआईटी का नेतृत्व

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला पर यहां हाल में एक शादी समारोह के दौरान हुए जानलेवा हमले की जांच के लिए सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता के मद्देनजर जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का आदेश दिया। बुधवार रात जब अब्दुल्ला ग्रेटर कैलाश इलाके में स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित शादी समारोह से निकल रहे थे, तब आरोपी ने कथित तौर पर पीछे से उन पर बेहद करीब से गोली चलाई, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। आरोपी कमल सिंह (63) को मौके पर ही काबू कर गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से अपराध में इस्तेमाल की गई रिवॉल्वर बरामद की गई।

पुलिस महानिरीक्षक ने 12 मार्च को जारी अपने आदेश में कहा कि 11 मार्च को रात करीब 10 बजे, जब सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति (फारूक अब्दुल्ला) शादी समारोह स्थल से निकल रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने रिवाल्वर दिखाकर करीब से गोली चलाने की कोशिश की। हालांकि, उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण यह प्रयास विफल हो गया।

विदेशी नंबर से धमकी मामले में हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला को विदेशी नंबर से मिली जान से मारने की धमकी के मामले में पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत को बताया कि जिस नंबर से व्हॉट्सएप कॉल के माध्यम से धमकी दी गयी थी, वह विदेशी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि शिकायत मिलने के बाद मामले में जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है।

ब्रांडेड की आड़ में नकली कपड़े खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

भीलवाड़ा, एजेंसी

- पुलिस ने फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में कपड़ा जब्त किया
- मशहूर क्लॉथ ब्रांड रेमंड के नाम से तैयार किए जा रहे थे कपड़े

राजस्थान में टेक्सटाइल सिटी भीलवाड़ा के प्रताप नगर थाना में क्षेत्र में ब्रांडेड कपड़ों की आड़ में नकली माल खपाने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रीको क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री पर छापा मारकर नामी ब्रांड ''रेमंड'' के नाम से तैयार किया जा रहा भारी मात्रा में नकली सेलवेज कपड़ा बरामद किया है।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि रीको थर्ड फेज स्थित ''लबाना शूटिंग फैक्ट्री'' में प्रतिष्ठित ब्रांड की नकल करके अवैध कारोबार किया जा रहा है।

रेमंड कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों, सलीम खान और संदीप परब ने जब इस फर्जीवाड़े की पुख्ता जानकारी पुलिस को दी, तो वृत्त अधिकारी सज्जन सिंह के नेतृत्व में पुलिस जाब्ते ने फैक्ट्री की घेराबंदी करके दबिश दी। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री के अंदर से पुलिस ने पांच हजार मीटर से अधिक नकली सेलवेज कपड़ा जब्त किया है। कपड़े की किनारी (सेलवेज) पर अवैध रूप से ''रेमंड'' ब्रांड की ब्रांडिंग की जा रही थी। पुलिस अब फैक्ट्री के रिकॉर्ड खंगाल कर पता लगा रही है कि यह नकली माल किन-किन शहरों और व्यापारियों को आपूर्ति किया जा चुका है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह न केवल कॉपीराइट का उल्लंघन है, बल्कि ब्रांडेड गुणवत्ता के नाम पर आम उपभोक्ताओं के साथ बड़ी धोखाधड़ी है। फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और इस गिरोह के अन्य गुर्गों की तलाश की जा रही है।

चीन में वसंत मेला...

चीन के बीजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित इस वर्ष के वसंत मेले में 4000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें अधिकतर चीनी नागरिक थे।

कांग्रेस ने असम के लिए 23 और उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली, एजेंसी

- विधानसभा चुनाव : 15 सीट सहयोगी दलों की लिए छोड़ीं

कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 23 उम्मीदवारों को दूसरी सूची जारी की, जिसमें पूर्व सांसद अब्दुल खालिक समेत प्रदेश इकाई के कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही पार्टी ने 15 सीट सहयोगी दलों के लिए छोड़ने का निर्णय लिया।

पार्टी ने गत तीन मार्च को 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई का नाम भी शामिल था, जिन्हें जोरहाट से टिकट दिया गया है। पार्टी अब तक कुल 65 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। दो सूची विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने से पहले जारी की गई हैं। पार्टी की ओर से घोषित उम्मीदवारों की दूसरी सूची के अनुसार, पूर्व सांसद खालिक को मंडिया विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। शांतनु बोरा को न्यू गुवाहाटी, नूरुल इस्लाम को श्रीजनगराम, डेविड फूकन को तिनसुकिया और बिपुल गोगोई को टिंगखोंग से टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने जो सीट सहयोगी दलों के लिए छोड़ी हैं उनमें प्लासबारी, गुवाहाटी सेंट्रल, मोरीगांव, गोरेश्वर और ब्रह्मपुर जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

आईएसआई समर्थित तस्करी मॉड्यूल से जुड़े दो गिरफ्तार

अमृतसर, एजेंसी

- पुलिस ने एके 47 राइफल समेत कई हथियार बरामद किए

पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने आईएसआई प्रायोजित आतंक और सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन, 36 कारतूस और तीन अन्य अत्याधुनिक हथियार बरामद किये गये हैं।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को यहां बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के अटारी स्थित न्यू आबादी निवासी गुरसेवक सिंह उर्फ सूरज और अमृतसर के छेहर्टा स्थित सुभाष रोड निवासी अमरजीत सिंह उर्फ रोहित के रूप में हुई है। एके-47 राइफल के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से तीन अत्याधुनिक 9एमएम ग्लॉक पिस्तौल भी बरामद की हैं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि यह मॉड्यूल युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत-विरोधी और पुलिस-विरोधी दुष्प्रचार फैलाने में भी शामिल था। उन्होंने कहा कि इस मामले में पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे और पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिए गहन जांच जारी है।

अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुहैल कासिम मीर ने बताया कि एक गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई।

विचार-विमर्श | अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की राय अलग-अलग

मासिक धर्म अवकाश संबंधी याचिका ठुकराए जाने पर एकराय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने मासिक धर्म से जुड़ी याचिका सुनने से किया था मना

देशभर में मासिक धर्म अवकाश की नीति लाने के अनुरोध से संबंधित याचिका पर सुनवाई से उच्चतम न्यायालय के इनकार के बाद वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग राय व्यक्त की है। कुछ लोगों ने स्वैच्छिक प्रावधानों का समर्थन किया, जबकि कई ने महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की सुरक्षा के लिए मजबूत कानूनी प्रावधानों पर जोर दिया।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में महिलाओं को नौकरी देना मुश्किल हो सकता है और इस तरह का प्रावधान अनजाने में लैंगिक रूढ़ियों को और मजबूत कर सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी ने कहा कि सीमित प्रावधान, जैसे एक दिन का सवेतन मासिक धर्म अवकाश, एक व्यावहारिक शुरुआत हो सकती है। उन्होंने कहा, मासिक धर्म के दर्द की स्थिति सामान्य ऐंठन से लेकर एंडोमेट्रियोसिस जैसी गंभीर समस्या तक हो सकती है। यह समस्या महिलाओं को पढ़ाई और नौकरी दोनों स्थितियों में प्रभावित करती है। इसलिए महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नीतियां बनाई जानी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना ने इस चिंता की आलोचना की कि मासिक धर्म अवकाश से महिलाओं के रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं। भयाना ने कहा कि इस तरह की सोच बहुत ही गलत है। महिलाएं पहले से ही गर्भावस्था और बच्चों की देखभाल जैसी जैविक वास्तविकताओं से गुजरती हैं। अगर इन्हीं कारणों से उन्हें अवसरों से वंचित किया जाता है, तो सरकार को कंपनियों को निर्देश देना चाहिए कि वे महिलाओं के रोजगार के अवसरों में बाधा न डालें।" भयाना ने कहा कि कई महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान तेज दर्द होता है और उन्हें छुट्टी लेने का विकल्प दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कई महिलाएं ऐसी होती हैं जिन्हें इस दौरान गंभीर दर्द होता है और वे काम पर ध्यान नहीं लगा पातीं। भले ही वे कार्यालय पहुंच जाएं, उस दिन उनकी कामकाजी क्षमता बहुत कम रहती है। इसलिए स्वैच्छिक अवकाश लेने का विकल्प जरूर दिया जाना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता रंजना कुमारी ने कहा कि यह मुद्दा मुख्य रूप से राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा, यह विषय राज्यों के दायरे में आता है। शायद यही कारण है कि उच्चतम न्यायालय औद्योगिक नीति जैसे मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार नहीं है।

हर राज्य को इस संबंध में कानून बनाना चाहिए या कार्यकारी आदेश जारी करना चाहिए, ताकि मासिक धर्म के दौरान अस्वस्थ रहने वाली महिलाओं को छुट्टी मिल सके। यह महिलाओं के जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है। कुमारी ने कहा कि मासिक धर्म अवकाश उपलब्ध होना चाहिए, लेकिन इसे हर महिला के लिए अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए।मैं मासिक धर्म अवकाश के पक्ष में हूं, लेकिन यह स्वैच्छिक होना चाहिए। यह नहीं कहा जा सकता कि हर महिला को हर महीने तीन दिन की छुट्टी लेनी ही होगी।

मासिक धर्म को न बनाएं सार्वजनिक मुद्दा

अधिवक्ता सुनीता शर्मा ने उच्चतम न्यायालय की चिंताओं का समर्थन करते हुए कहा कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश से अनजाने में महिलाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह बात सही है, क्योंकि महिलाओं को यह क्यों दिखाना चाहिए कि हम पुरुषों की तुलना में कमजोर हैं और हम उन तीन-चार दिनों को संभाल नहीं सकतीं? सुनीता ने कहा कि मासिक धर्म एक व्यक्तिगत मामला है और इसे कार्यस्थल का सार्वजनिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परिदृश्य में यह आपके शरीर से जुड़ा बहुत ही व्यक्तिगत विषय है। पूरी दुनिया को यह क्यों पता होना चाहिए कि आप मासिक धर्म से गुजर रही हैं और इसी वजह से आप कार्यालय नहीं आ सकतीं?

जायडस की दवा को चीन के एनएमपीए से मिली मंजूरी

नयी दिल्ली। दवा कंपनी जायडस लाइफसाइंसेज ने शनिवार को कहा कि उसकी नवोन्मेषी दवा 'डेसिडुस्टैट' को चीन के राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पाद प्रशासन (एनएमपीए) से विपणन की मंजूरी मिल गई है। इस दवा का उपयोग गुर्दे की बीमारी से संबंधित खून की कमी के इलाज में किया जाता है। कंपनी ने अपनी डेसिडुस्टैट टैबलेट के लिए चाइना मेडिकल सिस्टम होल्डिंग्स लिमिटेड (सीएमएस) की एक सहायक कंपनी को लाइसेंस दिया है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 15 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन –तुलसी 2490, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2510, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13kg 2210, जय जवान 2110, सचिन 2220, सूरज 2110, अवसर 2015, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2055, क्लासिक (kg) 2365, मोर 2315, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2445

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल – (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी– पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम – सोना–पक्के आभूषण 159000, सोना गिन्नी 155000, चांदी पक्की 2620 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

नोटबंदी में नोट जमा नहीं किये, अब एक्सिस बैंक देगा 3.19 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने एक्सिस बैंक को दिल्ली स्थित प्रोकेयर लॉजिस्टिक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को 3.19 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। आयोग ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी ठहराया क्योंकि उसने 2016 के नोटबंदी के दौरान नोटों को जमा करने से मना किया था। आयोग ने कंपनी की बैंक के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई की। आयोग में पीठासीन सदस्य एवीएम जे. राजेंद्र और न्यायिक सदस्य अनूप कुमार मेंदीरत्ता शामिल थे।

आयोग ने 10 मार्च के आदेश में कहा कि बैंक ने बार–बार अनुरोध के बावजूद शिकायतकर्ता को अपने केवाईसी सत्यापित खाते में नोट जमा करने से रोक दिया और यह समस्या नोटबंदी की पूरी अवधि तक बनी रही। आयोग ने कहा कि बैंक के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं था कि वह ग्राहक के पैसे जमा करने से सीधे मना कर दे।

29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुई कॉमर्शियल एलपीजी की बिक्री

रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने को छापेमारी, उत्तर प्रदेश में दर्ज हुईं 20 एफआईआर

नयी दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है। साथ ही, रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी और औचक निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद घबराहट में बुकिंग लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और घरेलू रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि किसी भी खुदरा बिक्री केंद्र से भंडार खत्म होने की खबर नहीं है। हम घरेलू स्तर पर अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पेट्रोल-डीजल का उत्पादन करते हैं और हमें आयात की आवश्यकता नहीं है। अधिकारी ने बताया कि खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बावजूद सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो खाड़ी देशों से ऊर्जा के परिवहन का सामान्य मार्ग है। अधिकारी ने बुकिंग नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में पिछली डिलीवरी और अगली बुकिंग के बीच न्यूनतम 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन में 31 प्रतिशत की वृद्धि की है। कालाबाजारी रोकने को उत्तर प्रदेश में 1,400 स्थानों पर छापेमारी कर 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं। महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी औचक निरीक्षण किए गए हैं।

55 से बढ़कर 88 लाख हो गयी दैनिक बुकिंग

अधिकारी ने बताया कि युद्ध शुरू होने से पहले एलपीजी सिलेंडर की दैनिक बुकिंग लगभग 55 लाख थी। शुक्रवार को यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 75 लाख था और आज बढ़कर 88 लाख तक पहुंच गया। उन्होंने उपभोक्ताओं से केवल आवश्यकता होने पर ही सिलेंडर बुक करने का आग्रह किया।

पीएनजी कनेक्शन देगी गेल

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल ने शहरी गैस परिचालकों से वाणिज्यिक ग्राहकों को पीएनजी कनेक्शन देने को कहा है। इसके अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में उद्योगों और होटलों को एक महीने तक वैकल्पिक ईंधन के रूप में बायोमास के उपयोग की अनुमति दी है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बनी रहेगी: एलआईओसी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में लंका इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (एलआईओसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी। यह बयान श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिथा हेरथ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए किए गए अनुरोध के बाद आया। हेरथ ने इस विषय पर छह मार्च को भारत दौरे के दौरान जयशंकर से चर्चा की थी। शनिवार को यहां प्रबंधन छात्रों की एक सभा को संबोधित करते हुए एलआईओसी के प्रबंध निदेशक के रघु ने कहा कि लंका आईओसी के प्रबंध निदेशक के रूप में मैं केवल लोगों को यह बताना चाहता हूं कि आप सभी सुरक्षित हाथों में हैं।

महंगी हुई हवाई यात्रा कंपनियों ने लगाया 'फ्यूल सरचार्ज'

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के एक के बाद एक एअर लाइनें अब किराया बढ़ा रही हैं। इससे आपकी हवाई यात्रा महंगी हो रही है। एअर इंडिया के बाद अब इंडिगो और अकासा एयर ने भी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स पर 'फ्यूल सरचार्ज' लगाने की घोषणा की है।

इंडिगो एयरलाइन ने बताया कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी जंग के कारण जेट फ्यूल की कीमतें 85% तक बढ़ गई हैं। इस कारण घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स की टिकटों पर 425 से 2300 तक सरचार्ज लगाया जाएगा। टिकटों की नई कीमतें 14 मार्च रात 12 बजे से लागू हो गई हैं।

बता दें कि एअर इंडिया 12 मार्च से घरेलू फ्लाइट टिकटों पर 399 रुपए का फ्यूल सरचार्ज लगा रही है। वहीं, इंटरनेशनल फ्लाइट्स के किराए में करीब 15% की वृद्धिकी है। जेट फ्यूल के दाम लगातार बढ़ने से दुनियाभर की प्रमुख एयरलाइंस ने भी टिकटों के दाम बढ़ाए हैं। कई कंपनियां अपने विमानों को ग्राउंडेड करने का प्लान भी बना रही हैं। अकासा एयर भी 15 मार्च से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान टिकटों पर 199 रुपये से 1,300 रुपये तक ईंधन अधिभार लगाएगी। अकासा एयर ने शनिवार को बयान में कहा कि ईंधन अधिभार 15 मार्च की रात 12:01 बजे से होने वाली सभी टिकट बुकिंग पर लागू होगा।

सेबी चेयरमैन की सलाह अनिश्चित माहौल में धैर्य बनाए रखें निवेशक

मुंबई, एजेंसी

- **कोरोना-युद्ध ने दिखाया कि समय के साथ स्थिर हो जाते हैं बाजार**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को निवेशकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और इसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति करार दिया।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बाजारों में बिकवाली के दबाव के बीच पांडेय ने कहा कि कोरोना महामारी या रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी पिछली घटनाओं ने यह दिखाया है कि समय के साथ बाजार स्थिर हो जाते हैं।

सेबी के चेयरमैन ने बताया कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता बहाल करने के प्रयास जारी हैं, हालांकि दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी तनाव ने ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा की है। उन्होंने कहा कि कई निवेशकों, खासकर खुदरा निवेशकों के लिए, ऐसे अनिश्चित समय में सबसे अच्छी रणनीति धैर्य बनाए रखना है। भारतीय पूंजी बाजार नियामक के प्रमुख ने माना कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता हावी है, जो प्रौद्योगिकी बदलाव, कृत्रिम मेधा (एआई) के अपनाने और भू-राजनीतिक तनावों के कारण उत्पन्न होती है।

पांडेय ने पिछले अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि बाजारों में उतार-चढ़ाव आया ... लेकिन वे अंततः स्थिर हो गए। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता अपवाद नहीं बल्कि वित्तीय बाजारों की एक सामान्य विशेषता है।

पांडेय ने कहा कि अनिश्चित समय में पूंजी बाजार की ताकत अस्थिरता की अनुपस्थिति में नहीं है। अस्थिरता बाजारों की एक प्राकृतिक विशेषता है। असली ताकत इस विश्वास में है कि प्रणाली तनाव के समय भी निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से काम करेगी। पांडेय ने कहा कि यदि हम संस्थानों को मजबूत बनाना जारी रखें, सहभागिता बढ़ाएं और शासन व्यवस्था को बनाए रखें, तो भारतीय पूंजी बाजार अनिश्चितता से निपट कर और मजबूत भी बन सकते हैं।

पश्चिम एशिया संकट

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रमुख देशों के संपर्क में है भारत

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तनाव के दृष्टिगत भारत ने शनिवार को कहा कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए खाड़ी सहयोग परिषद, ईरान, अमेरिका, इजराइल सहित सभी प्रमुख पक्षों के साथ संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संवाद और कूटनीति की वकालत करने के साथ ही भारत ने लगातार इस क्षेत्र से माल और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध पारगमन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव असीम महाजन ने बताया कि मौजूदा संघर्ष में पांच भारतीय नागरिकों की जान चली गई है और एक लापता है। 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से 1,72,000 भारतीय लौट चुके हैं।

जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि हमने पूरे क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना सहित नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। ईरान द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक संकरे समुद्री परिवहन मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। वैश्विक तेल और एलएनजी का लगभग 20% हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है।

उन्होंने कहा कि हम खाड़ी सहयोग परिषद के सभी सदस्यों के अलावा ईरान, अमेरिका और इजराइल सहित सभी महत्वपूर्ण वार्ताकारों के साथ विभिन्न राजनीतिक एवं राजनयिक स्तरों पर संपर्क में हैं।

खाद की कोई कमी नहीं, सरकार ने दिया भरोसा

पश्चिम एशिया संकट के बीच स्पष्ट किया-आगामी खरीफ सत्र के लिए पर्याप्त से अधिक है भंडार

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया कि यूरिया और अन्य पोषक तत्वों का भंडार पर्याप्त से अधिक है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने भी उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन दिया है। पश्चिम एशिया संकट से जुड़े घटनाक्रमों पर एक अंतर मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में जायसवाल ने कहा कि मैं आपको बता सकता हूं कि इस समय भारत के पास उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है, विशेष रूप से आगामी खरीफ सत्र के लिए। हमारे पास यूरिया का भंडार पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अधिक है। उन्होंने आंकड़ों के हवाले से बताया कि भारत का डीएपी (डाइअमोनियम फॉस्फेट) भंडार 2025 की तुलना में दोगुना है, जबकि एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम) की स्थिति भी पहले से काफी बेहतर है। उन्होंने विश्लेषकों से आग्रह किया कि वे तथ्यात्मक स्थिति को देखें और अधूरी जानकारी के आधार पर घबराहट न फैलाएं।

प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान घरेलू उत्पादन हमारी सामान्य खपत से अधिक है, क्योंकि रबी का मौसम अब समाप्ति की ओर है। सरकार ने संयंत्रों का वार्षिक रखरखाव समय से पहले ही पूरा कर लिया है ताकि उपलब्ध गैस के साथ उत्पादन को अधिकतम किया जा सके। उर्वरक विभाग ने समय रहते वैश्विक निविदाएं जारी की थीं, जिन्हें अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और मार्च के अंत तक बड़ी आपूर्ति की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल 15 दिनों में 40% तक बढ़े दाम, भविष्य पर नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 15 दिनों के भीतर 40 प्रतिशत से अधिक की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष और बढ़ता है या महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग प्रभावित होते हैं, तो आने वाले दिनों में कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

क्या बता रहे आंकड़े

आंकड़ों के अनुसार, 27 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत करीब 73 डॉलर प्रति बैरल थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य टकराव और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंताओं के कारण शनिवार तक यह कीमत लगभग 103 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इस प्रकार केवल 15 दिनों के भीतर प्रति बैरल करीब 30 डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो लगभग 41 प्रतिशत के उछाल के बराबर है। बताया जा रहा है कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच तनाव 28 फरवरी से और तेज हो गया, जब अमेरिकी और इस्राइली बलों ने ईरान के सैन्य ठिकानों तथा शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमले किए। इस घटनाक्रम के बाद वैश्विक बाजारों में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता गहराने लगी है।

विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बाजार में आशंका बढ़ी हुई है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचती है। यदि इस मार्ग पर किसी प्रकार की रुकावट आती है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

बाजार को लेकर विशेषज्ञों की राय

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला सप्ताह ऊर्जा बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर के अनुसार निवेशकों की नजरें पूरी तरह पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर टिकी रहेंगी। सरकारों के बयान, सैन्य गतिविधियां और संभावित कूटनीतिक पहल बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

ईंधन आपूर्ति संकट: अच्छी स्थिति में है भारत

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण समुद्री मार्ग बाधित होने के बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कच्चे तेल और ईंधन से संबंधित किसी भी हालात से निपटने के लिए भारत अच्छी स्थिति में है। गोयल ने एक अवार्ड समारोह में कहा कि सरकार निर्यातकों को समर्थन देने के लिए अगले सप्ताह कुछ ठोस एजेंडा लेकर आने की योजना बना रही है। गोयल ने कहा कि कच्चे तेल और ईंधन के मामले में हमारी स्थिति काफी अच्छी है। हमारे पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। कच्चे तेल या ईंधन, पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन के मोर्चे पर किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। भारत ने केरोसिन का उत्पादन बढ़ा दिया है ताकि एलपीजी की आपूर्ति में किसी भी देरी की स्थिति में आम आदमी के लिए खाना पकाने का एक वैकल्पिक साधन उपलब्ध हो सके। गोयल ने कहा–इसके साथ ही, हम विविध स्रोतों से आयात के माध्यम से एलपीजी और एलएनजी संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा कर रहे हैं।

गर्मियों में बढ़ सकती है कोयले की मांग, सरकार तैयार: रेड्डी

चंद्रपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि गर्मी का मौसम शुरू होने के साथ आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने से कोयले की मांग और अधिक बढ़ सकती है, लेकिन सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि कोयला कंपनियां अतिरिक्त उत्पादन कर रही हैं और सरकार लगातार उनसे संपर्क में है ताकि किसी भी बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। मंत्री ने कहा कि हम सभी कोयले की जरूरतें देश में ही पूरा करते हैं। आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने से कोयले की मांग और बढ़ सकती है, लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए तैयार हैं। गर्मियों में कोयले की मांग बढ़ जाती है। इसी तरह, सर्दियों में हीटर के बढ़ते उपयोग से बिजली की जरूरत बढ़ जाती है, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में जहां बिजली की मांग तेजी से बढ़ती है। केंद्रीय कोयला और खनिज मंत्री यहां वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के मुरपार भूमिगत कोयला खदान के सतत और वैज्ञानिक बंद करने तथा पुनः उपयोग के कार्यक्रम का उद्घाटन करने आए थे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने खदान के बंद होने से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की। इस खदान में 2003 में कोयला उत्पादन शुरू हुआ था और 2022 में इसे बंद कर दिया गया था, जब इसे ताडोबा–अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) के पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र का हिस्सा घोषित किया गया। मंत्री ने कहा कि खदान का बंद होना अंत नहीं बल्कि सतत विकास की दिशा में एक नई शुरुआत है।

उड़ान सस्ती और अच्छी शिक्षा की चाहत बना रही एनआरआई

यूरोप, सिंगापुर की ओर उड़ने को बेताब भारतीय छात्र

मुंबई, एजेंसी

- **अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का आकर्षण भी बरकरार**

किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के कारण भारतीय छात्र तेजी से स्पेन, जर्मनी, सिंगापुर, यूएई और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को पढ़ाई के लिए चुन रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

शिक्षा क्षेत्र पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ऑक्सिलो फिनसर्व की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अब भी भारतीय छात्रों के लिए काफी आकर्षक बने हुए हैं, खासकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए। हालांकि, अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अन्य देशों को भी तेजी से विकल्प के रूप में चुन रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार इस बदलाव के पीछे कम लागत, अच्छे शिक्षण संस्थान, वीजा के आसान नियम, प्रशिक्षण और नौकरी के बेहतर अवसर तथा छात्रों की सुरक्षा जैसे कुछ कारण हैं।

ऑक्सिलो फिनसर्व में विदेशी शिक्षा ऋण से जुड़ी मुख्य अधिकारी श्वेता गुरु ने कहा कि आज भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई के मामले में अधिक व्यावहारिक हो गए हैं और वे खर्च के बदले मिलने वाले लाभ को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्पेन, जर्मनी और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पढ़ाई के लिए मांग तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि वहां अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा, कम खर्च, स्पष्ट वीजा प्रक्रिया और पढ़ाई के बाद रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं, खासकर स्नातकोत्तर स्तर और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित से जुड़े पाठ्यक्रमों में। रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोप के कई नए शिक्षा केंद्रों में वर्ष 2023 से 2025 के बीच लगातार मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार इन देशों में पढ़ाई का कुल खर्च लगभग 18 से 40 लाख रुपये प्रति वर्ष है, जबकि ब्रिटेन जैसे पारंपरिक देशों में यह 60 से 90 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच जाता है।

वहीं जर्मनी, स्पेन और अन्य उभरते देशों में पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी मिलने में औसतन छह से नौ महीने लगते हैं, जबकि पारंपरिक देशों में यह समय नौ से 15 महीने तक हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन देशों में शुरुआती वेतन लगभग 25 से 45 लाख रुपये सालाना होता है, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे पारंपरिक देशों में यह 45 से 75 लाख रुपये तक हो सकता है।

उद्योग की परिभाषा पर 17 को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीमकोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 17 मार्च से औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर सुनवाई शुरू करने वाली है। न्यायालय की 17 मार्च की कार्यसूची के अनुसार, इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ करेगी।

इस पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

इससे पहले 16 फरवरी को न्यायालय ने उन व्यापक मुद्दों को तैयार किया था, जिन पर इस पीठ को निर्णय लेना है।

एक अप्रैल से महंगा हो जाएगा फास्टैग वार्षिक पास, 52 लाख लोगों पर होगा असर

नयी दिल्ली। यदि आप कार से चलते हैं तो ये खबर आपके लिए जरूरी है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने फास्टैग के वार्षिक पास की कीमतों में 2.5% की वृद्धि करने का फैसला किया है।

अब प्राइवेट गाड़ी मालिकों को वार्षिक पास के लिए 3,000 की जगह 3,075 रुपए चुकाने होंगे। यह पास कार चालकों को देशभर के 200 टोल प्लाजा पर बिना रुके सफर करने की सुविधा देता है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी, तभी इसकी अधिसूचना में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह वृद्धि उसी वार्षिक समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने बीती 15 अगस्त 2025 से इस खास

वार्षिक पास की सुविधा शुरू की थी। तब से अब तक 52 लाख से ज्यादा कार चालक इससे जुड़ चुके हैं। इस योजना की सबसे अहम बात ये है कि इसे एक साल अनेक बार रिचार्ज कराया जा सकता है। लंबी दूरी की यात्राओं में रहने वालों के लिए ये बहुत सस्ता पड़ता है।

पुराने रेट का एक मौका

अधिकारियों के अनुसार जो कार चालक 31 मार्च तक अपना पास रिचार्ज करायेंगे या नया पास खरीदेंगे, उन्हें यह पुरानी दरों यानी 3,000 रुपए में ही मिलेगा।

सरकार ने बिजली उत्पादन मानदंडों में संशोधन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने कंपनियों के कैप्टिव विद्युत उत्पादन संयंत्रों (सीजीपी) से जुड़े नियमों की व्याख्या को अधिक स्पष्ट करने और इसे व्यवसाय के लिए अधिक आसान एवं अनुकूल बनाने के लिए विद्युत नियमावली, 2005 के नियम 3 में संशोधन किये हैं।

विद्युत मंत्रालय की शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में विद्युत (संशोधित) नियमावली-2026 को अधिसूचित कर दिया गया है। मंत्रायल ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य नियमों की व्याख्या से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करना, उद्योगों के लिए कारोबार में आसानी को सुधानाऔर कैप्टिव बिजली संयंत्र व्यवस्था को भारत के ऊर्जा संक्रमण और औद्योगिक विकास के लक्ष्यों के साथ समन्वित करना है। नये संशोधनों के कुछ प्रावधान कुछ प्रावधान एक अप्रैल 2026 से लागू होंगे जबकि अन्य संशोधन तुरंत प्रभाव से लागू होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

वीजा धोखाधड़ी में 11 भारतीयों पर आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा धोखाधड़ी के लिए दुकानों में फर्जी हथियारबंद डकैती की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों पर फर्जी डकैतियों को अंजाम देने का आरोप है ताकि दुकान के लिपिक ग्रीन कार्ड प्राप्त करने के लिए आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बता सकें। इन 11 लोगों में 39 वर्षीय जीतेंद्रकुमार पटेल, 36 वर्षीय महेशकुमार पटेल, 45 वर्षीय संजयकुमार पटेल, 40 वर्षीय दीपिकाबेन पटेल, 52 वर्षीय रमेशभाई पटेल, 43 वर्षीय अमिताबहेन पटेल, 28 वर्षीय रौनककुमार पटेल, 36 वर्षीय संगीताबेन पटेल, 42 वर्षीय मिंकेश पटेल, 42 वर्षीय सोनल पटेल और 40 वर्षीय मितुल पटेल शामिल हैं जिन पर वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो बीमार

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो निमोनिया से पीड़ित हैं और देश की राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उनके चिकित्सक ब्रासिल कैआडो ने पत्रकारों को बताया कि 70 वर्षीय बोलसोनारो की स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर है। कैआडो ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के रोगियों में निमोनिया हमेशा गंभीर होता है क्योंकि यह सेप्टीसीमिया में बदल सकता है और इस बैक्टीरिया के रक्तप्रवाह में प्रवेश करने की आशंका रहती है इसलिए इससे अधिक गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

110 साल के बाद लौटा आइवरी कोस्ट का ढोल

अबिदजान। फ्रांस ने औपनिवेशिक काल के दौरान लूटी गई एक अमूल्य विरासत, जिजी अयोक्वे नाम वाले एक पवित्र 'ढोल' को आधिकारिक तौर पर उसके मूल देश आइवरी कोस्ट को लौटा दिया है। परंपरा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहे इस ढोल को शुक्रवार सुबह एक विशेष विमान के जरिए अबिदजान के हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया, जहां आदिवासी कबीलों के पारंपरिक प्रमुखों और सांस्कृतिक अधिकारियों ने भावुक होकर इसका नाच गाकर स्वागत किया। लगभग 3.3 मीटर लंबा और 430 किलोग्राम वजनी यह विशाल ढोल आइवरी कोस्ट के 'अचान' समुदाय की पहचान का प्रतीक है।

उत्तर कोरिया ने जापान सागर में दागीं मिसाइलें

सियोल, एजेंसी

- अमेरिका- दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान किया शक्ति प्रदर्शन

अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए शनिवार को पूर्वी सागर की ओर लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं।

दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के निकटवर्ती क्षेत्र से दागी गईं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरे। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स' ने कहा कि सेना ने निगरानी बढ़ा दी है और संभावित अतिरिक्त हमलों के खिलाफ तत्परता बनाए रखी है तथा वह अमेरिका एवं जापान के साथ जानकारी साझा कर रही है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है, जब उत्तर कोरिया ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का जवाब देने की हाल में धमकी दी थी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच 11 फ्रीडम शील्ड युद्धाभ्यास जारी है। अमेरिका-द. कोरिया के अभ्यासों को उत्तर कोरिया खुद पर आक्रमण की तैयारी बताता रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की रैली से पूर्व भाजपा-तृणमूल कार्यकर्ताओं में झड़प

- मंत्री के घर पर भी पथराव, भाजपा नेता व एक पुलिस अफसर घायल

कोलकाता, एजेंसी

मध्य कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से करीब आधा घंटा पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और भाजपा के एक नेता घायल हो गए।

झड़प के बीच, यह आरोप भी सामने आया कि गिरीश पार्क इलाके में पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा के आवास पर पथराव किया गया। यह झड़प रैली स्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर उस समय हुई जब भाजपा समर्थक प्रधानमंत्री की रैली में शामिल होने के लिए ब्रिगेड परेड मैदान की ओर जा रहे थे। यह रैली विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा' के समापन का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के समर्थकों ने कथित तौर पर एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और नारे लगाए, जिससे इलाके में तनाव पैदा हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास में बोबाजार पुलिस थाना प्रभारी बप्पादित्य नस्कर भी घायल हो गए। भाजपा ने दावा किया कि झड़प के दौरान उत्तरी कोलकाता जिला अध्यक्ष तमघनो घोष और कई पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए। पार्टी नेताओं ने बताया कि घोष को अस्पताल ले जाया गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रैली स्थल की ओर जाते समय उनके समर्थकों पर हमला किया गया। भाजपा के एक कार्यकर्ता ने एक बांग्ला समाचार चैनल को बताया, बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। हमें गालियां भी दी गईं। पार्टी ने आरोप लगाया कि झड़प में रैली में समर्थकों को ले जा रही बसों सहित कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, टीएमसी कार्यकर्ताओं ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि ब्रिगेड रैली में जाते समय भाजपा समर्थकों ने पांजा के आवास पर हमला किया था। पांजा ने दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने उनके आवास को निशाना बनाया और खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। मंत्री ने आरोप लगाया, भाजपा के गुंडों ने हमला किया। रैली में जा रही बसों में ईंटें, कांच की बोतलें और बम ले जाए जा रहे थे।

मध्य कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी की रैली के पूर्व भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद सड़क पर बिखरीं ईंटें और मौजूद पुलिस।

शुरुआत में निष्क्रिय बनी रही पुलिस

कुछ भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि स्थिति बिगड़ने पर पुलिस शुरू में निष्क्रिय रही। बाद में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और झड़प करने वाले समूहों को तितर-बितर करके स्थिति को नियंत्रण में किया। इलाके में तनाव बढ़ने के बाद दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं। ये झड़प ब्रिगेड परेड मैदान में मोदी की रैली से ठीक पहले हुई।

भाजपा की सरकार बनने पर दो वर्ष में पंजाब को करेंगे नशामुक्त: शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने कानून व्यवस्था, धर्मांतरण और भ्रष्टाचार पर मान सरकार को घेरा

- कहा-आप प्रमुख केजरीवाल के लिए एटीएम बनी मान सरकार

मोगा (पंजाब), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या, धर्मांतरण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर शनिवार को पंजाब की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक एटीएम बन गई है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक मौका दें ताकि राज्य में बदलाव लाया जा सके।

मोगा में एक बदलाव रैली में चुनावी बिगुल बजाते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने राज्य के लोगों से कहा कि उन्होंने कांग्रेस, अकाली दल और 'आप' को कई मौके दिए हैं। शाह ने आरोप लगाया, आज पंजाब कर्ज, नशे, धर्मांतरण, भ्रष्टाचार और गैंगस्टरों के आतंक के कारण बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पंजाब को नशे और अन्य समस्याओं से मुक्त कर सकता है, तो वह केवल नरेन्द्र मोदी और भाजपा ही हैं। उन्होंने वादा किया कि यदि भाजपा 2027 में सत्ता में आई तो नशे के कारोबार को सिर्फ दो साल में जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने कहा, इस राज्य में कोई सरकार नहीं है। अगर कोई सरकार होती, तो कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब नहीं होती; राज्य नशे की समस्या से जूझता नहीं और किसान इतनी पीड़ा में नहीं होते मान केवल केजरीवाल के पायलट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार भ्रष्टाचार में डूब गई है।

शाह ने कहा, मुख्यमंत्री मान को शर्म आनी चाहिए कि दिल्ली के चार 'सूबेदार' राज्य में बैठे हुए हैं और इसकी सारी संपत्ति बाहर भेज रहे हैं। पंजाब में आप की सरकार अरविंद केजरीवाल के लिए एक एटीएम बन गई है। यह पंजाब की गरिमा के साथ खिलवाड़ कर रही है। शाह ने कहा, भाजपा को एक मौका दें, हम पंजाब में बदलाव लाएंगे। शाह ने बताया कि पार्टी ने 2027 के चुनावों के लिए अपनी चुनावी मुहिम मोग़ा से शुरू की है। उन्होंने कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करने आया हूं कि भाजपा को वोट दें। शाह ने कहा कि भाजपा पहले अकालियों के जूनियर सहयोगी के रूप में पंजाब में सरकार का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, जब भी हम आपके सामने आए, हम छोटे भाई के रूप में आए। कहा कि भाजपा 2027 के चुनावों के बाद सरकार बनाने के लिए लड़ाई लड़ने जा रही है।

पंजाब के मोगा में बदलाव रैली के दौरान मंच पर भाजपा नेताओं तरुण चुघ, रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य नेताओं के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिखाई दे रहे हैं।

किसानों को गुमराह कर रही आप-कांग्रेस

राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर हमलावर रुख अपनाते हुए शाह ने कहा कि 2026 में तीन गांव के सरपंच मारे गए जबकि गैंगस्टर लोगों से पैसे उगाह रहे हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर, शाह ने 'आप' सरकार और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधा और किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। मोगा के किली चाहलान गांव में रैली के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। मोगा पंजाब के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा क्षेत्र में है, राज्य की 117 विधानसभा सीटों में से 69 इस क्षेत्र में हैं।

पाकिस्तान ने मार गिराए अफगानी ड्रोन, चार घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिए गए अफगान तालिबान के ड्रोन के मलबे की चपेट में आने से दो बच्चों सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि इन ड्रोन को शुक्रवार को उनके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही राजधानी इस्लामाबाद से सटे रावलपिंडी, क्वेटा और कोहाट में रोककर नष्ट कर दिया गया। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार, इन हमलों का मकसद लोगों में डर पैदा करना था और ये हमें उस आतंकवादी मानसिकता की याद दिलाते हैं, जिससे अफगान तालिबान प्रेरित है।

सेना की मीडिया शाखा ने कहा कि इन ड्रोन को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया और वे अपने तयशुदा लक्ष्यों तक नहीं पहुंच सके लेकिन इनके मलबे के कारण क्वेटा में दो बच्चे तथा कोहाट एवं रावलपिंडी में एक-एक नागरिक घायल हो गए। उसने कहा, अफगान तालिबान एक ओर दुनिया की सहानुभूति हासिल करने के लिए खुद को पीड़ित के रूप में पेश करता है, वहीं दूसरी ओर वह अपने आतंकवादी सरगनाओं और अपने ड्रोन के जरिए नागरिकों को सक्रिय रूप से निशाना बनाता है।

ब्रेन इम्प्लांट के व्यावसायिक उपयोग को चीन ने दी मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी

- लकवाग्रस्त मरीजों के इलाज के लिए जगी नई उम्मीद

चीन ने लकवाग्रस्त व्यक्तियों के हाथों में जान डालने में मदद के लिए डिज़ाइन किए गए दुनिया के पहले ब्रेन इम्प्लांट को व्यावसायिक उपयोग के लिए आधिकारिक मंजूरी दे दी है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला चीन दुनिया का पहला देश बन गया है।

इस डिवाइस को चीनी कंपनी 'न्यूरैकल मेडिकल टेक्नोलॉजी' ने विकसित किया है और यह 'ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस' तकनीक पर आधारित है। यह डिवाइस मुख्य रूप से उन वयस्कों (18 से 60 वर्ष) के लिए है जो गर्दन में रीढ़ की हड्डी की गंभीर चोट के कारण लकवे का शिकार हो गए हैं। बीसीआई तकनीक, किसी इंसान के तंत्रिका तंत्र को ऐसे उपकरणों से जोड़ती है जो मस्तिष्क की गतिविधियों को समझ सकते हैं। सरल शब्दों में, यह मशीन मरीज के दिमाग में चलने वाले 'हाथ हिलाने के विचार' को पकड़ती है और उसे सॉफ्टवेयर के जरिए एक रोबोटिक दस्ताने को भेजती है। यह दस्ताना मरीज के हाथ को खोलने और बंद करने में मदद करता है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ पाता है। चीन ने हाल के वर्षों में बीसीआई तकनीक को अपनी राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकता में शामिल किया है। साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीन इसे भविष्य की आर्थिक वृद्धि के एक बड़े कारक के रूप में देख रहा है। पिछले साल, एक अन्य चीनी कंपनी 'न्यूरोएक्सिस' ने भी तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब आठ साल से फालिज या लकवाग्रस्त एक इंसान ने इम्प्लांट के महज पांच दिन बाद अपने विचारों से डिजिटल उपकरणों को नियंत्रित करना शुरू कर दिया था।

दूसरी ओर, एलन मस्क की कंपनी 'न्यूरालिंक' भी इस दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रही है। श्री मस्क ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि उनकी कंपनी 2026 में बीसीआई उपकरणों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर देगी। न्यूरालिंक के अनुसार, दुनिया भर में अब तक 12 गंभीर रूप से लकवाग्रस्त लोग उनके इम्प्लांट का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, कमर्शियल मंजूरी के मामले में चीन ने फिलहाल बाजी मार ली है।

राजकोट में एम्स के प्रशिक्षु डॉक्टर ने की आत्महत्या

राजकोट (गुजरात), एजेंसी

- सुसाइड नोट में अपने सहपाठियों पर लगाया राजस्थान निवासी डॉक्टर ने मारपीट का आरोप

राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कार्यरत 25 वर्षीय प्रशिक्षु चिकित्सक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। मौके से मिले एक सुसाइड नोट में दावा किया गया है कि सहपाठियों ने उस पर हमला किया था।

पुलिस उपायुक्त (जोन 2) राकेश देसाई ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर निवासी रतनकुमार मेघवाल का शव शहर के पास घंटेश्वर और पारा पिपलिया के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला। अधिकारी ने बताया कि गांधीग्राम पुलिस को सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और मेघवाल का शव बरामद किया।

देसाई ने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास से मेघवाल का लैपटॉप, मोबाइल फोन, मेडिकल फाइलें और पहचान पत्र बरामद हुए। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रशिक्षु चिकित्सक के पास से एक नोट मिला है जिसमें मेघवाल ने अपने सहपाठियों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है।

अधिकारियों ने बताया कि मेघवाल ने 27 जनवरी को भी उसी स्थान पर आत्महत्या का प्रयास किया था लेकिन तब पुलिस मौके पर पहुंची थी और उसे राजस्थान स्थित उसके घर भेज दिया था।

अमेरिका ने ईरानी नेतृत्व पर घोषित किया एक करोड़ डॉलर का इनाम

वॉशिंगटन, एजेंसी

- रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस कार्यक्रम के तहत अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने की घोषणा

अमेरिका ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई समेत कई प्रमुख नेताओं की जानकारी देने वाले को एक करोड़ डॉलर तक के इनाम की घोषणा की है। यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्रालय के 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' कार्यक्रम के तहत की गई है।

इसमे विशेष रूप से उन अधिकारियों को लक्षित किया गया है जो ईरान की सत्ता और सैन्य तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस सूची में मोजतबा खामेनेई के अलावा अली असगर हेजाजी (डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ), मेजर जनरल यहया रहीम सफावी (सैन्य सलाहकार), अली लारीजानी (सलाहकार), ब्रिगेडियर जनरल एस्कंदर मोमेनी (आंतरिक मामलों के मंत्री), इस्माइल खतीब (खुफिया और सुरक्षा मंत्री) शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ये व्यक्ति इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के विभिन्न अंगों का संचालन करते हैं, जो दुनिया भर में आतंकवाद की योजना बनाने और अंजाम देने का काम करता है। नोटिस में अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया है कि महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले व्यक्ति को न केवल नकद पुरस्कार दिया जाएगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर बसाने की सुविधा भी देगा। यह कदम हाल ही में आयतुल्लाह खामेनेई और अन्य शीर्ष ईरानी अधिकारियों की मौत के बाद जारी सैन्य अभियानों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है।

मोजतबा को निशाना बनाया तो ईरान गंभीर कार्रवाई करेगा

मास्को। रूस में ईरान के राजदूत काज़ेम जलाली ने रूसी न्यूज एजेंसी स्पूतनिक को बताया कि यदि अमेरिका ईरान के नय सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हत्या करने का प्रयास करता है, तो उसे गंभीर जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि यदि अमेरिका और इज़रायल ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हत्या का प्रयास करते हैं, तो ईरान की क्या प्रतिक्रिया होगी, तो जलाली ने कहा, आप आज ईरान की प्रतिक्रिया देख रहे हैं। हम अपने नेता (अयातुल्ला अली खामेनेई) के लिए खून का बदला चाहते हैं।

जम्मू के पुंछ में आतंकवाद विरोधी अभियान में सेना के सूबेदार की जान गई

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान एक कनिष्ठ कमीशन अधिकारी (जेसीओ) फिसलकर नीचे गिर गए जिससे उनका निधन हो गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने यह जानकारी दी।

सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ऑपरेशन शेरी कलां के तहत पुंछ सामान्य क्षेत्र में लंबे समय तक चले अभियानों के दौरान चुनौतीपूर्ण और ऊबड़-खाबड़ इलाके में काम करते समय, आज अपराह्न करीब 2.30 बजे, सूबेदार संदीप कुमार ढाका फिसलकर नीचे गिर गए और बेहोश हो गए। इसने कहा, ढाका को तुरंत पोथा स्थित सैन्य अस्पताल ले जाया गया। उन्हें होश में लाने के लिए चिकित्सकों ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन बहादुर जेसीओ ने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवा दी।

सेना ने जेसीओ के अटूट साहस, दृढ़ समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। व्हाइट नाइट कोर ने कहा, दुख की इस घड़ी में, हम शोकसंतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं और उस योद्धा की स्मृति का सम्मान करते हैं जिसने अपनी अंतिम सांस तक राष्ट्र की सेवा की।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज दिन की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। नए लक्ष्यों को निर्धारित कर सकते हैं। अपनी बातों को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

वृष आज नए व्यापारिक समझौते करने से बचें। स्वयं के लिए कुछ समय अवश्य निकालें। उचित परिणाम न मिलने से मन उदास हो सकता है।

मिथुन आज निजी रिश्तों के बीच अहम् की भावना न आने दें। आपको कर्ज नहीं लेना चाहिए। व्यवसाय में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कर्क आज आपका मन अत्यधिक प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। उधार दिया हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह आज दूसरे के मामलों में अधिक हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। रुके हुए कार्यों को पूर्ण करेंगे। कार्यक्षेत्र में समस्याओं का अनुभव होगा।

कन्या आज घर में शुभ प्रसंग हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। धार्मिक विचारों का आपके ऊपर अत्यधिक प्रभाव रहेगा।

तुला आज आय की अपेक्षा धन अधिक खर्च हो सकता है। वैवाहिक संबंधों में कुछ कड़वाहट आ सकती है। शरीर में पानी की कमी न होने दें।

वृश्चिक आज आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे।

धनु आज व्यापार में नया प्रयोग करने से बचें। आर्थिक समस्याओं का निवारण होगा। परिजनों से किसी गंभीर विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

मकर आज कार्यक्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण एवं ठोस निर्णय लेने पड़ेंगे। सामाजिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। व्यापारिक घाटे में कमी आएगी।

कुंभ आज आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें।

मीन आज फाइनेंस से जुड़े कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। सभी कार्य आपके अनुसार होते चले जाएंगे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

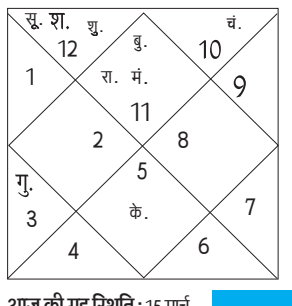

आज की ग्रह स्थिति: 15 मार्च, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 09.16 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 16 मार्च 05.56 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

सुडोकू - 88 का हल

1	7	6	9	8	4	2	5	3
9	8	2	3	6	5	4	1	7
3	4	5	2	1	7	6	8	9
7	5	8	6	3	2	1	9	4
6	2	9	5	4	1	7	3	8
4	3	1	7	9	8	5	2	6
2	1	3	4	7	9	8	6	5
8	9	4	1	5	6	3	7	2
5	6	7	8	2	3	9	4	1

सुडोकू -89

	5				7		8	
		2		9				5
	8			2		4		
4	3							8
							9	
6				3				1
	4	9				3		
5				4		2		
	7		6				5	

ईरानी नागरिक व कुछ नौसैनिक स्वदेश रवाना

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत में फंसे कई ईरानी नागरिक ईरान की एक चार्टर्ड उड़ान में शुक्रवार रात को कोच्चि हवाई अड्डे से रवाना हुए जिनमें ईरानी दूतावास के कर्मचारी, पर्यटक और कोच्चि बंदरगाह पर लंगर डालने वाले ईरान के युद्धपोत आईआरआईएस लावन के कुछ नौसैनिक शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में विभिन्न मंत्रालयों की ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।

विचार

कानूनी कामकाज में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल पर बोले उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

न्यायाधीश की नैतिक जिम्मेदारी का स्थान नहीं ले सकता एआई

हैदराबाद, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर कृत्रिम मेधा (एआई) समय बचा सकती है और कानूनी कार्य के कुछ पहलुओं को अधिक प्रबंधनीय बना सकती है, लेकिन यह एक वकील की प्रतिभा, न्यायिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकती।

विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना संस्थाओं की जिम्मेदारी

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि यह हमारे युग का विरोधाभास है, लेकिन इस विरोधाभास का बुद्धिमत्तापूर्वक समाधान करना हमारी संस्थाओं की जिम्मेदारी भी है। इसलिए हमारा दृष्टिकोण सैद्धांतिक अनुकूलन का होना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह नई है। हमें इसे अंधाधुंध स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह कारगर है।उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था का भविष्य केवल प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से सुरक्षित नहीं होगा। यह सुनिश्चित करने से सुरक्षित होगा कि प्रौद्योगिकी कानूनी व्यवस्था के मूलभूत आदर्शों से जुड़ी रहे। उच्चतम न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और तेलंगाना हाईकोर्ट के सीजे न्यायमूर्ति अपारेश कुमार सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने उच्चतम न्यायालय में भी कृत्रिम मेधा से उत्पन्न सामग्री के लापरवाहीपूर्वक उपयोग के मामलों पर चिंता व्यक्त जताई, जिनमें ऐसे उद्धरणों और संदर्भों का उल्लेख शामिल है जो अस्तित्व में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि झूठे उद्धरण केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं हैं, वे कानूनी दलीलों की शुचिता और स्वयं न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रहार करते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, लेकिन एक उपकरण को उपकरण ही रहना चाहिए। यह एक वकील के प्रशिक्षित दिमाग, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या न्यायाधीश से अपेक्षित अनुशासित निर्णय का स्थान नहीं ले सकता।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी किसी नोट का मसौदा तैयार करने में मदद कर सकती है, लेकिन इसे कानून बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही कहा कि, एआई के दुरुपयोग से हमें इसके विपरीत चरम सीमा तक नहीं पहुंचना चाहिए।

वह आईपीएल के आने वाले सत्र में वह दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा

-केविन पीटरसन

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 15 मार्च 2026

www.amritvichar.com

हाईलाइट

किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को कहा कि उसने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहने के कारण टीम के किसी भी सदस्य पर जुर्माना नहीं लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की टीम के सुपर आठ चरण से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने इसका खंडन किया। मीर ने यहां पत्रकारों से कहा, किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड खिलाड़ियों के लिए एक फार्मूला तैयार करने के बारे में सोच रहा है क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें अच्छी प्रोत्साहन राशि मिलती है।

लोकेश ने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया।

सबालेंका-रिबाकिना के बीच होगा खिताबी मुकाबला

इंडियन वेल्स। दो बार उपविजेता रह चुकीं एरिना सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने शुक्रवार रात बीएनपी पारिबास ओपन में नोस्कोवा को एक घंटे 28 मिनट में हराया। रविवार को फाइनल में उनका मुकाबला कजाकिस्तान की तीसरे नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना से होगा। रिबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया।

कुलदीप यादव ने वंशिका संग लिए सात फेरे

खेल डेस्क

अमृत विचार। भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने बचपन की मित्र वंशिका चड्ढा संग विवाह रचाया। शादी समारोह उत्तराखंड के मसूरी स्थित सेवाय होटल में संपन्न हुआ। रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद कैफ के अलावा क्रिकेट जगत से जानी-मानी हस्तियां समारोह में शामिल होने पहुंची। खास मेहमानों में बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्णा शास्त्री 1.5 करोड़ की गाड़ी से पहुंचे। शादी के बाद 17 मार्च को लखनऊ के फाइव स्टार होटल में रिसेप्शन का कार्यक्रम है। इससे पहले 13 मार्च को मसूरी के होटल में हल्दी और मेहंदी की रस्म हुई थी। **'रोल्स-रॉयस' विंटेज कार से कुलदीप ने ली एंट्री :** शादी को यादगार बनाने के लिए बारात की एंट्री अलग अंदाज में कराई गई। इसके लिए दूल्हे कुलदीप यादव की बारात में घोड़ी के साथ-साथ एक रॉयल विंटेज कार 'रोल्स-रॉयस' भी मंगाई गई है। **अफगानी और पहाड़ी व्यंजन परोसे गए :** विवाह समारोह में मेहमानों के लिए खास दावत रखी गई। डिनर में अफगानी व्यंजनों से लेकर उत्तराखंड के पहाड़ी व्यंजन शामिल रहेंगे। शादी के दौरान भव्य आतिशबाजी का भी हुआ। **द सेवाय होटल में शाही इंतजाम :** कुलदीप यादव और वंशिका की शादी को खास बनाने के लिए मसूरी के 'द सेवॉय' होटल में शाही इंतजाम किए गए। होटल मैनेजमेंट ने शादी के पलों को यादगार बनाने के लिए किए सारे प्रयास किए। **छह हजार रुपये प्रति प्लेट खाना :** शादी में सजवाट के अलावा खाने पर विशेष ध्यान दिया गया। खबरों के मुताबिक खाने की कीमत छह हजार रुपये प्रति प्लेट रही। वहीं भव्य मंडप और संगीत समारोह खास आकर्षण का केंद्र रहा। **केकेआर ने दी बधाई :** कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने कुलदीप यादव को शादी की बधाई दी है. फ्रेंचाइजी ने लिखा है, कुलदीप यादव और वंशिका को शादीशुदा जिंदगी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

- बरारियों में पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी शामिल
- रोल्स-रॉयस विंटेज कार से पहुंचे कुलदीप
- तिलक वर्मा और मोहम्मद कैफ परिवार के साथ पहुंचे

टी-20 विश्व कप विजेता टीम को सम्मानित करेगा बीसीसीआई

नमन पुरस्कार समारोह आज : कई पुरुष और महिला क्रिकेटरों को मिलेंगे अवॉर्ड

मुंबई, एजेंसी

टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम। फाइल फोटो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रविवार को यहां होने वाले अपने वार्षिक नमन पुरस्कार समारोह के दौरान टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को सम्मानित करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि बीसीसीआई नमन पुरस्कार 2026 का मुख्य आकर्षण हाल के समय में आईसीसी खिताब जीतने वाली सभी पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा। गौतम गंभीर की कोचिंग वाली टीम आठ मार्च को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीन बार टी20 विश्व कप जीतने ओर खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई। यही नहीं वह घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई है।

इस समारोह में उन अन्य भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने हाल के दिनों में आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। इनमें 2025 में वनडे विश्व कप जीतने वाली सीनियर महिला टीम, 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पुरुष टीम, 2026 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम और 2025 में अंडर-19 टी20 विश्व कप जीतने वाली महिला टीम शामिल हैं। बीसीसीआई ने इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत पुरस्कारों की भी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की, जिनके बारे में इस सप्ताह की शुरुआत में पहले ही पता चल गया था। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष) का पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना को अपने करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) के रूप में सम्मानित किया जाएगा। पूर्व दिग्गज रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को बोर्ड का सर्वोच्च सम्मान कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को बीसीसीआई का महिला लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा।

बिन्नी भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने बाद में कोच, चयनकर्ता और 2022 से 2025 तक बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में खेल की सेवा की। द्रविड़ के नाम पर 24,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन दर्ज हैं। भारत के महानतम बल्लेबाजों में शामिल द्रविड़ ने भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई। उनके कोच रहते हुए भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप जीता था।

पुरस्कार पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में इरा जाधव को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (घरेलू) के लिए जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी जाएगी, जबकि शेफाली वर्मा को सीनियर घरेलू एकदिवसीय टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया जाएगा। आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवरों की प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार मिलेगा। विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार दिया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली राज्य एसोसिएशन का पुरस्कार मिलेगा। उसकी टीम ने इस सत्र में चार खिताब जीते और वह दो प्रतियोगिताओं में उपविजेता रही।

आईपीएल में धोनी का हो सकता है यह अंतिम सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने लगाए कयास

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर की भूमिका निभा सकते हैं।

इरफान ने कहा धोनी के बिना सीएसके की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हो सकता है कि इस सत्र में हम उन्हें आखिरी बार पीली जर्सी में देखें। लेकिन उनके बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा आईपीएल शुरू होने के साथ ही हम धोनी को फिर से खेलते हुए देखने लगते हैं। इसका मतलब है कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वह काफी फिट भी दिख रहे हैं। यह 44 वर्षीय खिलाड़ी इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में सीएसके शिविर में शामिल हो चुका है और अभ्यास कर रहा है।

श्रेयस व सॉल्ट को जाने देना केकेआर का गलत फैसला: कुंबले

मुंबई। महान क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 2024 में खिताब जीतने के बाद श्रेयस अय्यर और फिल सॉल्ट को जाने देकर गलत फैसला किया। उन्होंने कहा कि जब तक तीन बार की आईपीएल चैंपियन टीम अहम खिलाड़ियों को अपने पास बनाए रखने की अहमियत नहीं समझेगी तब तक उसे खिताब का गंभीर दावेदार नहीं माना जा सकता। अय्यर केकेआर छोड़कर पंजाब किंग्स में शामिल हो गए जिसकी कप्तानी करते हुए उन्होंने पिछले सत्र में करीब एक दशक बाद टीम को पहली बार आईपीएल फाइनल में पहुंचाया।

मयंक चक्रवर्ती ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्वोत्तर से पहले और भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बने

प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे। उन्होंने जरूरी 6.5 अंक जुटाए जो उनका अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पक्का करने के लिए काफी थे।

आखिरी दौर में उन्होंने इंग्लिश इंटरनेशनल मास्टर जोना बी विलो के साथ एक रोमांचक ड्रॉ खेला और इस तरह अपने अब तक के सबसे यादगार प्रदर्शन पर मुहर लगा दी। इस प्रक्रिया में चक्रवर्ती ने 2500 ईएलको रेटिंग का अहम आंकड़ा भी पार कर लिया। उनकी मौजूदा रेटिंग इस सीमा से कुछ अंक ऊपर है जिससे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार उनका ग्रैंडमास्टर खिताब पक्का हो गया है। चक्रवर्ती ने इस दौरान एक बाजी गंवाई, दो ड्रॉ खेले और बाकी छह बाजियां जीती। इस तरह उन्होंने कुल नौ में से सात अंक हासिल किए। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

महिला हॉकी टीम विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में हारी

हैदराबाद। भारत को एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में शनिवार को इंग्लैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद टीम ने इस साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। दुनिया की छठे नंबर की टीम इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 43वें मिनट में एलिजाबेथ नील ने गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय टीम ने पूरी कोशिश की पर इंग्लैंड की रक्षा पंक्ति को भेद नहीं पाई।

रोहित को उम्मीद, भारतीय टीमें जीत की लय जारी रखेंगी

मुंबई, एजेंसी

टी-20 मुंबई लीग सीजन 4 के लॉन्च इवेंट के दौरान रोहित शर्मा। एजेंसी

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को उम्मीद जताई कि भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें हाल के वर्षों में मिली बड़ी जीत की लय को आगे भी बनाए रखेंगी और देश के लिए और उपलब्धियां हासिल करेंगी। भारत ने हाल में आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार सफलता हासिल की है।

2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता। इसके बाद 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में महिला टीम ने पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीता। इसी साल महिला अंडर-19 टीम ने भी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप अपने नाम किया। भारत की 2026 की शुरुआत भी शानदार रही। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप जीता जबकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में सीनियर टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अपने नाम किया।

रोहित ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट टीमों की उपलब्धियां देखकर उन्हें बहुत गर्व होता है। उन्होंने कहा कि पुरुष टीम के साथ-साथ महिला टीम का विश्व कप जीतना भी शानदार पल था। टी20 मुंबई लीग के मुख्य चेहरे रोहित ने यहां पुरुषों के लिए चौथे और महिलाओं के लिए पहले चरण की घोषणा के दौरान कहा, ''पिछले कुछ वर्षों से हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उसे देखकर मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है।

भारत के खाते में अभी और वैश्विक खिताब आने बाकी

रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई कि भारत के खाते में अभी और भी वैश्विक खिताब आने बाकी हैं। हाल में पुरुष टीम ने जो किया, वह असाधारण था। मुझे उम्मीद है कि यह तो बस शुरुआत है। अब यहां से पीछे मुड़कर देखने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि एक बार जब आपको वह लय मिल जाती है तो यह जारी रहती है। हम अक्सर लय के बारे में बात करते हैं। अब पुरुष और महिला, दोनों ही टीमों के पास वह लय मौजूद है। बस यही उम्मीद है कि हम इस लय को आगे भी बनाए रखें। भारत के पूर्व कप्तान ने उन लोगों की भी जमकर तारीफ की जो इस सफलता को मुमकिन बनाने के लिए पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं।

आग्रह

बैडमिंटन विश्व महासंघ ने वर्तमान तीन गेमों वाली 21 अंक की प्रणाली को 15 अंक में बदलने का किया है प्रस्ताव

अंक प्रणाली में बदलाव पर सतर्कता बरतनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

- वर्तमान प्रारूप का किया समर्थन, बोलीं- इसमें बनी रहती है खेल की गति व दमखम

ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से स्कोरिंग में प्रस्तावित बदलाव पर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और उनका मानना है कि वर्तमान की 21 अंक की प्रणाली खेल की गति और दमखम बनाए रखती है।

बैडमिंटन की विश्व में सर्वोच्च संस्था बीडब्ल्यूएफ ने वर्तमान तीन गेम वाली 21 अंक की प्रणाली को तीन गेम की 15 अंक वाली प्रणाली में बदलने का प्रस्ताव किया है। इस बदलाव पर सदस्य 25 अप्रैल को डेनमार्क के होर्सेंस में बीडब्ल्यूएफ की वार्षिक आम बैठक में मतदान करेंगे। साइना ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा बैडमिंटन की परंपरा समृद्ध है तथा ऑल इंग्लैंड ओपन और बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की गति और सहनशक्ति की परीक्षा होती है। उन्होंने कहा स्कोरिंग या प्रारूप में किसी भी तरह के बदलाव पर सतर्कता पूर्वक विचार किया जाना चाहिए। वर्तमान की 21 अंक वाली प्रणाली अच्छा काम कर रही है और खिलाड़ी इससे अच्छी तरह तालमेल बिठा चुके हैं।

साइना ने कहा यदि कुछ बदलाव किए भी जाते हैं तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रैलियों की गुणवत्ता और खेल के प्रतिस्पर्धी संतुलन पर कोई असर न पड़े। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और खेल भावना पर ही ध्यान केंद्रित रहना चाहिए।'''' बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के लिए प्रस्तावित नए प्रारूप के अनुसार एशिया और यूरोप में होने वाले पांच सुपर 1000 टूर्नामेंटों में एकल वर्ग में एक नया प्रारूप लागू किया जाएगा, जिसमें 48 खिलाड़ी ग्रुप चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके बाद नॉकआउट राउंड होंगे। युगल स्पर्धाओं में 32 जोड़ियों के नॉकआउट ड्रॉ होंगे। प्रत्येक सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक चलेगा। साइना का मानना है कि बीडब्ल्यूएफ को खिलाड़ियों के कल्याण को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उनका मानना है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के कारण आराम के लिए बहुत कम समय बचता है और इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने और उन पर थकान हावी होने की संभावना बनी रहती है।

बैडमिंटन शारीरिक व मानसिक दोनों दृष्टि से मुश्किल खेल

साइना नेहवाल ने कहा बैडमिंटन शारीरिक और मानसिक दोनों दृष्टि से मुश्किल खेल रहा है। इसमें लंबी रैलियां होती हैं और खिलाड़ी लगभग प्रत्येक सप्ताह टूर्नामेंट में खेलते हैं। बीडब्ल्यूएफ ने कैलेंडर को व्यवस्थित करने की कोशिश की है लेकिन एक खिलाड़ी के लिए रिकवरी का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। चोटें और थकान प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं और करियर को भी छोटा कर सकती हैं। साइना ने लक्ष्य सेन की अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए सराहना की जो पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष एकल में उपविजेता रहे थे। यह दूसरा मौका था जबकि लक्ष्य सेन इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ऑल इंग्लैंड ओपन जैसी बड़ी प्रतियोगिता के फाइनल में दो बार जगह बनाना बड़ी उपलब्धि है। यह शुरू से बैडमिंटन का प्रमुख टूर्नामेंट रहा है।